नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 227 | नई दिल्ली, शुक्रवार 15 नवंबर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | परिणीति चोपड़ा ने बताया क्यों शुरू किया... पेज-12

एक नजर

मुर्मु ने प्रकाश पर्व पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति सचिवालय ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रपति ने अपनी संदेश में कहा है, गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर, मैं देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों, विशेष रूप से सिख भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। राष्ट्रपति ने कहा, गुरु नानक देव जी ने 'जपजी साहिब' में प्रेम, आस्था, सत्य और त्याग की शिक्षा दी है, जो हमें नैतिक आचरण की राह पर चलने का संदेश देती है। उन्होंने लंगर की प्रथा शुरू कर समाज में भाईचारे का संदेश दिया। गुरु नानक जी की वाणी हमें गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों को निभाते हुए ज्ञान और वैराग्य की राह पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने ईमानदारी और मेहनत से आजीविका कमाने और उसे जरूरतमंद लोगों के साथ बाँटने की भी सीख दी। उन्होंने कहा, आइए, हम सभी अपने दैनिक जीवन में गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपनाएं और समाज में मेल-जोल और एकता की भावना को और अधिक मजबूत बनाएं।

कनाडा से अर्श दल्ला के प्रत्यर्पण का अनुरोध करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी अर्श सिंह गिल उर्फ अर्श दल्ला की गिरफ्तारी के बाद उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध करने का निर्णय लिया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अर्श दल्ला की गिरफ्तारी की खबर पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, "हमने खालिस्तान टाइगर फोर्स के वास्तविक प्रमुख, घोषित अपराधी अर्श सिंह गिल उर्फ ??अर्श दल्ला की कनाडा में गिरफ्तारी पर 10 नवंबर से प्रसारित मीडिया रिपोर्टें देखी हैं। कनाडाई प्रिंट और विजुअल मीडिया ने गिरफ्तारी पर व्यापक रूप से रिपोर्ट दी है।हम समझते हैं कि ओंटारियो कोर्ट ने मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। अर्श दल्ला हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली और आतंकी वित्तपोषण सहित आतंकवादी कृत्यों के 50 से अधिक मामलों में घोषित अपराधी है। मई 2022 में उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। उसे 2023 में भारत में एक व्यक्तिगत आतंकवादी के रूप में नामित किया गया था।"

श्री जायसवाल ने कहा, "जुलाई 2023 में, भारत सरकार ने कनाडा सरकार से उसकी अस्थायी गिरफ्तारी का अनुरोध किया था। इसे अस्वीकार कर दिया गया था। इस मामले में सभी कनाडाई अधिकारियों को अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध करायी गयी। अर्श दल्ला के संदिग्ध आवासीय पते, भारत में उसके वित्तीय लेनदेन, चल/अचल संपत्तियों, मोबाइल नंबरों के विवरण आदि को सत्यापित करने के लिए पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) के तहत कनाडा को प्रदान किया गये थे और जनवरी 2023 में एक अलग अनुरोध भी भेजा गया था। दिसंबर 2023 में, कनाडा के न्याय विभाग ने मामले पर अतिरिक्त जानकारी मांगी। इन सवालों का जवाब इस साल मार्च में भेजा गया था।"

प्रवक्ता ने कहा, "हालिया गिरफ्तारी के मद्देनजर, हमारी एजेंसियां प्रत्यर्पण अनुरोध पर कार्रवाई करेंगी। भारत में अर्श दल्ला के आपराधिक रिकॉर्ड और कनाडा में इसी तरह की अवैध गतिविधियों में उसकी संलिप्तता को देखते हुए, यह उम्मीद की जाती है कि उसे भारत में न्याय के लिए प्रत्यर्पित या निर्वासित किया जाएगा।"

यूपीपीसीएस अभ्यर्थियों की मांग पूरी, यूपीपीएससी ने वापस लिया फैसला

अब एक दिन एक शिफ्ट में होगी पीसीएस की परीक्षा

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में छात्रों के प्रदर्शन के आगे यूपीपीएससी को झुकना पड़ा है। जानकारी के मुताबिक, यूपीपीएससी ने अपना फैसला वापस ले लिया है। ऐसे में यूपीपीएससी की ओर से होने वाली परीक्षा एक दिन और एक ही शिफ्ट में होगी। वहीं, आरओ-एआरओ की परीक्षा के लिए कमिटी बनाई गई है। बड़ी संख्या में छात्र इसको लेकर प्रयागराज में प्रदर्शन कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर यूपीपीएससी ने यह बड़ा निर्णय लिया है।

खबर के मुताबिक, प्रयागराज में छात्रों की मांग का सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया और आयोग को छात्रों के साथ संवाद कर और समन्वय बनाकर आवश्यक निर्णय लेने को कहा था। इसके बाद यूपीपीएससी ने अपना फैसला बदलते हुए पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 को एक दिन में कराए जाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा आर ओ/एआर ओ(प्रा.)परीक्षा-2023 के लिए आयोग की ओर से समिति का गठन किया गया है। समिति सभी पहलुओं पर विचार कर

जल्द से जल्द अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

बता दें, बीते कुछ दिन से प्रयागराज में हजारों की संख्या में अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।इस दौरान कई बार भारतीय और पुलिस के बीच झड़प भी देखने को मिली है। साथ ही कई बार अधिकारियों ने अभ्यर्थियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन अभ्यर्थी लगातार अपनी मांग पर डटे रहे। प्रयागराज में लोकसेवा आयोग के दफ्तर के सामने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी लगातार पीसीएस-प्री और आरओ-एआरओ की परीक्षा एक दिन एक शिफ्ट में करने की लगातार मांग कर रहे थे।

साथ ही नॉर्मलाइजेशन प्रक्रिया को निरस्त करने की मांग पड़ अड़े थे। अब सीएम योगी के संज्ञान लेने के बाद पीसीएस प्री से जुड़े अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिलने की संभावना है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे लेकर गुरुवार को प्रयागराज आने का ऐलान किया था। ऐसे में उनके प्रदर्शनस्थल पर पहुंचने से पहले ही यूपीएससी ने अपना फैसला बदल दिया।

छात्रों के साथ योगी सरकार का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष की नेता राहुल गांधी ने प्रयागराज में आंदोलन कर रही प्रतियोगी छात्रों की मांग को उचित ठहराते हुए गुरुवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का रवैया उनके प्रति असंवेदनशील और अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

श्री गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार तथा लोक सेवा आयोग को प्रतियोगिताओं के साथ क्रूर व्यवहार करने की बजाय उनकी मांग मान लेनी चाहिए और उनका पुलिस उत्पीड़न बंद करवाया जाना चाहिए। उन्होंने एक्स पर कहा, "प्रयागराज में प्रतियोगी छात्रों के साथ यूपी सरकार और उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग का रवैया बेहद असंवेदनशील और दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर निर्णय

उक्त के संबंध में विगत कुछ दिनों से कुछ छात्रों द्वारा की जा रही मांग का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया और मुख्यमंत्री जी ने आयोग की छात्रों के साथ संवाद और समन्वय बनाकर आवश्यक निर्णय लेने को कहा। इस पर आयोग ने छात्रों से संवाद बनाकर सम्यक रूप से यह निर्णय लिया। मुख्यमंत्री योगी की पहल पर आयोग पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 को पूर्व की भांति एक दिवस में कराए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार, समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी आदि (प्रा.) परीक्षा-2023 को पारदर्शी, गुणधर्मिता एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से सारे तथ्यों का समेकित अनुसंधान एवं विश्लेषण करने हेतु आयोग द्वारा समिति का गठन किया गया है। जो सभी पहलुओं पर विचार कर अतिशीघ्र अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

हम छात्रों के साथ हैं : डिप्टी सीएम

मामले पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि अभ्यर्थियों की पूरी मांगे मान ली गई हैं। सरकार अभ्यर्थियों के साथ है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्थिति में अभ्यर्थियों की अनदेखी नहीं होने देंगे। इसके साथ ही बृजेश पाठक ने कहा कि जिन अधिकारियों ने इस प्रकार का काम किया है, उनकी जांच कराएंगे। हम किसी भी छात्र का अहित नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम प्रदेश के छात्रों के साथ खड़े हो, हम छात्रों के साथ खड़े है। छात्रों को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिले और अच्छी नौकरी मिले, ये हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। बृजेश पाठक ने कहा कि हम जिम्मेदारी के साथ कह सकते हैं कि आज युवाओं की जीत हुई है। इसके लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

मोदी, खरगे, गांधी और वाड्रा ने नेहरु की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु की 135 जंयती पर गुरुवार को प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी ने उन्हें याद किया और श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में लिखा, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती के अवसर पर, मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री खरगे ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, भारत को शून्य से शिखर तक पहुंचाने वाले, आधुनिक भारत के शिल्पकार, भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में विकासशील बनाने वाले, देश को निरंतर 'विविधता में एकता' का संदेश देने वाले, लोकतंत्र के निर्भीक प्रहरी तथा हमारे प्रेरणास्रोत, 'हिन्द के जवाहर' की 135वीं जयंती पर हम उनके देश के प्रति अभूतपूर्व योगदान को याद करते हैं।

श्री गांधी ने कहा, आधुनिक भारत के जनक, संस्थानों के निमार्ता, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी को उनकी जयंती पर सादर नमन। लोकतांत्रिक, प्रगतिशील, निडर, दूरदर्शी, समावेशी - 'हिंद के जवाहर' के यही मूल्य हमारे आदर्श और हिंदुस्तान के आधारस्तम्भ हैं और हमेशा रहेंगे।

श्रीमती वाड्रा ने देश के पहले प्रधानमंत्री के उनके समाधि स्थल 'शांति वन' जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पंडित नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को हुआ था और उनका निधन 1964 में प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए हुआ था। आधुनिक भारत के निमार्ता कहे जाने वाले पंडित नेहरू को बच्चों से बेहद लगाव था। बच्चे उन्हें प्रेम से 'चाचा नेहरू' भी बुलाते थे।

दिल्ली पर पलूशन की मार, आज से ग्रैप-3 लागू

अब ऑनलाइन होंगी पांचवीं तक की कक्षाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए स्कूली बच्चों के हित में बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा है कि प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण अगले निर्देश तक दिल्ली के सभी प्राथमिक विद्यालय ऑनलाइन कक्षाओं में तब्दील हो जाएंगे। इन स्कूलों के बच्चे घर से ही ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार सुबह 8 बजे से ग्रैप 3 भी लागू कर दिया जाएगा।

दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने प्राथमिक कक्षाओं को बंद करने का आदेश जारी किया। आदेश में लिखा है कि दिल्ली में शिक्षा निदेशालय (डीओई), एमसीडी, एनडीएमसी और डीसीबी के सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों को पांचवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए स्कूलों में कक्षाएं बंद करने का निर्देश दिया गया है। स्कूलों के प्रमुखों को इसके लिए ऑनलाइन मोड में कक्षाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। अगले आदेश तक इन कक्षाओं के छात्र ऑनलाइन पढ़ाई करेंगे।

प्रदूषण के चिंताजनक स्तर पर पहुंचने के साथ वायु गुणवत्ता

दिल्ली में वायु गुणवत्ता गंभीर स्तर पर पहुंची

राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता गुरुवार को शाम चार बजे तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 426 की गंभीर श्रेणी में पहुँच गया वहीं दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी प्रक्षेत्र के अन्य हिस्से धुंध की मोटी चादर में लिपटे रहे और दृश्यता कम रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के कुछ इलाकों में एक्यूआई का स्तर और भी ज्यादा दर्ज किया गया। आनंद विहार स्टेशन पर एक्यूआई 459 , बवाना में 455 , सोनिया विहार में 428 , पंजाबी बाग में 460 और रोहिणी में 453 दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली और एनसीआर में 17 नवंबर तक रात और सुबह के समय धुंध और घना कोहरा छाए रहने की संभावना जतायी है। इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट किया, वायनाड , जहाँ हवा स्वच्छ है और एक्यूआई 35 है, से दिल्ली वापस आना एक गैस चैंबर में प्रवेश करने जैसा था।

प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बृहस्पतिवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ह्यग्रैपह्ल चरण-3 के तहत पाबंदियां लागू कीं। राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता आज लगातार दूसरे दिन 'गंभीर' श्रेणी में रही जिसके बाद अधिकारियों को सख्त प्रदूषण रोधी उपाय लागू करने पड़े जो शुक्रवार से प्रभाव में आएंगे।

शिक्षा विभाग का कामकाज भी देख रहीं आतिशी ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर लिखा, ह्यह्यबढ़ते प्रदूषण स्तर के कारण, अगले निर्देश तक दिल्ली के सभी प्राथमिक विद्यालय ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करेंगे।

शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने सभी सरकारी, निजी स्कूलों, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के विद्यालयों के प्रमुखों से कहा है कि पांचवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए ऑफलाइन कक्षाएं नहीं चलाई जाएं। डीओई ने सभी स्कूलों के प्राचार्यों से अगले आदेश तक ये कक्षाएं ऑनलाइन संचालित करने को कहा।

सीएक्यूएम ने क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत कुछ प्रतिबंध लगाए हैं जिनमें निर्माण गतिविधियों पर पाबंदी भी शामिल है। दिल्ली-एनसीआर के लिए ग्रैप को वायु गुणवत्ता के चार चरणों में विभाजित किया गया है - चरण 1 'खराब' वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के लिए जो 201 से 300 के बीच है, चरण 2 'बहुत खराब' एक्यूआई (301-400) के लिए, चरण 3 'गंभीर' एक्यूआई (401-450) के लिए और चरण 4 'बेहद गंभीर' एक्यूआई (450 से अधिक) के लिए होता है।

बिहार की सियासत में 'सेमीफाइनल',लालू-नीतीश के बीच आखिरी जंग की शुरूआत !

दीपक कुमार तिवारी

पटना। बिहार की सियासत में एक नया मोड़ सामने आ रहा है। एक ओर राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, जिनकी जदयू सरकार मजबूती से खड़ी है, तो दूसरी ओर हैं राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, जिनके लिए गया जिले का बेलागंज उपचुनाव एक बड़ा संदेश देने का अवसर है। दोनों नेता यहां सिर्फ एक सीट के लिए नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक समीकरण को बदलने की रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतरे हैं।

बेलागंज का यह चुनाव सामान्य उपचुनाव नहीं है; यह 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जा रहा है। बेलागंज में लालू यादव की पार्टी लंबे समय से अपनी पकड़

बनाए हुए थी, लेकिन इस बार जदयू ने यादव जाति से मनोरमा देवी को टिकट देकर एमवाई (मुस्लिम-यादव) समीकरण को चुनौती दी है। लालू यादव का यह उपचुनाव में खुद प्रचार में उतरना उनके एमवाई समीकरण को बनाए रखने की कोशिश का एक हिस्सा है। इस सीट पर मुस्लिम मतदाताओं का बिखराव राजद के लिए चुनौती बन सकता है, खासकर जब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी और जनसुराज पार्टी ने भी मुस्लिम वोट बैंक पर दावा किया है।

इस मुकाबले का दूसरा केंद्र बिंदु रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र है, जहाँ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का फोकस कुशवाहा मतदाताओं पर है। पिछले चुनाव में कुशवाहा मतों का एक बड़ा हिस्सा महागठबंधन के पक्ष में गया था, और इस बार नीतीश कुमार की कोशिश है कि यह मत भाजपा की ओर लौटे। अगर नीतीश इस उपचुनाव में सफलता हासिल करते हैं, तो वे यह संदेश देना चाहेंगे कि एनडीए गठबंधन की पकड़ अभी भी मजबूत है।

क्या यह 'सेमीफाइनल' 2025 के 'कोल्ड वॉर' की शुरूआत है?

लालू और नीतीश दोनों ही इस उपचुनाव को 2025 विधानसभा चुनावों के लिए जनमत का संकेत मान रहे हैं। ऐसे में, इस उपचुनाव का नतीजा बिहार की राजनीति में बड़ा असर डाल सकता है। अब सवाल यह है कि क्या यह मुकाबला आगामी चुनावों के लिए एक ह्यकोल्ड वॉरह्ल की भूमिका तैयार करेगा?

आम आदमी पार्टी के महेश कुमार बने दिल्ली के महापौर

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के महेश कुमार आज दिल्ली के महापौर निर्वाचित हुए। श्री कुमार देव नगर, वार्ड संख्या - 84 से पार्षद है। उन्होंने महापौर पद के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार किशन लाल को 03 वोटो से हराया। महापौर पद के निर्वाचन के लिए कुल 265 वोट डाले गए, जिसमें से दो वोट अवैध घोषित किये गए। श्री कुमार को 133 मत प्राप्त हुए, वहीं श्री लाल ने 130 मत हासिल किये। श्री लाल शकुरपुर, वार्ड संख्या - 62 से पार्षद है।kवहीं, आम आदमी पार्टी के श्री रविंद्र भारद्वाज उप महापौर के पद पर निर्विरोध चुने गए। श्री भारद्वाज अमन विहार, वार्ड संख्या - 41 से पार्षद है। उनके प्रतिद्वंदी उम्मीदवार, भाजपा की पार्षद नीता बिष्ट ने अपना नामांकन वापस ले लिया।

राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर नशेड़ी ट्रक ड्राइवर ने फ्लाईओवर पर पांच लोगों की ली जान, सड़क पर बिछी लाशें

द न्यूज 15 ब्यूरो

पानीपत। पानीपत में दर्दनाक हादसा हुआ है। जहां एक नशेड़ी ट्रक ड्राइवर ने कई सड़क पर कई गाड़ियों को टक्कर मार दी। मिली जानकारी के अनुसार इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग जख्मी हो गए।

ट्रक ड्राइवर ने दिल्ली की ओर से चंडीगढ़ की तरफ गलत साइड पर आते हुए फ्लाईओवर पर कई दुर्घटनाएं कीं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। लघु सचिवालय के सामने फ्लाईओवर की ग्रिल तोड़कर ट्रक ने एक कार को भी टक्कर मारी, जिसके चलते फ्लाईओवर पर लंबा जाम लग गया। आरोपी ट्रक ड्राइवर ने एलिवेटिड हाईवे पर रॉन्ग साइड में एंट्री ली और सिवाह पुल के सामने एक बाइक पर सवार 2 लोगों को कुचला। इसके बाद मलिक पेट्रोल

पंप के सामने बाइक सवार 2 लोगों को कुचल डाला। तीसरा हादसा गुरुद्वारे के सामने हुआ। यहां ट्रक ने 2 लोगों को टक्कर मारी। इस हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर उपस्थित लोगों ने ड्राइवर को काबू कर पुलिस के हवाले कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया। मृतकों में दो युवकों की पहचान सूरज और अनिकेत के रूप में हुई है, जो पावटी गांव के निवासी थे। सूरज जिला नागरिक अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी था, जबकि अनिकेत पिछले एक साल से बिजली निगम में अप्रेंटिस के रूप में कार्यरत था। बाकी तीन मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इस दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे रोहतक रेफर किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और मृतकों एवं घायल की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली में इस मौसम का अब तक सबसे कम तापमान दर्ज, वायु गुणवत्ता गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन कोहरा छाया रहा और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में रहा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 16.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है और यह सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 428 था, जो गंभीर श्रेणी में आता है। एक अधिकारी ने बताया, दिल्ली के 39 निगरानी स्टेशनों में से 32 में आईक्यू का स्तर 400 के पार रहने से यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। इन स्टेशनों में आनंद विहार,

अशोक विहार, आईजीआई हवाईअड्डा, आईटीओ, मंदिर मार्ग, नॉर्थ कैंपस, पटपड़गंज, पंजाबी बाग और पूसा शामिल हैं। दिल्ली में बुधवार को देश में सर्वाधिक खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई, जो इस मौसम में पहली बार गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। दिल्ली में बुधवार शाम तक 24 घंटे का एक्यूआई 418 रहा और एक दिन पहले यह 334 था। एक्यूआई हर दिन शाम को चार बजे दर्ज किया जाता है। एक्यूआई 0-50 के बीच अच्छा, 51-100 के बीच संतोषजनक, 101-200 के बीच मध्यम, 201-300 के बीच खराब, 301-400 के बीच बहुत खराब और 401-500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है। दिल्ली में बुधवार की सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता शून्य हो गई और विमान परिचालन प्रभावित हुआ। बृहस्पतिवार को स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ और सुबह साढ़े आठ बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर दृश्यता 400 मीटर थी। मौसम विभाग के अनुसार, आज अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

भारत-अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला के डिजिटल इंडिया पवेलियन में 'इसलिए' स्वागत है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला-2024 आज राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में शुरू हो गया। भारत मंडपम कॉम्प्लेक्स प्रगति मैदान परिसर में है। इस मेले का खास आकर्षण हॉल नंबर तीन में सजा डिजिटल इंडिया पवेलियन भी है। यहां पहुंचने वाले आगंतुक डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के उपयोग की जानकारी हासिल कर सकते हैं। इस बार के 43वें मेले की थीम 'विकसित भारत @2047' है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के इस पवेलियन की कई खासियत हैं। हॉल नंबर तीन में प्रवेश करते ही संपूर्ण समाज को प्रभावित करने वाले लोकप्रिय नवाचार डिजिलॉकर, एंटिटी लॉकर, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), उमंग, ओएनडीसी और भाषिणी से सामना होता है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन ने पैवेलियन को सजाने में गजब की मेहनत की है। यहां की एक और खास बात यह है कि कोई भी डिजिटल इंडिया का व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर सकता है। यहां पहुंचने वालों को छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी जानकारी को आसान शब्दों में समझाने की व्यवस्था की गई है। देश में डिजिटल लेनदेन में क्रांतिकारी बदलाव करने वाले भीम ऐप पर केंद्रित प्रदर्शनी को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है। भीम ऐप का यूपीआई सर्कल फीचर इस प्रदर्शनी के केंद्र में है। यह पवेलियन में पहुंचने वाले आगंतुकों को इसकी नवीनतम कार्यक्षमता का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। इसके लिए इंटरैक्टिव डेमो से इसके उपयोग के बारे में समझा जा सकता है।

कांग्रेस महापौर, उप महापौर चुनावों का बहिष्कार करेगी

दलित मेयर के लिए पूर्ण कार्यकाल की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने अगले दलित मेयर के लिए प्रस्तावित संक्षिप्त कार्यकाल को लेकर असंतोष जताते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में महापौर और उप महापौर चुनावों का बहिष्कार करने का फैसला किया है। शगुफ्ता चौधरी के दल-बदल कर आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल होने के बाद, कांग्रेस के सिर्फ आठ पार्षद रह गए हैं। कांग्रेस के एक पार्षद ने बताया कि पार्टी एमसीडी सदन की कार्यवाही में तो भाग लेगी लेकिन मतदान में हिस्सा नहीं लेगी। पार्टी दलित महापौर के लिए वर्तमान में प्रस्तावित चार माह के कार्यकाल के बजाय पूर्ण कार्यकाल की मांग कर रही है। पार्षद ने कहा, हम सदन की कार्यवाही में भाग लेंगे, लेकिन मतदान से दूर रहेंगे। हम चाहते हैं कि दलित महापौर को केवल चार माह के बजाय पूरा कार्यकाल मिले। दिल्ली के अगले दलित महापौर और उप महापौर को आम आदमी पार्टी तथा भाजपा के बीच अंदरूनी कलह के कारण चार माह का संक्षिप्त कार्यकाल मिलेगा। इस कलह के कारण, मूल रूप से अप्रैल के लिए प्रस्तावित चुनाव कराने में देरी हुई है।

उच्चतम न्यायालय दिल्ली में प्रदूषण से संबंधित याचिका पर 18 नवंबर को सुनवाई करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण पर अंकुश लगाने के उपायों को लागू करने का अनुरोध करने वाली याचिका को 18 नवंबर के लिए तत्काल सूचीबद्ध करने पर बृहस्पतिवार को सहमति व्यक्त की। न्यायालय से अनुरोध किया गया है कि दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर न बन जाये इसलिए याचिका को तत्काल सूचीबद्ध किया जाये। इसके बाद न्यायालय ने दिल्ली में प्रदूषण से संबंधित याचिका पर 18 नवंबर को सुनवाई करने पर सहमति जताई। वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह, जिन्हें न्यायमित्र नियुक्त किया गया है, ने न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ से दिल्ली में मौजूदा स्थिति को देखते हुए तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था। सिंह ने पीठ से कहा, कल से हम गंभीर स्थिति में हैं। इस स्थिति से बचने के लिए ही इस अदालत ने उन्हें एहतियाती कदम उठाने को कहा है। उन्होंने कुछ नहीं किया। दिल्ली को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर नहीं बनना चाहिए। न्याय मित्र ने पीठ को बताया कि उन्होंने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को इस बारे में सूचित कर दिया है और उन्हें यह बताना चाहिए कि क्या कदम उठाए जा रहे हैं। पीठ ने कहा कि वह इस मामले में 18 नवंबर को सुनवाई करेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 428 था, जो गंभीर श्रेणी में आता है। एक अधिकारी ने कहा, दिल्ली के 39 निगरानी स्टेशनों में से 32 में आईक्यू का स्तर 400 के पार रहने से यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। इन स्टेशनों में आनंद विहार, अशोक विहार, आईजीआई हवाईअड्डा, आईटीओ, मंदिर मार्ग, नॉर्थ कैंपस, पटपड़गंज, पंजाबी बाग और पूसा शामिल हैं। दिल्ली में बुधवार शाम तक 24 घंटे का एक्यूआई 418 रहा और एक दिन पहले यह 334 था। एक्यूआई हर दिन शाम को चार बजे दर्ज किया जाता है। एक्यूआई 0-50 के बीच अच्छा, 51-100 के बीच संतोषजनक, 101-200 के बीच मध्यम, 201-300 के बीच खराब, 301-400 के बीच बहुत खराब और 401-500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है। उच्चतम न्यायालय ने 11 नवंबर को कहा था कि कोई भी धर्म प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों को प्रोत्साहित नहीं करता। न्यायालय ने कहा था कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। उच्चतम न्यायालय एमसी मेहता की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है।

अदालत ने 2016 में नाबालिग से बलात्कार के दोषी को 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची से 2016 में बलात्कार के दोषी 28-वर्षीय व्यक्ति को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाते हुए कहा है कि एक बच्ची से बलात्कार नृशंस कृत्य है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बबीता पुनिया उस व्यक्ति के खिलाफ सजा पर बहस सुन रही थीं, जिसे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376(2) (सोलह साल से कम उम्र की लड़की से बलात्कार) के तहत दोषी ठहराया गया था। विशेष लोक अभियोजक श्रवण कुमार बिश्नोई ने इस जघन्य कृत्य के लिए अधिकतम सजा का अदालत से अनुरोध किया। अदालत ने 11 नवंबर को अपने फैसले में कहा, बच्ची का बलात्कार नृशंस (कृत्य) है। बच्चे किसी भी समाज की सबसे कीमती धरोहर हैं। समाज का यह कर्तव्य है कि वह न केवल उन्हें यौन हिंसा और उत्पीड़न से बचाए, बल्कि उन्हें खुश भी रखे। अदालत ने कहा कि दोषी ने तीन अप्रैल, 2016 को उस वक्त बच्ची का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार किया था, जब वह नूडल्स खरीदने के लिए एक भोजनालय जा रही थी। अदालत ने कहा, जो एक साधारण खुशी का मौका था, वह (बच्ची के लिए) एक हिंसक और दर्दनाक अनुभव बन गया, जो उसके जीवन भर उसके साथ रहेगा। न्यायाधीश ने इस दलील को भी खारिज कर दिया कि चूंकि यह डिजिटल पेनिट्रेशन का मामला था, इसलिए इस मामले में नरम रुख अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं इससे सहमत नहीं हूं। विधायिका ने डिजिटल और लैंगिक पेनिट्रेशन के बीच कोई अंतर नहीं किया है। न्यायाधीश ने कहा कि सजा सुनाते समय अपराध और सजा के बीच सही संतुलन बनाना होगा। उन्होंने कहा, मैं बीस (20) साल के कठोर कारावास की सजा को उचित मानता हूं।

मेरे विचार से यह उचित दंड, समाज को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेगा और दोषी को उसके कृत्य की गंभीरता का एहसास कराएगा, साथ ही पुनर्वास की गुंजाइश भी छोड़ेगा। अदालत ने पीड़िता को 13.5 लाख रुपये का मुआवजा भी देने का निर्देश दिया।

छात्रों के साथ योगी सरकार का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष की नेता राहुल गांधी ने प्रयागराज में आंदोलन कर रही प्रतियोगी छात्रों की मांग को उचित ठहराते हुए गुरुवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का रवैया उनके प्रति असंवेदनशील और अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार तथा लोक सेवा आयोग को प्रतियोगिताओं के साथ क्रूर व्यवहार करने की बजाय उनकी मांग मान लेनी चाहिए और उनका पुलिस उत्पीड़न बंद करवाया जाना चाहिए। उन्होंने एक्स पर कहा, "प्रयागराज में प्रतियोगी छात्रों के साथ यूपी सरकार और उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग का रवैया बेहद असंवेदनशील और दुर्भाग्यपूर्ण है। नॉर्मलाइजेशन के नाम पर गैर-पारदर्शी व्यवस्था अस्वीकार्य है और एक पाली में परीक्षा की छात्रों की मांग बिल्कुल न्यायपूर्ण है।" उन्होंने कहा,"शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने में जुटी भाजपा सरकार की अक्षमता की कीमत आखिर छात्र क्यों चुकायें। 'पढ़ाई करने वाले छात्रों को सड़क पर लड़ाई करने को मजबूर कर दिया गया है और अब उनका पुलिस के जरिए उत्पीड़न किया जा रहा है।" कांग्रेस नेता ने कहा, "अपने और अपने परिवार के सपनों को पूरा करने के लिए घर से दूर रहकर साधना कर रहे युवाओं के साथ ये अन्याय हम स्वीकार नहीं करेंगे। प्रतियोगी छात्रों की मांग का पूरी हम तरह से समर्थन करते हैं। उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को तानाशाही से नहीं दबाया जा सकता।"

लेखक अशोक गोपाल को आंबेडकर की जीवनी के लिए प्रदान किया जाएगा कमलादेवी चट्टोपाध्याय पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यू इंडिया फाउंडेशन ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि लेखक अशोक गोपाल को उनकी किताब ए पार्ट अपार्ट: द लाइफ एंड थॉट ऑफ बी आर आंबेडकर के लिए कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ पुस्तक पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। नवायना द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक आंबेडकर की जीवन यात्रा का विवरण प्रस्तुत करती है, जिसमें उन्होंने उत्पीड़न का सामना करने से लेकर हाशिए पर पड़े समुदायों के वकील के रूप में आंबेडकर द्वारा भारत के संविधान को आकार देने तक का वर्णन किया है।

गोपाल की इस किताब में विभिन्न स्रोतों और अभिलेखीय सामग्रियों का उपयोग किया गया है, जिसमें जातिगत भेदभाव के खिलाफ आंबेडकर के अग्रणी कार्य, उनकी राजनीतिक और कानूनी लड़ाइयों और सामाजिक और आध्यात्मिक मुक्ति के लिए बौद्ध धर्म को अपनाने के उनके परिवर्तनकारी विकल्प का उल्लेख किया गया है। राजनीतिक वैज्ञानिक नीरजा गोपाल जयाल (अध्यक्ष), उद्यमी मनीष सभरवाल, इतिहासकार श्रीनाथ राघवन, पूर्व राजनयिक नवतेज सरना, नीति विश्लेषक यामिनी अय्यर और वकील राहुल मथन की जूरी ने पांच पुस्तकों में से विजेता का चयन किया। जूरी ने एक बयान में कहा, गहन शोध पर आधारित यह पुस्तक आंबेडकर के कई जीवन-चरित्रों पर प्रकाश डालती है। इनमें एक अग्रणी कार्यकर्ता और दलितों के नेता, एक अथक राजनीतिक संगठनकर्ता, एक लेखक और प्रचारक, संविधानवादी और कैबिनेट मंत्री, साथ ही एक अद्वितीय आर्थिक और राजनीतिक विचारक के रूप में उनके जीवन के पहलुओं को रेखांकित किया गया है। अशोक गोपाल ने इस असाधारण व्यक्तित्व के प्रत्येक पहलू के साथ पूरा न्याय किया है। पुरस्कार विजेता को 14 दिसंबर को बेंगलोर साहित्य महोत्सव में पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, जिसमें 15 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक ट्रॉफी और एक प्रशस्ति पत्र शामिल है।

विजेता के चुनाव के लिए चयनित अन्य पुस्तकों में नीरजा चौधरी की हाउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड, राधिका अयंगर की फायर ऑन द गंगाजः लाइफ अमंग द डेड इन बनारस, कुणाल पुरोहित की एच-पॉपः द सीक्रेटिव वर्ल्ड ऑफ हिंदुत्व पॉप स्टार्स और चित्रलेखा जुत्शी की शेख अब्दुल्लाः द केज्ड लॉयन ऑफ कश्मीर शामिल हैं। अक्षय मुकुल ने पिछले साल लेखक अज्ञेय की व्यापक जीवनी राइटर, रेबेल, सोल्जर, लवरः द मेनी लाइव्स ऑफ अज्ञेय के लिए कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ पुस्तक पुरस्कार जीता था।

सरकार ने मणिपुर के जिरीबाम समेत छह पुलिस थानों में फिर से अफस्पा लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने मणिपुर के हिंसा प्रभावित जिरीबाम सहित छह पुलिस थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) को पुनः लागू कर दिया है, जिसके तहत सुरक्षा बलों की सहूलियत के लिए किसी क्षेत्र को ह्लअशांतह्व घोषित किया जाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि यह निर्णय वहां जारी जातीय हिंसा के कारण लगातार अस्थिर स्थिति को देखते हुए लिया गया है। जिन पुलिस थाना क्षेत्रों में अफस्पा को फिर से लागू किया गया है, वे हैं इंफाल पश्चिम जिले में सेकमाई और लमसांग, इंफाल पूर्वी जिले में लमलाई, जिरीबाम जिले में जिरीबाम, कांगपोकपी में लीमाखोंग और बिष्णुपुर में मोइरांग। यह ताजा आदेश मणिपुर सरकार द्वारा एक अक्टूबर को इन छह पुलिस थानों समेत 19 थाना क्षेत्रों को छोड़कर पूरे राज्य में अफस्पा लागू करने के बाद आया है। मणिपुर सरकार के एक अक्टूबर के अफस्पा लगाने के आदेश से बाहर रहे पुलिस थानों में इंफाल, लाम्फाल, सिटी, सिंगजामेई, सेकमाई, लैमसांग, पाटसोई, वांगोई, पोरोम्पैट, हेइनगांग, लामलाई, इरिलबांग, लीमाखोंग, थौबल, बिष्णुपुर, नामबोल, मोइरंग, काकचिंग और जिरीबाम शामिल थे।

मणिपुर के जिरीबाम जिले में सोमवार को छद्म वर्दीधारी और अत्याधुनिक हथियारों से लैस उग्रवादियों द्वारा एक पुलिस थाने और निकटवर्ती सीआरपीएफ शिविर पर अंधाधुंध गोलीबारी की गयी। इसके बाद सुरक्षा बलों के साथ भीषण मुठभेड़ में ग्यारह संदिग्ध उग्रवादी मारे गए। एक दिन बाद, उसी जिले से सशस्त्र आतंकवादियों ने महिलाओं और बच्चों सहित छह नागरिकों का अपहरण कर लिया।

ईडी ने महाराष्ट्र और गुजरात में कई जगहों पर की छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को मुंबई और गुजरात में कई जगहों पर छापा मारा। यह छापेमारी फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर बैंक खाते खुलवाने के मामले में की गई है। सिराज अहमद पर आरोप है कि उस ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के दस्तावेजों के सहारे बैंक खाते खुलवाए और इसके बाद उससे 100 करोड़ की लेनदेन की। ईडी के मुताबिक, इन फर्जी दस्तावेजों के सहारे कुल 13 बैंक खाते खोले गए थे। इन खातों के जरिए 2,200 से ज्यादा लेनदेन किए गए। इस लेनदेन से कुल 112 करोड़ रुपए क्रेडिट हुए जाने की बात कही जा रही है। वहीं, डेबिट साइड में 315 करोड़ रुपए का लेनदेन होने की बात कही जा रही है। इन खातों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग के संकेत मिल रहे हैं। इससे प्राप्त धन का उपयोग कई राज्यों में किए जाने की आशंका जताई गई है। सिराज अहमद ने लोगों के फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर उनके बैंक अकाउंट खोलने के बाद उन्हें नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया था।

एक नजर

गोलीबारी के बाद हत्या का संदिग्ध पकड़ा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में रोहिणी के पास दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा की टीम ने हत्या के एक मामले में संदिग्ध 22 वर्षीय एक युवक को संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निहाल गोलीबारी के दौरान गोली लगने से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि निहाल के टिल्लू गिरोह का सदस्य होने का संदेह है। घटनास्थल से एक बंदूक और एक दोपहिया वाहन बरामद किया गया। निहाल कथित तौर पर अमित लाकड़ा नामक व्यक्ति की हत्या में शामिल था। लाकड़ा को हाल ही में डकैती के एक मामले में जमानत मिली थी। लाकड़ा को नौ नवंबर को मुंडका के भीड़-भाड़ वाले बाजार में कथित तौर पर छह बार गोली मारी गई थी। एक अन्य अधिकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लाकड़ा गोगी गिरोह का सदस्य था और उसे उसके प्रतिद्वंद्वी टिल्लू गिरोह के सदस्यों ने निशाना बनाया था।

ऑपरेशन कवच: दिल्ली पुलिस ने एक हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने 24 घंटे के ऑपरेशन कवच के तहत अवैध आग्नेयास्त्र रखने, चोरी, प्रतिबंधित मानक पदार्थ और अवैध शराब जैसी गतिविधियों में कथित रूप से शामिल 1,224 लोगों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा, विशेष प्रकोष्ठ एवं 15 जिलों की पुलिस समेत सभी इकाइयों ने 12 से 13 नवंबर तक 24 घंटे के लिए यह अभियान चलाया। अधिकारी ने कहा, इस अभियान के तहत सभी इकाइयों ने 874 स्थानों पर 1,224 लोगों को हिरासत में लिया है। हमने अभियान के दौरान 700 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन कवच दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में अपराधियों और मादक पदार्थ के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए समय-समय पर पुलिस द्वारा चलाई जाने वाली पहल है। स्थानीय पुलिस द्वारा यह कार्य विशेष प्रकोष्ठ एवं अपराध शाखा के समन्वय से किया जाता है।

मोती नगर में एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के सुदामा पुरी इलाके में 26 वर्षीय एक व्यक्ति की उसके घर के पास चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान राजा बाबू के रूप में हुई है।

पुलिस ने मृतक के पिता गंगा राम के हवाले से बताया कि राजा बाबू ने पिछले साल एक युवती से, उसके परिवार वालों की मर्जी के खिलाफ शादी की थी। उन्हें संदेह है कि राजा बाबू की हत्या उसके ससुराल वालों द्वारा कराई गई है। गंगा राम ने पुलिस को दी शिकायत में कहा, महिला के परिवार के सदस्य पास में ही रहते हैं। शादी के बाद से ही मेरे बेटे और उसके ससुराल वालों के बीच विवाद था। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को बुधवार को एक पीसीआर कॉल मिली और जब तक टीम मौके पर पहुंची, राजा बाबू को अस्पताल ले जाया जा चुका था जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और राजा बाबू की पत्नी के परिवार के कुछ सदस्यों को हिरासत में लिया गया है।

खराब मौसम के बीच दिल्ली हवाई अड्डे पर कम दृश्यता के लिए विशेष सुरक्षा उपाय लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। खराब मौसम के कारण बृहस्पतिवार की सुबह दिल्ली हवाई अड्डे पर विमानों के परिचालन के लिए कम दृश्यता वाले विशेष सुरक्षा उपाय लागू किए गए। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है और यहां प्रतिदिन लगभग 1,400 उड़ानों का आवागमन होता है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने सुबह सात बजे सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली हवाई अड्डे पर कम दृश्यता की स्थिति में उपयोगी विशेष सुरक्षा उपाय किए गए हैं। सभी उड़ानों का संचालन वर्तमान में सामान्य हैं। डीआईएएल ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे उड़ान की ताजा जानकारी के लिए संबंधित विमानन कंपनी से संपर्क करें। इंडिगो एयरलाइन ने कल देर रात दो बजकर 37 मिनट पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज सुबह कोहरे के कारण अमृतसर, वाराणसी और दिल्ली आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। बुधवार को कम दृश्यता के कारण कम से कम 10 उड़ानों का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया तथा कई उड़ानें विलंबित हुई थीं।

धन शोधन के मामले अब बन गए ड्रामा : आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप)ने विधायक अमानतुल्लाह खान को जमानत मिलने के बाद गुरुवार को कहा कि धन शोधन के मामले अब ड्रामा बन गए हैं जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सिर्फ हथियार है जिसे केंद्र सरकार विपक्ष के नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल कर रही है। आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने श्री खान को अदालत से आज जमानत मिलने पर कहा, मनी लॉन्ड्रिंग मामले ड्रामा बन गये हैं और भाजपा का एक हथियार है। जिसे भी फंसाना हो या जेल में डालना हो, ये लोग सोचते हैं कि उस पर पीएमएलए लगा दो और जेल में डाल दो, क्योंकि उसमें जल्दी जमानत नहीं होगी।

हमारी लड़ाई की बदौलत एक बात यह हुई कि अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की जमानत के बाद देश में एक रास्ता बन गया कि अब किसी भी आदमी को जबरन झूठे केस में ज्यादा देर तक जेल में नहीं रखा जा सकता। श्री सिंह ने कहा कि श्री खान के मामले में भी यही हुआ। उनके खिलाफ कोई भ्रष्टाचार का मामला नहीं था। उन्हें पहले भी निचली अदालत से जमानत मिल चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद वर्ष 2016 के एक मामले में झूठा केस बनाकर उन्हें जेल भेजा गया। उन्होंने कहा, अगर आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आंख की इतनी बड़ी किरकिरी बन गई है, तो वह हमारी पार्टी के लोगों को चौराहे पर खड़ा करके गोली मरवा दें, लेकिन देश का समय और पैसा बर्बाद न करें। इन जांच एजेंसियों को प्रधानमंत्री ने ड्रामा बना दिया है। लोग इन पर हंसते हैं। श्री सिंह ने कहा कि अब प्रवर्तन निदेशालय(ईडी)कहीं जाती है तो लोग कहते हैं, बंदर आ गए। घर में आकर उछल-कूद करते हैं और चले जाते हैं। इसकी कोई हैसियत नहीं बची है। ईडी एक कॉमेडी सर्कस का गिरोह बन गया है।

न्यायालय ने सरकारी नियमों का अनुपालन नहीं करने पर व्हाट्सएप पर पाबंदी का अनुरोध ठुकराया

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्र को यह निर्देश देने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया कि अगर व्हाट्सएप देश में अधिकारियों के आदेशों का पालन नहीं करता है तो उसके संचालन और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जाए। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि वह केरल निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर ओमनाकुट्टन केजी द्वारा दायर याचिका पर विचार करने की इच्छुक नहीं है। ओमनाकुट्टन ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि ह्यमैसेजिंग प्लेटफॉर्मह्व ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 का पालन करने से इनकार कर दिया है। जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि व्हाट्सएप संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन कर रहा है और राष्ट्रीय हित तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहा है। याचिका में कहा गया है, ह्यह्वअगर एप अपनी तकनीक बदलने को तैयार नहीं है और सरकार के साथ सहयोग नहीं करता है, तो इसे देश में काम करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

12वां नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल आज से दिल्ली में, सांस्कृतिक भव्यता और पर्यटन विकास पर केंद्रित किया जाएगा ध्यान

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली । नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल कल अपना 12वां संस्करण शुरू करने के लिए तैयार है, जो मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम को पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के एक जीवंत उत्सव में बदल देगा। 15 से 17 नवंबर तक तीन दिनों तक चलने वाला, इस वर्ष का उत्सव क्षेत्र के अद्वितीय संगीत, भोजन, नृत्य, फैशन और कला के माध्यम से एक गहन यात्रा होगी, जो आगंतुकों को इसके सांस्कृतिक और आर्थिक खजाने का व्यापक अनुभव प्रदान करेगा। 300 से अधिक स्टॉल, लाइव प्रदर्शन, पारंपरिक शिल्प और पाक स्वादों के मिश्रण के साथ, यह महोत्सव पूर्वोत्तर भारत के सार को राजधानी के दिल में लाएगा, और उपस्थित लोगों को इसकी परंपराओं और विरासत से जोड़ेगा। जबकि त्योहार का सांस्कृतिक उत्सव इसके केंद्र में रहता है, इस वर्ष एक महत्वपूर्ण पर्यटन व्यवसाय बैठक का विस्तार करने की परंपरा जारी है, जो दिल्ली के प्रमुख टूर ऑपरेटरों और पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन प्रतिनिधियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित मंच है। बैठक में तालमेल बनाने का प्रयास किया गया है जो पर्यटन के अवसरों का विस्तार कर सकता है, एक यात्रा गंतव्य के रूप में पूर्वोत्तर भारत की दृश्यता को बढ़ा सकता है और व्यापार जुड़ाव के लिए नए रास्ते खोल सकता है। क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में भारत सरकार का निरंतर निवेश, विशेष रूप से हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने और सड़क नेटवर्क में सुधार, एक प्रमुख विषय होगा, जो अधिक

पर्यटन और व्यापार एकीकरण के लिए पूर्वोत्तर की तत्परता पर जोर देगा। एसोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया (एडीटीओआई) और इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) के प्रमुख उद्योग जगत के लोग इस पहल में शामिल होंगे, अपनी विशेषज्ञता और नेटवर्क को बातचीत में लाएंगे। एडीटीओआई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अध्यक्ष श्री वेद खन्ना करेंगे, उनके साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री रजत साहनी जैसे प्रमुख सदस्य होंगे; श्री आशीष सहगल, उपाध्यक्ष; श्री दलीप गुप्ता, महासचिव; श्री मनोज वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष; और श्री नीतीश गुप्ता, संयुक्त सचिव। इसके अतिरिक्त, प्रबंध समिति के सदस्य श्री अशोक चाहचलान, श्री डी.आर. चौहान, श्री हरीश वर्मा, श्री कुलदीप पटेल, श्री सुरिंदर सिंह जरियाल और श्री विनय आहूजा चर्चा में अपनी अंतर्दृष्टि देंगे। IATO का प्रतिनिधित्व करते हुए, उपस्थित लोगों में उपाध्यक्ष श्री रवि गोसाईं, और कार्यकारी समिति के सदस्य श्री दीपक भटनागर, डॉ. मनोज मट्टा, श्री पी. विजयसारथी और श्री ऋषि कपूर शामिल हैं। उनकी भागीदारी पूर्वोत्तर भारत को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने की गहरी प्रतिबद्धता का संकेत देती है, साथ ही क्षेत्र की बेहतर कनेक्टिविटी और सुंदर पेशकशों का लाभ उठाने की रणनीतिक योजना भी है। पूर्वोत्तर भारत को व्यापक पर्यटन क्षेत्र से जोड़ने में उत्सव की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल के आयोजक-प्रमुख श्री श्यामकनु महंत ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में, नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल एक बहुआयामी मंच के रूप में विकसित हुआ है जो न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि का जश्न मनाता है लेकिन व्यापार और पर्यटन विकास के वास्तविक अवसरों को भी प्रोत्साहित करता है। इस वर्ष, एक समर्पित पर्यटन बिजनेस मीट के साथ, हम पर्यटन में विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली के शीर्ष टूर ऑपरेटरों को प्रमुख पूर्वोत्तर हितधारकों के साथ जोड़ रहे हैं। बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में पर्याप्त प्रगति का प्रदर्शन करके, हमारा लक्ष्य यह प्रदर्शित करना है कि पूर्वोत्तर अधिक सुलभ है और आगंतुकों की एक नई लहर का स्वागत करने के लिए तैयार है। यह त्यौहार विचारों और साझेदारियों के लिए एक एकत्रीकरण बिंदु के रूप में कार्य करता है, प्रभावशाली सहयोग के लिए आधार तैयार करता है जो पूर्वोत्तर को पूरे भारत और उससे बाहर के यात्रियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित कर सकता है। अपने व्यापक मिशन के हिस्से के रूप में, उत्तर पूर्व महोत्सव कृषि, हथकरघा, हस्तशिल्प और अन्य क्षेत्रों में व्यापार और निवेश के अवसरों को भी प्रदर्शित करेगा। बी2बी प्रेजेंटेशन स्थानीय उद्यमियों को संभावित साझेदारों से जोड़ेगी, जिससे पूर्वोत्तर समुदायों की संसाधनशीलता पर जोर देते हुए आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। महोत्सव में प्रसिद्ध संगीतकारों, लोक कलाकारों और नर्तकियों के प्रदर्शन के साथ-साथ पूर्वोत्तर प्रतिभाओं के डिजाइनों पर प्रकाश डालने वाला फैशन खंड भी शामिल होगा। आगंतुक क्षेत्रीय व्यंजनों की पाक श्रृंखला का आनंद ले सकते हैं, जिसमें लगभग 60 खाद्य स्टॉल प्रामाणिक स्वाद पेश करते हैं जो पूर्वोत्तर की समृद्ध पाक विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं। कला और फोटोग्राफी प्रदर्शन इस क्षेत्र की सुंदरता और रचनात्मकता को दशार्ते हुए महोत्सव को और समृद्ध बनाएंगे।

एक नजर

नोएडा में सात वर्षीय बच्ची से अश्लील हरकत करने के आरोप में बुजुर्ग गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। नोएडा पुलिस ने सात वर्षीय एक बच्ची से कथित अश्लील हरकत करने की घटना के संबंध में 60 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आया था। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घटना फेज-दो पुलिस थाना क्षेत्र के गेझा गांव की है जिसका वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर आया। वीडियो में एक व्यक्ति को बच्ची के साथ अश्लील हरकत करते हुए देखा जा सकता है। थाना प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि आरोपी की पहचान गांव के रहने वाले रईस खान के रूप में हुई जिसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि घटना दो दिन पुरानी है। तिवारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

सील लगाने के बावजूद निर्माण कराने पर केस

गाजियाबाद, एजेंसी। जीडीए प्रवर्तन जोन-पांच में तैनात अवर अभियंता योगेश वर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि तिगरी गोल चक्कर पर ललित गौतम द्वारा अवैध निर्माण कराया जा रहा था, जिसके चलते 23 जनवरी 2024 को सक्षम अधिकारी द्वारा पारित आदेश के क्रम में 27 जनवरी को निर्माण स्थल पर सील लगाई गई थी। अवर अभियंता का कहना है कि सील लगाने के बावजूद ललित गौतम द्वारा चोरी-छिपे निर्माण कराया जा रहा है। सुपरवाइजर तथा अन्य कर्मचारी मौके पर जाते हैं तो निर्माणकर्ता द्वारा उन्हें धमकाया जाता है। योगेश वर्मा ने क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस से निर्माणकर्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसीपी वेव सिटी लिपि नगायच का कहना है कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

गाजियाबाद में महिला के कमरे से 50 हजार की नकदी चोरी, केस दर्ज

गाजियाबाद, एजेंसी। बेखौफ बदमाशों ने साहिबाबाद थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में किराए पर रहने वाली महिला के कमरे से 50 हजार की नकदी चोरी कर ली। पीड़ित महिला ने पुलिस से शिकायत की है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है। साहिबाबाद थानाक्षेत्र के अर्थला की रामनगर कालोनी में रहने वाली महिला उषा देवी के मुताबिक छठ पर्व के संपन्न होने पर सुबह वह अपने कमरे पर पहुंची थी। इस दौरान जब वह नहाने चली गई तभी चोरों ने कमरे में घुसकर 50 हजार की नकदी चोरी कर ली। नहाने के बाद बाहर निकलने पर पैसों की चोरी होने का पता चला और फिर उसने आसपास के लोगों से काफी पूछताछ की, लेकिन चोरी का पता नहीं चल पाया। पीड़ित महिला ने साहिबाबाद थाने पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। साहिबाबाद पुलिस के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

सृष्टि शर्मा ने कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता

गाजियाबाद, एजेंसी। मथुरा में आयोजित हुई प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में जिले की पहलवान सृष्टि शर्मा ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में तीसरे स्थान पर रह ब्रॉन्ज मेडल जीता है।इस प्रतियोगिता में कई जिलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।प्रतियोगिता में 65 किलोग्राम भार वर्ग में जिले की पहलवान सृष्टि शर्मा ने भाग लेते हुए अपने वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता है। सृष्टि शर्मा महामाया स्टेडियम में कुश्ती के खेल का अभ्यास करती है। महामाया स्टेडियम की कुश्ती कोच अंजुम मलिक ने बताया कि सृष्टि शर्मा के भार वर्ग में आठ पहलवान थी।

इन सभी पहलवानों को चित कर सृष्टि ने मेडल जीता है। इससे जिले के साथ स्टेडियम का भी नाम रोशन हुआ है। सृष्टि रोजाना स्टेडियम में कुश्ती का नियमित अभ्यास करती है।वे काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सृष्टि शर्मा आगे भी कई बड़ी प्रतियोगिताओं में मेडल जीत जनपद का नाम रोशन करेंगी।इसी प्रतियोगिता में लड़कों में मंगल ने भी सीनियर वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह भी शानदार उपलब्धि है

गाजियाबाद में पैदल जा रहे युवक से मोबाइल लूटकर बदमाश फरार

गाजियाबाद, एजेंसी। बेखौफ बाइक सवार बदमाशों के सामने पुलिस बौनी साबित हो रही है। बदमाश आए दिन लूट की वारदातों को अंजाम देकर फरार हो रहे हैं। बाइक सवार बदमाशों ने राजबाग मेट्रो स्टेशन से सत्यम एनक्लेव स्थित अपने घर जा रहे पैदल जा रहे युवक से मोबाइल लूट लिया और फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश की जा रही है। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के सत्यम एनक्लेव में रहने वाले सुजीत कुमार तेवतिया का कहना है कि बीती सात नवंबर देर शाम वह राजबाग मेट्रो स्टेशन से उतरकर पैदल ही अपने घर की तरफ जा रहा था। इस दौरान फोन आने पर वह किसी से बात करता हुआ चल रहा था। जब वह गिरधर एन्क्लेव में गेट के पास पहुंचा, तभी पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाश उसके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर ले गए। अचानक हुई वारदात के बाद उसने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वह उन्हें पकड़ नहीं पाया। पीड़ित ने किसी प्रकार पुलिस को घटना की जानकारी दी। और फिर मौके पर पहुंची पुलिस ने बदमाशों की तलाश कराई, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। साहिबाबाद पुलिस के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मोबाइल छीनकर भागने वाले बदमाशों की तलाश कराई जा रही है।

गाजियाबाद में खराब हवा ने बढ़ाई एयर प्यूरीफायर की मांग

गाजियाबाद, एजेंसी। दिवाली के बाद से खराब हुई हवा के बाद एयर प्यूरीफायर की मांग में 30 फीसदी उछाल आया है। एयर प्यूरीफायर की बिक्री में मुख्य रूप से सर्दियों के मौसम की शुरूआत में तेजी आती है। लेकिन, इस बार दिवाली के बाद से शहर में वायु प्रदूषण बढ़ा तो जहरीली हवा के स्तर की वजह से इस बार एयर प्यूरीफायर की डिमांड में 30 प्रतिशत का उछाल आया है। बाजार में इन दिनों 5,000 से लेकर 50 हजार तक के पोर्टेबल से लेकर बड़े एयर प्यूरिफायर उपलब्ध हैं। आरडीसी स्थित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के शो रूम संचालक ने बताया कि इन दिनों प्रतिदिन करीब 10 लोग एयर प्यूरीफायर के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। दिवाली के बाद से एयर प्यूरिफायर की बिक्री में तेजी आई है।

हालांकि अभी बहुत ज्यादा बिक्री नहीं है। लेकिन एयर प्यूरीफायर के प्रति जागरुकता बढ़ने की वजह से लोग इसके बारे में जानकारी लेने जरूर पहुंच रहे हैं। दिवाली के बाद खराब हो रहा हवा का स्तर शहर में पूरे सीजन में 50 यूनिट तक बिकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के संचालक बताते हैं कि अक्तूबर से लेकर दिसंबर तक एयर प्यूरिफायर की मांग अधिक होती है। मुख्य रूप से दिवाली के बाद हवा का स्तर खराब होने से इनकी बिक्री बढ़ती है। छोटे और पोर्टेबल प्यूरीफायर की अच्छी खासी रेंज इस बार बाजार में 30 प्रतिशत तक की बिक्री बढ़ी है। बताया जाता है कि 12-15 हजार रुपये से लेकर 50 हजार तक के एयर प्यूरीफायर मौजूद हैं। उच्च मध्यमवर्गीय लोगों में इनकी डिमांड बहुत रहती है। इसके अलावा ऑनलाइन साइटों पर छोटे और पोर्टेबल प्यूरीफायर की अच्छी खासी रेंज है। इनकी शुरूआत रेंज 5000 रुपये से शुरू है।

मजदूरों के सामने टोंटियां-तार ले गया चोर

गाजियाबाद, 13 नवंबर (वेब वार्ता)। नंदग्राम ई-ब्लॉक में रहने वाले सत्यप्रकाश जोशी का कहना है कि उन्होंने काफी समय पहले नंदग्राम ई-ब्लॉक में प्लॉट खरीदा था। वर्तमान में वह प्लॉट में भवन निर्माण करा रहे हैं। कुछ दिन पहले एक व्यक्ति बाइक लेकर आया और उनके मकान से पीतल की टोंटियां, तार और छोटी-मोटी चीजें निकालकर ले गया। सत्यप्रकाश जोशी के मुताबिक घटना के वक्त मजदूर मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने आरोपी को आस-पड़ोस का व्यक्ति समझा। पता लगने पर उन्होंने सीसीटीवी कैमरे देखे तो आरोपी उनमें कैद मिला। आरोपी की बाइक के नंबर के साथ

एटीएम मामले में ठगी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

द न्यूज 15 ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर 126 नोएडा में थाना पुलिस ने गुरुवार को एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पकड़े गए आरोपी नोएडा एनसीआर और मध्य प्रदेश में सैकड़ों घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। दोनों शातिर एटीएम मशीन के आस पास घूमते है, फिर मदद करने के नाम पर एटीएम कार्ड बदलकर पैसे निकाल लेते है। डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने मामले को लेकर बताया कि शातिर सीधे लोगों को पैसे निकलवाने के बहाने एटीएम ले जाते थे, जिसके बाद धोखाधड़ी को अंदाम देते थे। शातिर सैकड़ों केस को अंजाम दे चुके हैं। मजदूर लेवल के लोग,

जिन इलाकों में रहते हैं, ऐसे इलाकों में इन्होंने घटनाओं को अंजाम दिया है। पुलिस के साथ का एक साथी आरोपी अभी भी फरार है। पुलिस ने शातिरों के कब्जे से अलग अलग बैंक के 39 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। साथ ही पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 53 हजार रुपए नगद, दो अवैध तमंचे और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद भी बरामद की है। डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने मामले को लेकर बताया कि दोनों शातिरों के ऊपर पहले से आपराधिक मुकदमे है। दोनों की मुलाकात जेल में हुई, जिसके बाद दोनों ने साथ में मिलकर जालसाजी को अंजाम देना शुरू कर दिया।

घर में घुसकर चोरी करने वाले आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

द न्यूज 15 ब्यूरो

नोएडा। गुरुवार को थाना ईकोटेक-3 पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना पर लखनावली रोड़ के पास चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो लड़के आते दिखाई दिये जो पुलिस टीम को देखकर मोटरसाइकिल को तेज गति से चलाते हुए लखनावली की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर उक्त लड़को द्वारा मोटरसाइकिल को रास्ते मे गिरा दिया गया तथा खुद को घिरता हुआ देखकर पुलिस टीम पर फायरिंग की गयी। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ हेतु की गयी जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गये। घायल बदमाशो की पहचान 1.सोनू पुत्र प्रेम सिह उर्फ भिखारी सिह निवासी बाज पट्टी,

थाना बाज पट्टी जिला सीतामणि बिहार वर्तमान पता सदरपुर, थाना सेक्टर-39 गौतमबुद्धनगर 2.नरेश जयसवाल पुत्र विधापति निवासी शहरबन्नी थाना अलोली जिला खगडिया वर्तमान पता सलारपुर सेक्टर-39 के रूप में हुयी है। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी के कुल 40,000 रुपये, एक चोरी की मोटरसाइकिल पल्सर (घटना में प्रयुक्त) व 02 अवैध तमंचे .315 बोर मय 03 जिन्दा व 02 खोखा कारतूस .315 बोर बरामद हुए है। घायल अभियुक्तों को इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस उपायुक्त प्रीति यादव ने साइबर सुरक्षा के संबंध में लोगों को किया जागरूक

द न्यूज 15 ब्यूरो

नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त साइबर गौतमबुद्धनगर प्रीति यादव द्वारा Delhi Metropolitan Education में जाकर वहां उपस्थित छात्र/छात्राओं व स्टाफ के लोगों को साइबर सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया गया। गुरुवार को पुलिस उपायुक्त साइबर प्रीति यादव द्वारा साइबर सेल प्रभारी गौतमबुद्धनगर के साथ Delhi Metropolitan Education में जाकर वहां उपस्थित छात्र/छात्राओं व स्टाफ के लोगों को साइबर फ्रॉड के सम्बन्ध में व साइबर अपराधों से बचाव के तरीकों के बारे में गोष्ठी कर जागरूक किया गया। उनके द्वारा समझाया गया कि किस प्रकार जागरूक होने व सावधानियां बरतने से साइबर फ्रॉड से बचा जा सकता है। उनके द्वारा सभी बिंदुओं के बारे में विस्तृत जानकारियों प्रदान की गई। किसी भी अज्ञात व्यक्ति द्वारा वाट्सअप कॉल और वीडियों कॉल द्वारा पुलिस की वर्दी पहन कर किये जा रहे कॉल पर यकीन करने से पूर्व उक्त मो0न0 और बताये गये नाम व पद को गुगल सर्च के द्वारा अथवा सम्बन्धित विभाग की वेवसाइट पर उपलब्ध अधिकारियों का और उनकी तैनाती स्थल की जाँच पडताल के बाद ही बतायी जा रही किसी बात का यकीन करें। यदि आपको बताया जाता है कि एक पार्सल मिला है जिसमें आपका आधार कार्ड या मोबाइल नंबर मिला है उक्त कॉल पर यकीन ना करें वह साइबर क्रिमिनल का कॉल हो सकता है । अगर किसी विधिक कानूनी कार्यवाही की धमकी दी जा रही हो तो घबराये नही

तत्काल इस बात की सूचना सम्बन्धित निकटवर्ती थाने में अवश्य दें। अगर आपके आधार की आई0डी0 आपके नाम से कोई बैंक खाता खोले जाने की बात कही जा रही हो तो उसे तत्काल ब्लॉक कराने के लिये सम्बन्धित नजदीकी बैंक जाकर उक्त के सम्बन्ध में जानकारी एकत्र कर उक्त बैंक खाते को बन्द कराने की कार्यवाही को अमल में लाया जाये। यदि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा कॉल कर आपके खिलाफ ठइह अथवा वारण्ट जारी होने की बात कही जा रही हो तो तुरन्त नजदीकी पुलिस थाने में जाकर उक्त के सम्बन्ध में जानकारी एकत्र करें और पुलिस को अवगत करायें क्योंकि ठइह अथवा वारंट सक्षम न्यायालय द्वारा किसी विवेचना में जारी किया जाता है और पुलिस द्वारा उक्त को वाट्सअप पर तामील (सूचित) नही किया जाता है। यदि What's app call AüSX video call द्वारा आपके खाते में हवाला अथवा मनी लॉन्ड्रिंग से सम्बन्धित धनराशि आने की बात कही जाये तो उक्त कॉल पर यकीन न करें क्योकि कोई भी सरकारी संस्था मनी लान्ड्रिग अथवा हवाले के पैसे के सम्बन्ध में द्वारा दूरभाष अवगत नही कराती है। अगर What's app call' द्वारा आपके बैंक खाते में जमा धनराशि के मनी लॉन्ड्रिग अथवा हवाला का बता कर किसी अन्य के खाते में ट्रांसफर की बात कर रहा है तो उसकी बात पर यकीन न करें, Cyber Fraudsters हो सकते है। किसी भी सरकारी संस्था द्वारा What's app call अथवा video call द्वारा वर्दी धारण करे किसी आमजन को डराया अथवा धमकाया नहीं जाता। अगर What's app अथवा video call' द्वारा आपके खाते की जॉच के उपरान्त कोई पुलिस Clearance certificate की बीत की जाती है तो यह निश्चित तोर पर Cyber Fraudsters आप को गुमराह कर आप के खाते में मौजूद बैंक धनराशि को अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कर सकते है। कभी भी Skype Call/ What's app call पर कोई लिंक भेच कर कोई pp Install करने की बात कही जा रही है तो ऐसे भेजे गये लिंक पर click ना करें एवं किसी अज्ञात व्यक्ति के कहने पर कोई भी app Install ना करें।

किसी भी अज्ञात व्यक्ति द्वारा यदि आपको What's app a या video call कर आपको डराया या धमकाया जाता है तो आप इसके सम्बन्ध में तुरंत सूचना प्रदान करे। यदि कोई व्यक्ति आपको निवेश में मोटे मुनाफे का लालच देकर, लोन अथवा बीमा के नाम पर फर्जी वेबसाइट का लिंक भेजता है तो लिंक न खोले। महंगे सामान को सस्ते में देने का वादा करके आपसे ओटीपी या निजी जानकारी साझा करने को बोलता है तो ओटीपी/निजी जानकारी साझा न करे। यदि कोई व्यक्ति अपने किसी भी माध्यम से ठगी करने का प्रयास करे तो तुरंत उसकी शिकायत दर्ज कराये। साइबर अपराध होने की स्थिति में तुरंत रिपोर्ट करने हेतु ऑनलाइन साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 एवं साइबर पोर्टल http://cybercrime.gov.in पर सूचना दे।

अवैध कॉलोनी पर चला बुलडोजर

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में खेड़ी बेसलवा कॉलोनी के पास बनाई जा रही अवैध कॉलोनी को बुधवार को जिला योजनाकार और नगर निगम की टीम ने बुलडोजर से गिराया दिया है। डिस्टिक टाउन प्लानर राजिंदर शर्मा ने कहा कि आज करीब 50 से 60 घरों को तोड़ा गया है। डिस्टिक टाउन प्लानर राजिंदर शर्मा ने बताया कि 1 साल पहले यह अनऑथराइज्ड कॉलोनी बनाई जा रही थी। आठ महीने पहले जिन लोगों द्वारा यह कॉलोनी बसाई गई, उन्हें नोटिस और यहां रहने वाले लोगों को भी नोटिस दिया था। जिसके बाद यहां उस समय भी तोडफोड़ की गई थी। उन्होंने कहा कि लोगों को समझाया भी गया था कि यहां पर दोबारा कोई घर ना बनाएं। लेकिन लोग नहीं माने फिर से लोगों ने घर बना लिया। इस लिए आज उन सभी घरों को तोड़ दिया गया है जो अवैध रूप से इस कॉलोनी में बनी हुई थी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने यह जमीन दूसरे लोगों को बेची है। उन पर भी एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। क्योंकि लैंड ओनर के खिलाफ ही मामला दर्ज किया जाता है। उन्होंने कहा कि बार-बार किसी को नोटिस नहीं दिया जाता है। एक बार ही नोटिस दिया जाता है। उसे दौरान उस जगह को खाली कर दिया जाता है, तो कोई भी तोडफोड़ नहीं की जाती, लेकिन नोटिस देने के बावजूद भी अगर कोई दोबारा कंस्ट्रक्शन करता है, तो उस पर मामला दर्ज किया जाता है। घर टूटने का विरोध कर रहे है लोगों ने कहा की करीब डेढ़ साल पहले यहां पर अपना घर बनाया था कि एक छत मिलेगी। लेकिन आज कुछ डिपार्टमेंट के लोगों ने उन घरों को तोड़ दिया है। जिसे खून पसीने की कमाई से बनाया गया था। उन्होंने कहा कि कॉलोनी अवैध है या वैध यह पता नहीं था।

रोहिणी में पुलिस और बदमाशों की मुठभेड़, टिल्लू ताजपुरिया गैंग का शूटर गिरफ्तार

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। रोहिणी इलाके में स्पेशल सेल की टीम और बदमाशों से मुठभेड़ हुई और इस मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दे कि गिरफ्तार बदमाश मुंडका हत्याकांड में शामिल था और यह टिल्लू ताजपुरिया गैंग का शूटर भी है, जिसके पैर में गोली लगी है।

बता दे कि शनिवार की रात को दिल्ली के मुंडका इलाके में अमित लकड़ा नाम के एक शख्स की गोलियां मारकर हत्या करा दी गई थी। इसके बाद हत्या का शक टिल्लू ताजपुरिया गैंग पर था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल इस गैंग के गुर्गों की तलाश कर रही थी। बुधवार देर रात को स्पेशल सेल को एक इनपुट मिला था। इस बदमाश के दिल्ली के रोहिणी इलाके में आने का इनपुट मिला था, जिसके बाद स्पेशल सेल ने ट्रैप लगाने के बाद इस बदमाश की घेराबंदी की और तब उसने भागने की कोशिश की, जिसके बाद इसके पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया गया है।

कोई वकील जांच एजेंसियों से सीधे संवाद नहीं कर सकता : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने जमानत याचिका पर जवाब के लिए ईडी को अनुस्मारक ईमेल भेजने पर वकीलों की निंदा की

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मनी लांड्रिंग (धन शोधन) के एक केस में जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि 'कोई वकील अपने मुवक्किल के साथ अपनी पहचान नहीं बता सकता। वह जांच अधिकारी आदि जैसी एजेंसियों से सीधे बातचीत नहीं कर सकता, जब तक कि अदालत द्वारा ऐसा आदेश न दिया जाए।

हाईकोर्ट ने धन शोधन के एक मामले में एक आरोपी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील को जमानत याचिका लम्बित रहने के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सीधे संवाद करने के लिए फटकार लगाई। यद्यपि कोर्ट ने एसवीओजीएल ऑयल गैस एंड एनर्जी लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक, आरोपी पदम सिंघी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामले में जमानत दे दी।

आरोपितों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने ईडी के जांच अधिकारी (आईओ) को दो ईमेल भेजे थे, जिसमें उनसे मामले में देरी से बचने के लिए अदालत के आदेश के अनुसार जमानत मामले में जवाब दाखिल करने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति समित गोपाल ने पद्म सिंधी बनाम प्रवर्तन निदेशालय के केस में अधिवक्ता के आचरण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यदि जवाब दाखिल करने के आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है, तो सही उपाय यही है कि पीठ को सूचित किया जाए।

अदालत ने कहा, 'ई-मेल भेजकर अधिकारियों को अदालत के आदेश की याद दिलाना और उनसे इसका अनुपालन करने का अनुरोध करना इस मामले में उपस्थित वकीलों के कर्तव्यों के दायर में नहीं है। इस सम्बंध में न्यायालय ने अधिवक्ताओं के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया के व्यावसायिक आचरण नियमों का भी उल्लेख किया।

नियमों में कहा गया है कि 'कोई भी वकील किसी भी तरह से विवाद के विषय पर किसी भी पक्ष के साथ संवाद या बातचीत नहीं करेगा, सिवाय उस वकील के माध्यम से।'

न्यायालय ने कहा कि वकीलों की कार्रवाई उचित नहीं थी और इसकी सराहना नहीं की जा सकती, क्योंकि जांच एजेंसी का प्रतिनिधित्व पहले दिन से ही वकीलों द्वारा किया गया था। हाईकोर्ट ने आरोपी के वकीलों के खिलाफ टिप्पणी प्रवर्तन निदेशालय के वकीलों की आपत्ति पर की।

कोर्ट ने कहा कि वकील का काम न्यायालय की सहायता करना है और आदेश का पालन न करने की शिकायत के मामले में, उचित प्रक्रिया यह है कि पीठ को इसकी जानकारी दी जाए।

वकीलों के संवाद से सम्बंधित मुद्दा ईडी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील द्वारा उठाया गया था, जिन्होंने जांच एजेंसी के साथ सीधे बातचीत करने के लिए आरोपित का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील की योग्यता पर सवाल उठाया गया था। हालांकि, कोर्ट ने वकीलों का स्पष्टीकरण को स्वीकार नहीं किया।

युवकों ने ट्रेन में महिला से छेड़छाड़ का प्रयास किया, विरोध करने पर पति को पीटा

अलीगढ़ (उप्र), एजेंसी। एक नवविवाहिता ने आरोप लगाया है कि जब वह और उनके पति दिल्ली से अलीगढ़ लोकल ट्रेन में यात्रा कर रहे थे, तभी कुछ युवकों ने उन्हें प्रताड़ित किया और उनसे छेड़छाड़ करने की कोशिश की। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अलीगढ़ में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में बताया गया कि घटना मंगलवार रात की है। इसमें पीड़िता ने दावा किया कि जब उनके पति ने विरोध करने की कोशिश की तो आरोपियों ने दोनों की बेल्ट से पीटा। पीड़ित महिला ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने अन्य यात्रियों से मदद की गुहार लगाई, लेकिन घबराए अन्य यात्री भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आए।

जीआरपी के एक अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और एक आरोपी जीतू को शिकायत मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस में दर्ज शिकायत में महिला ने दावा किया है कि जब वह और उनके पति अलीगढ़ में ट्रेन से उतर गए तो उनके परिवार के सदस्य उन्हें लेने आए थे, लेकिन उनकी मौजूदगी में भी बदमाशों ने उनके पति को पीटना जारी रखा।

महिला ने कहा कि जब वह चिल्लाने लगी तो मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई और आरोपी उनके पति को गोली मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। उन्होंने आरोप लगाया कि अलीगढ़ में तैनात जीआरपी के जवानों ने शुरूआत में उनकी गुहार पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन जल्द ही परिवार के सदस्य और समाजवादी पार्टी (सपा) के कुछ वरिष्ठ नेता मौके पर पहुंच गए।

मौके पर पहुंचे सपा के पूर्व नगर अध्यक्ष अज्जू इशहाक ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि मंगलवार रात ट्रेन में हुई घटना 'राज्य में बढ़ती अराजकता का दिखाती है'। उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाली ट्रेन के डिब्बे में भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

नामजद लोगों में से एक जीतू को घटना के कुछ घंटों बाद (मंगलवार देर शाम) रेलवे स्टेशन से थोड़ी दूरी पर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अन्य नामजद आरोपी महेश और अज्ञात आरोपी फरार हैं और उनके पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जा रहा है।

देवीपाटन शक्तिपीठ में 16 नवंबर से जुटेंगे देश-विदेश के प्रमुख संत-महंत

बलरामपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के देवीपाटन शक्तिपीठ मंदिर के ब्रह्मलीन महंत महेंद्रनाथ योगी की 24वीं पुण्यतिथि पर 16 नवंबर से सात दिवसीय वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश के प्रमुख मठ मंदिरों के संत-महंत पहुंचेंगे। अंतिम दिन ब्रह्मलीन महंत को श्रद्धांजलि देने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहुंचेंगे।

शक्तिपीठ देवीपाटन में प्रत्येक वर्ष ब्रह्मलीन महंत महेंद्रनाथ योगी की पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई जाती है। इस वर्ष 24वीं पुण्यतिथि मनायी जा रही है। कार्यक्रम में 16 से 22 नवंबर तक रामकथा चलेगी। इसके साथ ही अखंड रामायण पाठ, संत सम्मेलन किया जाएगा। अंतिम दिन 22 नवंबर को श्रद्धांजलि सभा एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धांजलि सभा में गोरक्ष पीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। देवीपाटन पीठाधीश्वर मिथलेशनाथ योगी ने गुरुवार को बताया कि कार्यक्रम को लेकर पूरी तैयारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी के आगमन को लेकर भी मुख्यमंत्री कार्यालय से स्वीकृति मिल गई है।

दलित महिलाओं की पिटाई के आरोपी आठ पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश

सोनभद्र, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले की एक अदालत ने राबर्ट्सगंज क्षेत्र में दलित महिलाओं की पिटाई के आरोप में आठ पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

वादी पक्ष के वकील रोशन लाल यादव ने बृहस्पतिवार को बताया कि विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी अधिनियम) आबिद शमीम ने रौप गांव स्थित घसिया बस्ती में चार महीने पहले हुई घटना के संबंध मंगलवार को चुर्क पुलिस चौकी के पूर्व प्रभारी उप निरीक्षक कमल नयन दुबे समेत आठ पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश दिया।

उन्होंने बताया कि घसिया बस्ती की रहने वाली मुनिया नामक महिला ने आरोप लगाया था कि 12-13 जुलाई की रात दो बजे कुछ वर्दीधारी पुलिसकर्मी बस्ती में पहुंचे और उसे घसीटते हुए घर से बाहर लाकर लाठी से पीटने लगे।

शिकायत के अनुसार शोर सुनकर और महिलाएं उसे बचाने के लिए आईं तो पुलिस ने जातिसूचक अपशब्द कहते हुए उनकी भी बर्बरतापूर्ण तरीके से पिटाई की। शिकायत के मुताबिक आरोपी पुलिसकर्मियों ने कई मकानों में घुसकर तोड़फोड़ की, 10 हजार रुपये लूटे और मुठभेड़ में जान से मारने की धमकी भी दी।

यादव ने बताया कि मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने रॉबर्ट्सगंज के प्रभारी निरीक्षक को आदेश दिया कि पूर्व चौकी प्रभारी दुबे समेत आठ पुलिस कर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके अग्रिम कार्यवाही की जाये।

जोहो के सीईओ श्रीधर वेम्बू एबीवीपी के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे

लखनऊ, एजेंसी। गोरखपुर में 22 से 24 नवंबर तक आयोजित होने वाले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 70वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'जोहो कॉरपोरेशन' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्रीधर वेम्बू बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की छात्र शाखा एबीवीपी ने एक बयान में कहा कि वेम्बू 22 नवंबर को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विद्यार्थियों और संकाय प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। बयान में कहा गया कि भारत के तकनीकी विकास को आगे बढ़ाने, ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने और शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार लाने में वेम्बू के प्रयास देश के युवाओं के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करते हैं।

वेम्बू ने स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार सृजन के मकसद से तमिलनाडु के तेनकासी में 'जोहो कॉर्पोरेशन' की शुरूआत की। बयान में कहा गया कि तमिलनाडु के एक सुदूर इलाके में अपना उद्योग स्थापित करने के बाद, वेम्बू ने ऐसे अवसर पैदा किए जो आमतौर पर केवल बड़े शहरों में शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों में ही उपलब्ध होते हैं। इसमें कहा गया कि ग्रामीण जीवन को उन्नत तकनीक और उद्यमिता से जोड़ने के उनके प्रयास अनुकरणीय हैं और एबीवीपी के राष्ट्रीय अधिवेशन में उनका संबोधन युवाओं को दिशा और प्रेरणा प्रदान करेगा।

मेरठ में पुलिस मुठभेड़ के दौरान गोकशी का आरोपी घायल

मेरठ (उप्र), एजेंसी। मेरठ के मवाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोकशी का आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि घटना बुधवार की है। मवाना पुलिस थाने के प्रभारी राजेश कुमार कंबोज ने बताया कि पुलिस जब आमिर से गोकशी में इस्तेमाल होने वाले सजो सामान बरामद कर रही थी, तभी उसने भागने की कोशिश में उप निरीक्षक की पिस्तौल छीनने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, 'जैसे ही पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, आमिर ने उन पर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के एक पैर में गोली लग गई।'

थाना प्रभारी ने बताया कि आमिर को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पीलीभीत में बस पलटी, 25 लोग घायल

पीलीभीत (उप्र), एजेंसी। पीलीभीत जिले में मजदूरों को ले जा रही एक बस बृहस्पतिवार को सड़क किनारे एक गड्ढे में पलटी गई जिससे 25 लोग घायल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

घुंघचाई पुलिस थाना के प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि बस बरेली जिले के नवाबगंज और आसपास के गांवों से लगभग 60 श्रमिकों को बिहार के एक भट्ठे पर ले जा रही थी। बलरामपुर चौकी के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। उन्होंने बताया कि हादसे में करीब 25 लोग घायल हो गए और रुखसाना तथा जन्नती बेगम की हालत गंभीर बताई जा रही है जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है।

जो लोग 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की बात करते हैं, वे एक दिन में परीक्षा तक नहीं करा सकते: अखिलेश

प्रयागराज (उप्र), एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज में छात्रों के विरोध प्रदर्शन से निपटने और परीक्षाओं को ठीक से आयोजित करने में विफल रहने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना की।

फूलपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए यादव ने उप्र लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा राज्य सिविल सेवा (पीसीएस)-प्रारंभिक परीक्षा और आरओ-एआरओ परीक्षा अलग-अलग दो दिन में आयोजित कराने के फैसले के खिलाफ चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'जो लोग 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की बात करते हैं, वे एक दिन में छात्रों के लिए परीक्षा भी नहीं करवा सकते।'

यादव ने छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त की, लेकिन राजनीतिकरण के आरोपों से बचने के लिए विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से परहेज किया। उन्होंने राज्य में परीक्षाओं के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने में असमर्थता के लिए भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'यह वही सरकार है जो 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को बढ़ावा देती है, लेकिन उत्तर प्रदेश में वे हमारे युवाओं के लिए एक दिन में परीक्षा तक नहीं करा सकते। प्रयागराज में हजारों छात्र इस फैसले के खिलाफ लगातार चौथे दिन बृहस्पतिवार को विरोध प्रदर्शन किया जिनका दावा है कि इससे अनावश्यक भ्रम और कठिनाई बढ़ रही है। यादव ने प्रश्नपत्र लीक, बार-बार परीक्षा के स्थगित और रद्द होने जैसे मुद्दों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है। उन्होंने फूलपुर में होने वाले आगामी उपचुनाव पर भी अपना ध्यान केंद्रित किया, जहां समाजवादी पार्टी अपने उम्मीदवार के रूप में मुस्तफा सिद्दीकी का समर्थन कर रही है। यादव ने उपचुनाव स्थगित करने के लिए भाजपा की आलोचना की, जो मूल रूप से 13 नवंबर को होने थे, लेकिन अब 20 नवंबर तक टाल दिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'इन उपचुनावों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ेगा।' यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी सीधा हमला बोला और कहा, 'लोग जानते हैं कि यह सरकार जाने वाली है।' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव का नतीजा जो भी हो, आदित्यनाथ की कुर्सी नहीं बचेगी। मुख्यमंत्री की अक्सर आक्रामक बयानबाजी पर टिप्पणी करते हुए यादव ने कहा, 'हमारे मुख्यमंत्री बहुत शिक्षित और जानकार हैं, लेकिन वे कम बोलने की जरूरत होने पर बहुत ज्यादा बोलते हैं। इसलिए हमारे यहां 'मौनी बाबा' की परंपरा है यानी कम बोलना। वह जब भी बोलते हैं, कड़वाहट होती है। उनकी नकारात्मक मानसिकता उनकी नकारात्मक भाषा में झलकती है।'

योगी आदित्यनाथ का सीधे नाम लिए बिना यादव ने कहा, 'कोई भी व्यक्ति अपने कपड़ों से योगी नहीं बनता। कोई भी व्यक्ति अपने विचारों और शब्दों से योगी बनता है।' फूलपुर उपचुनाव की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि मौजूदा विधायक 2024 में लोकसभा के लिए चुने गए हैं। इस सीट पर भाजपा ने पूर्व विधायक दीपक पटेल को मैदान में उतारा है, जबकि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने जितेंद्र कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया है। मतदान 20 नवंबर को होगा।

एक नजर

पीसीएस-प्री की परीक्षा पहले की तरह आयोजित करेगा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस)-प्री और समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ-एआरओ) की परीक्षा एक ही दिन में संपन्न कराने की छात्रों की मांग बृहस्पतिवार को आंशिक रूप मान ली। यूपीपीएससी कार्यालय के बाहर एक अधिकारी ने घोषणा की कि आयोग ने आरओ और एआरओ परीक्षाओं को स्थगित करने और पुराने पैटर्न के आधार पर पीसीएस प्री-परीक्षा आयोजित करने का फैसला किया है। आयोग ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा के लिए 7 और 8 दिसंबर जबकि आरओ और एआरओ प्रारंभिक परीक्षा के लिए 22 और 23 दिसंबर की तारीखें घोषित की थीं। पीसीएस-प्री की परीक्षा पहले की भांति कराने की घोषणा से जहां कुछ अभ्यर्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई वहीं आरओ-एआरओ परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को निराशा हाथ लगी। प्रदर्शनकारी छात्र राहुल पांडे ने कहा की आरओ-एआरओ की परीक्षा के बारे में निर्णय लिए जाने तक आंदोलन जारी रहेगा। पांडे ने कहा की इस घोषणा पर हमें विश्वास नहीं है क्योंकि आयोग का कोई अधिकारी न तो सामने आया और न ही इस संबंध में कोई आधिकारिक नोटिस आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। प्रदर्शनकारी छात्र योगेश सिंह ने कहा की आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर इस संबंध में नोटिस अपलोड होने तक छात्र आंदोलन खत्म नहीं करेंगे।

देव दीपावली उत्सव में 3डी लेजर शो के जरिए दिखाया जाएगा काशी का इतिहास

वाराणसी (उप्र), एजेंसी। वाराणसी में देव दीपावली उत्सव में 3डी लेजर शो के जरिए काशी का इतिहास, संतों और ऋषियों की कहानियां और गंगा नदी के 'धरती पर अवतरण' के महत्व को दिखाया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। देव दीपावली हर साल कार्तिक पूर्णिमा को मनाई जाती है। इस साल यह उत्सव 15 नवंबर को मनाया जाएगा। परंपरा और आधुनिक प्रौद्योगिकी का मिश्रण यह 25 मिनट का 3डी लेजर शो दिन में चार बार-शाम साढ़े पांच बजे, सात बजे, आठ बजे और आठ बजकर 45 मिनट पर, दिखाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि लेजर शो में उच्च क्षमता वाले 24 प्रोजेक्टर का इस्तेमाल होगा, जो घाटों की ऐतिहासिक इमारतों पर काशी के धार्मिक और सांस्कृतिक विकास की जीवंत छवि बनाएंगे।वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया, 'इस भव्य समारोह में प्रतिष्ठित दीपमाला और प्रसिद्ध गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा, लेकिन इसका मुख्य आकर्षण मल्टीमीडिया अनुभव होगा जो काशी के समृद्ध आध्यात्मिक और पौराणिक इतिहास को जीवंत कर देगा।' उन्होंने कहा, 'लेजर शो में शहर के इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों को दिखाया जाएगा, जिसमें काशी में भगवान शिव का आगमन, ऋषियों और मुनियों की कहानियां, भगवान बुद्ध की यात्रा और तुलसीदास तथा कबीर जैसे संतों का योगदान शामिल हैं।' मंडलायुक्त ने कहा, 'इस शो में मंदिरों और कुंडों के जीर्णोद्धार में अहिल्याबाई होल्कर के प्रयासों के साथ-साथ गंगा नदी के धरती पर अवतरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला जाएगा।'इसके साथ ही देव दीपावली क्यों मनाई जाती है और गंगा के धरती पर अवतरण की कहानी भी पर्यटक देख सकेंगे।

समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी को जमानत मिली

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी को बृहस्पतिवार को जमानत दे दी। हालांकि, अदालत ने सजा पर रोक लगाने की उनकी अर्जी खारिज कर दी। सोलंकी की याचिका पर यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह की पीठ द्वारा पारित किया गया। अदालत ने इस मामले में सजा बढ़ाने की राज्य सरकार की भी अपील खारिज कर दी। जाजमऊ इलाके में डिफेंस कॉलोनी निवासी फातिमा के मकान में आगजनी करने के आरोप में इरफान सोलंकी पर मुकदमा दर्ज किया गया था। सात जून 2024 के अपने आदेश में कानपुर की एक विशेष अदालत ने सोलंकी और चार अन्य लोगों को दोषी करार देते हुए सात साल के कारावास की सजा सुनाई थी। कानपुर की विशेष अदालत के निर्णय के खिलाफ दायर मौजूदा अपील में जमानत के साथ ही सजा पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। वहीं दूसरी ओर, राज्य सरकार ने सजा बढ़ाने के लिए अपील दायर की थी।

पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन में कराने का फैसला

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने पीसीएस की प्रारम्भिक परीक्षा एक ही दिन में कराने का निर्णय लिया है। प्रयागराज में प्रदर्शनकारी छात्रों की मांगों के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपीपीएससी को छात्रों के साथ संवाद और समन्वय बनाकर आवश्यक निर्णय लेने का निर्देश दिया था। इसके बाद यूपीपीएससी ने यह निर्णय लिया है। अब पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 को एक दिवस में कराया जाएगा। इसके साथ ही आरओ/एआरओ (प्रा.) परीक्षा-2023 के लिए आयोग ने समिति का गठन किया है। समिति सभी पहलुओं पर विचार कर अतिशीघ्र अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से परीक्षा की तैयारी कर रहे बड़ी संख्या में छात्र प्रयागराज में धरना दे रहे थे।

दहेज के लिए पत्नी की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

महाराजगंज, एजेंसी। यहां की एक अदालत ने एक व्यक्ति को तीन साल पहले दहेज के लिए अपनी पत्नी की हत्या करने का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर पुलिस अधीक्षक असित कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि अपर सत्र एवं विशेष न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) फूल चंद कुशवाहा ने आरोपी जितेंद्र चौहान को अपनी पत्नी प्रीति चौहान (25) को दहेज के लिए प्रताड़ित करने के बाद उसकी हत्या करने का मंगलवार को दोषी करार दिया। सिंह ने बताया कि अदालत ने चौहान पर 20,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। जितेंद्र चौहान ने दहेज के लिए 50,000 रुपये की व्यवस्था करने से पत्नी के इनकार करने पर 21 दिसंबर, 2021 को प्रीति चौहान की गला घोंटकर हत्या कर दी थी।

बारातियों से भरी बस ट्रक से टकराई, तीन की मौत, नौ घायल

फतेहपुर, एजेंसी। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को बारातियों से भरी एक पर्यटक बस, आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और नौ बाराती घायल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्रा ने बताया कि बुधवार को कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मौहार गांव के पास 23 बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में बस में सवार महिला किरन (55) और आदित्यराज (5) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अस्पताल में इलाज के दौरान युवती कुमकुम सिंह (20) ने दम तोड़ दिया। घायलों में तीन की हालत नाजुक है, जिन्हें इलाज के लिए कानपुर के हैलट अस्पताल भेजा गया है।

एक नजर

मुजफ्फरपुरः साहेबगंज ब्लॉक के पास युवक को गोली मारी

गंभीर हालत में रेफर -हमलावर फरार

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज ब्लॉक के माई स्थान के समीप माधोपुर हजारी निवासी पुष्कर सिंह को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। हमले के बाद पुष्कर सिंह को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद हमलावर फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की तलाश में जुट गई है।

बिहार प्रशासनिक सेवा के 7 महिला समेत 13 अफसरों की लगी विशेष ड्यूटी

पटना,ब्यूरो। बिहार सरकार ने बिहार प्रशासनिक सेवा के 13 अधिकारियों को तकनीकी सेवा आयोग में प्रतिनियुक्त किया है। इनमें सात महिला अधिकारी हैं। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। इन अधिकारियों को दो दिनों 18 से लेकर 19 नवंबर तक तकनीकी सेवा आयोग में प्रतिनियुक्त किया गया है। इनमें 10 ऐसे अधिकारी हैं जो विभिन्न विभागों में विशेष कार्य पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित हैं।

अपराधियों ने पुलिस को दी चुनौती, अंधाधुंध फायरिंग कर एक व्यक्ति की ली जान

पटना,संवाददाता। राजधानी में सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। अपराधियों ने सबेरे सबेरे एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। राजधानी पटना में एक बार फिर अपराधियों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए हत्या की घटना को अंजाम दिया है। सौढ़ी के धनरूआ थाना क्षेत्र के वीर गांव में सुबह-सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। स्थानीय निवासी वीरेंद्र बिंद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वीरेंद्र बिंद शौच के लिए गए थे, तभी घात लगाए अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली उनके सिर और बांह में लगी। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। धनरूआ थानाध्यक्ष ने बताया कि वीरेंद्र बिंद का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और उनके खिलाफ पहले भी हत्या के दो मामले दर्ज थे। 2018 में जेल जा चुके वीरेंद्र बिंद छह महीने पहले ही जमानत पर बाहर आए थे। पुलिस का मानना है कि यह हत्या पुरानी रंजिश का नतीजा हो सकता है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।घटना की सूचना मिलते ही मसौढ़ी एसडीपीओ-2 कन्हैया सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बाल दिवस पर विविध गतिविधियों से गूंजा मध्य विद्यालय बैंगरी

बच्चों को मिला शिक्षकों का सम्मान

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा प्रखण्ड स्थित मध्य विद्यालय बैंगरी में बाल दिवस के अवसर पर कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस खास मौके पर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें उन्हें शिक्षकों द्वारा सम्मानित भी किया गया। विद्यालय में पेंटिंग, कविता पाठ, खेल प्रतियोगिताओं सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ इन गतिविधियों में हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को शिक्षकों ब्रजेश कुमार, इंतखाब आलम खान, मोहम्मद गुलाम मुस्तफा, अभिषेक कुमार, सत्यम कुमार, आशा कुमारी और श्वेता कुमारी द्वारा सम्मानित किया गया। शिक्षकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बाल दिवस उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर एक कदम है और इस तरह के कार्यक्रम उनकी प्रतिभा को निखारने में सहायक सिद्ध होते हैं।

जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

नेहरू पार्क में माल्यार्पण कर याद किया

पटना(बिहार)। ब्यूरो। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर पटना के नेहरू पथ स्थित नेहरू पार्क, पुनाईचक में आयोजित राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्री महेश्वर हजारी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खान, मद्य निषेध मंत्री रत्नेश सादा, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, सचिव कुमार रवि सहित कई राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद थे। इन सभी ने नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा बिहार गीत और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति की गई, जिससे समारोह में देशभक्ति की भावना प्रबल हो उठी।

महिलाओं के लोन माफी के लिए 28 नवंबर को बिहार विधानसभा पर होगा प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर/बोचहां संवाददाता। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बोचहां प्रखंड के मझौली पंचायत भवन में आज अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन (ऐपवा) के नेतृत्व में एक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में बोचहां, औराई, और गायघाट से सैकड़ों महिला कार्यकताओं ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य माइक्रो फाइनेंस कंपनियों की मनमानी से पीड़ित महिलाओं की आवाज को उठाना और समूह लोन माफी की मांग को लेकर राज्य सरकार पर दबाव बनाना था। ऐपवा की राज्य कमेटी की सदस्य एवं मुजफ्फरपुर जिला सचिव रानी प्रसाद ने बताया कि राज्य की लाखों गरीब महिलाएं, जो जीविका समूह से जुड़ी हैं, उन्हें समय पर आवश्यक कर्ज नहीं मिल पाता। इससे उन्हें माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से कर्ज लेना पड़ता है, जिनकी ब्याज दरें काफी ऊंची हैं। इस शोषण के कारण कई महिलाएं आत्महत्या तक करने को मजबूर हो रही हैं। ऐपवा जिला अध्यक्ष बिजनेस यादव ने सरकार से मांग की कि जैसे कॉर्पोरेट कंपनियों का कर्ज माफ किया गया है, वैसे ही गरीब महिलाओं का समूह लोन भी माफ किया जाए। इसके साथ ही झारखंड की तरह बिहार में भी सभी महिलाओं को ?3000 मासिक पेंशन देने की मांग की गई। महिला कार्यकताओं ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर आवाज बुलंद की, जिसमें महिलाओं पर अत्याचार, बलात्कार जैसी घटनाओं पर रोक लगाने की मांग भी शामिल है। इन सभी मांगों को लेकर 28 नवंबर को बिहार विधानसभा के सामने प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर भाकपा माले के बोचहां सचिव राम बालक सहनी, मुशहरी के सचिव विमलेश मिश्रा, औराई के सचिव मनोज यादव, और माले नेता इंद्रजीत कुमार बबलू समेत कई प्रमुख वक्ताओं ने अपनी बात रखी।

मुजफ्फरपुरः पैक्स सदस्यता में साजिश का आरोप

दर्जनों लोगों के नाम नहीं जोड़े जाने पर विभात कुमार ने जताई नाराजगी

मुजफ्फरपुर। जिले के सरैया प्रखंड के रेवा निवासी विभात कुमार ने ढअउर सदस्यता में साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि रेवा वसंतपुर दक्षिणी ढअउर में उनका नाम जान-बूझकर नहीं जोड़ा गया है। विभात ने जिला अधिकारी (उट) और प्रखंड विकास पदाधिकारी (इउड) को आवेदन देकर बीसीओ, ढअउर अध्यक्ष, और कोऑपरेटिव बैंक शाखा पारु के 20/08/2014 शाखा प्रबंधक पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। विभात का कहना है कि उन्होंने 20 अगस्त 2014 को ढअउर सदस्य बनने के लिए 101 रुपये का सदस्यता शुल्क पारु कोऑपरेटिव बैंक में जमा किया था। इसके बावजूद भी उनका नाम ढअउर सदस्य सूची में नहीं जोड़ा गया। विभात ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई एक राजनीतिक साजिश के तहत की जा रही है और उनके जैसे दर्जनों अन्य लोगों के नाम भी जान-बूझकर सूची से बाहर रखे गए हैं। उन्होंने इस मामले पर कार्रवाई की मांग की है और चेतावनी दी है कि यदि उचित कार्रवाई नहीं होती है तो वह कोर्ट का रुख करेंगे।

गिरिराज सिंह फिर गरजे, कहा: देश में बढ़ रहा है इस्लामिक कट्टरवाद

साथ दे रहे हैं राहुल और लालू जैसे वोट के सौदागर

पटना/बेगूसराय,संवाददाता। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस्लामिक कट्टरवाद पर हमला बोला है। गिरिराज ने कहा कि जहां पहले किसी भी संस्थान में बुर्का या हिजाब नहीं पहना जाता था, अब वहां भी यह नई संस्कृति हावी हो रही है। उन्होंने कहा कि जबकि कई देश बुर्का पहनने से दूर जा रहे हैं, उनका मानना है कि भारत में कुछ लोग इसे और बढ़ावा दे रहे हैं। वह बताते हैं कि एक समय था जब स्कूलों और अन्य जगहों पर बहुत कम लोग बुर्का या हिजाब पहनते थे, लेकिन अब यह आम होता जा रहा है। बेगूसराय तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे गिरिराज ने कहा कि आज पूरी दुनिया के कई इस्लामिक देशों में बुर्का के खिलाफ आंदोलन चल रहा है, लेकिन भारत के अंदर कट्टरपंथियों के कारण एक नई संस्कृति की शुरू हुई है. गिरिराज ने कहा कि जहां पहले कभी किसी इंस्टिट्यूशन में बुर्का नही पहनती थी ,हिजाब नहीं लगाती थी ,वहां भी अब इसकी संस्कृति क्यों बढ़ रही है? गिरिराज सिंह ने मदनी और तौकीर रजा जैसे कुछ नेताओं का जिक्र करते हुए

कहा कि वे कानून का सम्मान नहीं कर रहे हैं और विरोध करने के लिए लोगों के बड़े समूह को इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे हैं। गिरिराज का मानना है कि ये नेता देश में डर पैदा कर रहे हैं, जिसकी वजह से कुछ परिवार अपनी बेटियों को बुर्का पहनाने के लिए दबाव महसूस कर रहे हैं। वह इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यह स्थिति भारत में हिंदुओं को कैसे प्रभावित कर रही है। चाहे तौकीर रजा को 5 लाख लोगों को लेकर दिल्ली को घेर ले या मदनी कुछ भी कहें, राहुल और लालू जैसे वोट के सौदागर उनके साथ खड़े होंगे. फन्होंने कहा कि तौकीर रजा और मदनी के साथ हमेशा ऐसे लोग होंगे जो उनके साथ वोट का सौदा करना चाहते हैं, चाहे वह राहुल गांधी हों या लालू यादव।

गिरिराज सिंह ने कहा कि कर्नाटक के नेता पर गलत काम करने का आरोप लगाया गया है और ऐसा लगता है कि उन्हें इस बात पर कोई शर्मिंदगी महसूस नहीं हो रही है। उन्हें यह भी लगता है कि कर्नाटक पक्षपातपूर्ण काम कर रहा है, जैसे कि कुछ नौकरियों में मुसलमानों को विशेष अवसर देना। उनका मानना है कि यह वास्तव में अनुचित है। केंद्रीय मंत्री ममता बनर्जी और पश्चिम बंगाल के बारे में बुरी बातें कह रहे हैं। उन्हें लगता है कि पश्चिम बंगाल में बहुत ज्यादा लड़ाई-झगड़ा हो रहा है और सत्ता में बैठे लोग नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। उनका मानना है कि सरकार सिर्फ. कुछ खास लोगों की मदद कर रही है। उन्हें यह भी चिंता है कि ममता बनर्जी सोचती हैं कि मुसलमान भविष्य में पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश जैसा बना देंगे।

कटिहार में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग में युवक घायल

कटिहार,संवाददाता। हर्ष फायरिंग की बढ़ती घटनाओं पर पुलिस भले हीं सख्त होने का दावा करती हो ,शादी या किसी भी खुशी के अवसर पर रुतबा दिखाने के लिए हर्ष फायरिंग करने वालों को जेल भेजने का कानून भी हो लेकिन यह रुक नहीं रहा है। कटिहार के मनिहारी थाना क्षेत्र के मोहना चांदपुर तेरासी टोला में एक शादी समारोह में हर्ष फायरिंग की घटना ने खुशी का माहौल गम में बदल दिया। भागलपुर से आए निरंजन कुमार अपनी भांजी की शादी में शामिल हुए थे। इसी दौरान श्रवण यादव द्वारा की गई हर्ष फायरिंग में एक गोली का छर्रा निरंजन कुमार के पैर में लग गया। आतिशबाजी और डीजे की आवाज में गोली की आवाज दब गई, जिसके कारण शुरूआत में लोगों को घटना का अंदाजा नहीं हुआ। लेकिन जब निरंजन कुमार के पैर से खून निकलने लगा तो अफरा-तफरी मच गई। घायल को तुरंत अस्पताल ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी श्रवण यादव की तलाश शुरू कर दी है। भागलपुर से निरंजन कुमार अपने भांजे की शादी में आया हुआ था, इसी दौरान श्रवण

यादव द्वारा हर्ष फायरिंग किए जाने पर गोली का छर्रा छिटककर निरंजन कुमार के पैर में लग गई, आतिशबाजी और डीजे के धुन के बीच पहले तो गोली की आवाज दब जाने के कारण लोगों को बहुत देर तक तो कुछ समझ नहीं आया लेकिन बाद में जब पैर से खून टपकने लगा तो लोगों को माजरा समझ में आया, इसके बाद घायल निरंजन को अफरा-तफरी में अस्पताल ले जाया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया फिलहाल पुलिस आरोपी श्रवण यादव के खोजबीन में जुटी हुई है।

सीएसपी संचालक की गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

एसपी ने कहा शीघ्र अपराधियों की होगी गिरफ्तारी

मोतिहारी,संवाददाता। जिले में एक बार फिर बेखौफ अपराधियों ने बुधवार को सीएसपी संचालक को गोली मारकर हत्या कर दी। घटना हरसिद्धि थाना क्षेत्र के परशुरामपुर स्थित सीएसपी की है। वहीं स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से जख्मी सीएसपी संचालक राहुल कुमार को मोतिहारी के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद मौके पर स्वयं एसपी स्वर्ण प्रभात घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस अपराधियों को पहचानने में जुटी हुई है। पुलिस ने सीएसपी संचालक के शव को कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इस संबंध में एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि 'प्रथम दृष्टया लूटपाट का मामला नहीं लग रहा है। आपसी विवाद या दुश्मनी में घटना प्रतीत हो रही है, मामले में जांच जारी है। तीन माह के अंदर जेल से निकले तमाम अपराधियों की सूची तैयार कर इसकी छानबीन तेज कर दी गई है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार, सीएसपी संचालक राहुल कुमार ने छह माह पूर्व पशुरामपुर

चौक पर एसबीआई का सीएसपी खोला था। प्रत्येक दिन की तरह राहुल बुधवार को भी अपने सीएसपी में बैठा हुआ था। उसी दौरान एक बाइक पर सवार दो युवक आए। एक युवक बाइक पर बैठा रह गया, जबकि दूसरा युवक सीएसपी में घुसा और राहुल को गोली मारकर फरार हो गया। बदमाश ने राहुल को दो गोली मारी। एक गोली बाएं हाथ में लगी, वहीं दूसरी सीने में लगी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर आए और जख्मी राहुल को इलाज के लिए बाइक से लेकर मोतिहारी के लिए चले गए। हॉस्पिटल में पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने राहुल मृत घोषित कर दिया।

पुनौराधाम मंदिर के विकास के लिए नीतीश सरकार ने खोला खजाना

पटना/सीतामढ़ी,ब्यूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज गुरूवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई थी। आज कुल 38 एजेंडों पर मुहर लगी है। बिहार सरकार ने सीतामढ़ी जिलान्तर्गत मां जानकी की जन्मस्थली "पुनौराधाम" के पर्यटकीय विकास के लिए 50.50 एक-ड़ भूमि अधिग्रहण के लिए एक सौ बीस करोड़ अट्ठावन लाख सड़सठ हजार एक सौ पचहत्तर रु की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। सूबे के पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार जताया है। सीतामढ़ी जिलान्तर्गत मां जानकी की जन्मस्थली "पुनौराधाम" मंदिर के आस-पास नए पर्यटकीय विकास एवं आधारभूत संरचनाओं के निर्माण हेतु 50.50 एक-ड़ भूमि अधिग्रहण के निमित्त राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 120,58,67,175 (एक सौ बीस करोड़ अट्ठावन लाख सड़सठ हजार एक सौ पचहत्तर रुपये) की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि मां जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम में प्रतिवर्ष देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है। अयोध्या धाम में रामजन्मभूमि मंदिर निर्माण होने के उपरांत रामायण परिपथ से जुड़े होने के कारण पुनौराधाम में श्रद्धालुओं का अत्यधिक प्रवाह हो रहा है और आने वाले समय में उच्च आधारभूत संरचना निर्माण से यह संख्या और भी अधिक बढ़ेगी। इन परिस्थितियों में श्रद्धालुओं के लिए बेहतर पर्यटकीय सुविधाओं के विस्तार हेतु विभिन्न पर्यटकीय संरचनाओं का निर्माण प्रस्तावित है जिसके लिए भूमि अधिग्रहण अत्यावश्यक है।

उन्होंने बताया कि सीतामढ़ी के जिला पदाधिकारी द्वारा 16 अक्टूबर 2024 को 50.50 एकड़ भूमि को चिन्हित कर अधिग्रहण का प्रस्ताव उपलब्ध कराया जा चुका है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि निश्चित ही आने वाले समय में पुनौराधाम एक भव्य धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में देश के मानचित्र पर स्थापित हो सकेगा। उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं राज्य मंत्रिपरिषद का हृदयतल से आभार व्यक्त किया है।

पत्नी इंतजार करती रही पति दूसरे के साथ उड़ाता रहा गुलछर्रे

परियों जैसे सपना को महज 11 दिन बाद ही दूल्हे ने तोड़ दिया

भागलपुर,संवाददाता। बेटी के ससुराल वालों से समझौता को पहुंचे लड़की वाले तो लड़के के परिवार वालों ने मारकर घायल कर दिया. भागलपुर के औद्योगिक थाना क्षेत्र के नया टोला निवासी ने घायल को इलाज के लिए लाया गया सदर अस्पताल जहां से बेहतर उपचार के लिए मायागंज अस्पताल भेज दिया गया। मामले को लेकर नव विवाहिता ने बताया कि शादी के 11 दिन बाद ही मुझे छोड़ दिया। जबकी मेरे पिता ने मेरी शादी 25 लाख दहेज देकर जिरोमाईल नया टोला निवासी संतोष कुमार यादव से पुरे हिन्दू रिती रिवाज के साथ कराई थी। शादी के बाद लड़का जो मुंबई में रेलवे के ग्रुप डी में है। पत्नी ने कहा कि उसके पति का किसी लड़की से अफेयर चल रहा है इसकी जानकारी होने पर जब मैंने विरोध किया तो लड़का का तेवर धीरे-धीरे बदलने लगा, इस दौरान लड़का के भाई व उसके परिवार वालों ने मेरा साथ दिया पर अब उन्होंने भी मेरे ऊपर गलत इल्जाम लगाकर घर से निकाल दिया।जिसको लेकर मैं और मेरे परिवार वाले महिला थाना से लेकर भागलपुर के वरीय पुलिस अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर लगा चुकी हूं, कहीं से न्याय नहीं मिला वहीं इसी मामले को लेकर बुधवार की सुबह 11:00 बजे मामा व भाई परिजनों के साथ लड़के वालों के यहां समझौते की बात करने गए थे लेकिन लड़केवालों ने धारदार हथियार से प्रहार किया, जिससे दो लोग गंभीर घायल हो गए।

चरण सिंह

विचार

कोई भी हो आंदोलन के आगे तो झुकना ही पड़ेगा!

आज के विपक्ष के नेता कमजोर क्यों पड़ रहे हैं? इसका बड़ा कारण आरामतलबी और आंदोलन से दूरी बनाना है। यूपीएससी छात्रों ने दिखा दिया कि योगी हो या मोदी आंदोलन के आगे तो झुकना ही पड़ेगा। जो सरकार छात्रों की कोई बात सुनने को तैयार नहीं थी। उन पर लाठीचार्ज करा रही थी। वही सरकार छात्रों के आंदोलन के आगे झुकी और उनकी मांगें मानी। अब यूपीएससी की परीक्षा एक दिन और एक शिफ्ट में ही होगी। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर छात्रों की मांगे मानी गई हैं। तो फिर लाठीचार्ज से पहले पहल क्यों नहीं की गई थी ?

दरअसल बीजेपी का पहला प्रयास डंडे के जोर पर आंदोलन को तुड़वाना होता है। जब समझ में आ जाता है कि मांगें न मानी गई तो फिर राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। फिर आंदोलनकारियों की बात मान ली जाती है। ऐसा ही किसान आंदोलन में हुआ था। यूपी विधानसभा चुनाव को देखते हुए किसानों की मांगें मान ली गई थी। ऐसे ही अब जब 9 विधानसभा सीटों पर उप चुनाव चल रहा है तो किसानों का आंदोलन उग्र होता देख उनकी मांग मान ली गई है।

देखने की बात यह है कि यह बात बीजेपी भी जानती है कि छात्रों के आंदोलन को जनांदोलन बनते देर नहीं लगती है। बीजेपी को भी ज्ञात है कि जब छात्रों के आंदोलन को प्रख्यात समाजवादी लोकनायक जयप्रकाश का साथ मिला था और उस आंदोलन ने जन आंदोलन का रूप ले लिया था। सत्तर के दशक में छात्रों के आंदोलन से शुरू हुए आंदोलन ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। आज की तारीख में छात्र आंदोलन करते रहें। लाठी डंडे खाते रहें। किसी को कुछ फर्क नहीं पड़ता। प्रयागराज में यूपीएससी के आंदोलित छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया तो नेताओं के बयान जरूर उनके पक्ष में आये पर सड़कों पर किसी पार्टी के कार्यकर्ता नहीं उतरे।

सरकार उनकी सुनने को तैयार नहीं थी। विपक्ष की भूमिका में राजनीति कर रहीं मायावती पूरी तरह से केंद्र सरकार के दबाव में हैं। अखिलेश यादव ने भी मायावती की राजनीति करने का तरीका अपना लिया है। चौधरी चरण सिंह की पार्टी राष्ट्रीय लोकदल के कर्णधार जयंत चौधरी तो सत्ता के साथ हैं। उनसे डॉ. लोहिया की विचारधारा की उम्मीद तो नहीं की जा सकती थी कि अपने ही गठबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल देते।

आंदोलनकारी नेता के रूप में दंभ भरने वाले चंद्रशेखर आजाद ने भी इन छात्रों की सुध नहीं ली। छात्रों ने अपने दम पर सरकार को झुकाया। ऐसी ही कुछ स्थिति कांग्रेस की है। योगी आदित्यनाथ भला छात्रों की मांग मानकर तब छोटे हो जाते पर अब छोटे नहीं हुए।

दरअसल बीजेपी ने मीडिया को हाईजैक कर देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि आंदोलन को लोग विपक्ष के रूप में लेने लगते हैं। नहीं तो यूपीएससी परीक्षा में जिस तरह से पर्चे लीक होते रहे और जिस तरह से छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है तो फिर लोग योगी सरकार को कटघरे में क्यों नहीं खड़े हो रहे थे ? क्यों नहीं विपक्ष को नसीहत दे रहे थे। क्या आजाद भारत में भी देश के नौनिहालों पर लाठीचार्ज होता रहेगा ? छात्रों के इस आंदोलन में क्या योगी आदित्यनाथ का गैर जिम्मेदाराना रवैया नहीं थे। यह बात जगजाहिर है कि डंडे दे दम पर ज्यादा दिन तक किसी आवाज दबाया नहीं जा सकता है। योगी आदित्यनाथ को यह समझ में आ गया कि यदि इन छात्रों को कोई जेपी मिल गया तो न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि केंद्र सरकार के लिए भी दिक्कत खड़ी हो सकती है।

आज की तारीख में योगी आदित्यनाथ का बटेंगे तो कटेंगे का नारा बहुत गूंज रहा है। भले ही सीएम योगी और पीएम मोदी समाजवाद के प्रणेता डॉ. लोहिया की विचारधारा की दुहाई देते रहे हों पर छात्रों पर लाठीचार्ज होने का विरोध करने की किसी बीजेपी नेता में हिम्मत नहीं हुई। छात्रों के आंदोलन ने बड़ा रूप ले लिया तो उप चुनाव में नुकसान होने के अंदेशे के चलते छात्रों की मांग मान ली।

राजनीति में गद्दार गाली है या उपाधि?

-राकेश अचल-

इन दिनों देश में विकास का रथ थमा हुआ है, चौतरफा केवल और केवल राजनीति हो रही है। लगता है कि ये देश राजनीति के बिना प्रगति कर ही नहीं सकता। पक्ष -विपक्ष में मुद्दों की बात नहीं हो रही बल्कि दोषारोपण हो रहे है। सब -मतदाताओं को भयभीत करने में लगे हैं। एक-दूसरे को हौवा बताने में लगे हैं। इस बीएच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गद्दार शब्द पर आपत्ति की है। और आज का विमर्श यहीं से शुरू होता है कि क्या राजनीति में गद्दार शब्द गाली है या उपाधि?

गद्दार एक अरबी शब्द है लेकिन हम हिन्दुस्तानियों की जुबान पर ऐसा चढ़ा है की हिंदी के द्रोही शब्द को भी खा गया। मुझे लगता है कि देश में गद्दार शब्द का इस्तेमाल मुगलों के भारत में आने के बाद शुरू हुआ होगा। गद्दार संज्ञा है, विशेषण है या और कुछ ये तो शब्दों का सफरनामा लिखने वाले हमारे दोस्त बता सकते हैं या दूसरे विद्वान। मुझे तो केवल इतना लगता है कि गद्दार कलिकाल में एक गाली है उन लोगों के लिए जिन्होंने लोगों के विश्वास को तोड़ा यानी विश्वासघात किया। तमाम सिद्धांतों, विचारों और नैतिकताओं का परित्याग कर अपनी सियासी बल्दियत बदली और वो भी बेशर्मी के साथ।

महाराष्ट्र के चुनावी माहौल में गद्दार शब्द को चर्चित किया है सूबे के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने। आप जानते हैं कि एकनाथ शिंदे ने बाला साहब ठाकरे की शिवसेना को भाजपा के सहयोग से दो टुकड़ों में बाँट दिया, इसलिए उन्हें मूल शिवसेना के कार्यकर्ता गद्दार कहते हैं और मानते भी हैं। मुंबई में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का काफिला चांदीवली विधानसभा क्षेत्र में जब कांग्रेस के नेता नसीम अहमद खान के दफ्तर से बाहर से निकला तो कुछ कार्यकताओं ने गद्दार-गद्दार कहकर नारेबाजी है। शिंदे को इस नारेबाजी से गुस्सा आया। वह काफिले को रोककर नीचे उतरे और सीधे कुछ ही दूरी पर स्थित कांग्रेस नेता के दफ्तर में पहुंच गए। एकनाथ शिंदे ने नसीम खान के दफ्तर में मौजूद पदाधिकारियों से कहा कि आप कार्यकताओं को यही सिखाते हैं?

गद्दार शब्द को लेकर शिंदे का गुस्सा जायज है या नाजायज इसका फैसला महारष्ट्र की जनता हम और आप से ज्यादा बेहतर कर सकती है और शायद करेगी भी। लेकिन हमने ये शब्द अपने छात्र जीवन में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की कहानी पढ़ते हुए पहली बार सुना था। इतिहास कहता है कि प्रथम स्वतांत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का झंडा उठाने वाले झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ तत्कालीन ग्वालियर रियासत के शासकों ने गद्दारी की थी। रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेजों से लड़ते हुए जब झांसी से ग्वालियर पहुंचीं तो वहां के शासक सिंधिया अपनी राजधानी छोड़कर चले गए थे। गद्दारी की इस कथित लेकिन ऐतिहासिक घटना को सुभद्रा कुमारी चौहान ने आजादी के बाद एक कविता लिखकर जन-जन में चर्चित कर दिया। उनकी कविता की कुछपंक्तियाँ एक तरह से कहावत में तब्दील हो गयी। कालांतर में मैंने भी गद्दार शीर्षक से एक उपन्यास लिख डाला। उपन्यास हॉटकेक की तरह खूब बिका भी। राजनीति में ताजा घटनाक्रम ने गद्दार शब्द को एक बार फिर से पुनर्जीवित कर दिय। महाराष्ट्र से पहले मध्यप्रदेश में ग्वालियर के सिंधिया राजवंश के ही मौजूदा प्रतिनिधि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने कटक के साथ 2020 में कांग्रेस से विद्रोह कर अपने ऊपर गद्दार का तमगा खुद चस्पा कर लिया। ज्योतिरादित्य सिंधिया को शायद गद्दारी की प्रेरणा अपनी दादी श्रीमंत विजयाराजे सिंधिया से मिली। राजमाता ने 1967 में मप्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार कि साथ गद्दारी की थी।

किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता सोशल मीडिया

-डॉ. सत्यवान सौरभ

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि सरकार 16 साल से कम उम्र के लोगों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाएगी। वास्तव में पूरी दुनिया में किशोरों की सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया पर आयु प्रतिबंध लगाने के संभावित लाभ और नुकसान, साथ ही संभावित अनपेक्षित परिणामों पर विचार करना होगा। क्या ऐसे प्रतिबंध मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करने, हानिकारक सामग्री के संपर्क को कम करने और विकासशील दिमागों की रक्षा करने में मदद कर सकते हैं।

किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रभाव ने वैश्विक स्तर पर गंभीर चिंताएँ पैदा की हैं, इस बात पर बहस चल रही है कि क्या आयु प्रतिबंध इसके संभावित नुकसानों को प्रभावी ढंग से दूर कर सकते हैं या अनपेक्षित परिणामों को जन्म दे सकते हैं। साथियों के साथ बातचीत और समुदाय निर्माण की सुविधा देता है, सामाजिक कौशल विकास में सहायता करता है। प्यू रिसर्च (2023) ने पाया कि 71% किशोर सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। युवाओं को पहचान तलाशने और खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सोशल मीडिया इंटरनेट साइट्स और ऐप्स के लिए एक शब्द है जिसका उपयोग आप अपने द्वारा बनाई गई सामग्री को साझा करने के लिए कर सकते हैं। सोशल मीडिया आपको दूसरों द्वारा पोस्ट की गई सामग्री पर प्रतिक्रिया देने की सुविधा भी देता है। इसमें दूसरों द्वारा पोस्ट की गई तस्वीरें, टेक्स्ट, प्रतिक्रियाएँ या टिप्पणियाँ और जानकारी के लिंक शामिल हो सकते हैं।

सोशल मीडिया साइट्स के भीतर ऑनलाइन शेयरिंग कई लोगों को दोस्तों के संपर्क में रहने या नए लोगों से जुड़ने में मदद करती है और यह अन्य आयु समूहों की तुलना में किशोरों के लिए अधिक महत्त्वपूर्ण हो सकता है। दोस्ती किशोरों को समर्थित महसूस करने में मदद करती है और उनकी पहचान बनाने में भूमिका निभाती है। इसलिए, यह सोचना स्वाभाविक है कि सोशल मीडिया का उपयोग किशोरों को कैसे प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया बहुत से किशोरों के दैनिक जीवन का एक बड़ा हिस्सा है। कितना बड़ा? 13 से 17 साल के बच्चों पर 2024 में किए गए एक सर्वेक्षण से इसका सुराग मिलता है। लगभग 1, 300 प्रतिक्रियाओं के आधार पर, सर्वेक्षण में पाया गया कि 35%

किशोर दिन में कई बार से ज्यादा पाँच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में से कम से कम एक का इस्तेमाल करते हैं। पाँच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं: यूट्यूब, टिकटोक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट। सोशल मीडिया सभी किशोरों को एक जैसा प्रभावित नहीं करता है। सोशल मीडिया का उपयोग मानसिक स्वास्थ्य पर स्वस्थ और अस्वस्थ प्रभावों से जुड़ा हुआ है। ये प्रभाव एक किशोर से दूसरे किशोर में अलग-अलग होते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का प्रभाव चीजों पर निर्भर करता है।

यूनिसेफ की रिपोर्ट (2022) से पता चलता है कि सोशल मीडिया 62% किशोरों में आत्म-पहचान को बढ़ावा देता है। विशाल शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच सक्षम करता है, डिजिटल साक्षरता और कौशल को बढ़ाता है। लिंक्डइन और फेसबुक युवाओं के लिए डिजिटल कौशल पर कार्यशालाएँ प्रदान करते हैं। हाशिए के समूहों के लिए समर्थन और समझ पाने के लिए सुरक्षित स्थान बनाता है हल्ड (2022) ने सीमित सोशल मीडिया एक्सपोजर वाले युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों में 20% की कमी की रिपोर्ट की है। अनुचित या खतरनाक सामग्री के संपर्क को सीमित करता है, जिससे नकारात्मक प्रभावों के जोखिम कम होते हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (2023) ने पाया कि सोशल मीडिया का उपयोग साइबरबुलिंग के जोखिम को 30% तक बढ़ाता है। युवा उपयोगकताओं को लक्षित करने वाले शिकारी व्यवहार और शोषण के जोखिमों को कम करने में मदद करता है। नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन की 2023 की रिपोर्ट में युवाओं से जुड़े ऑनलाइन शोषण के मामलों में 15% की वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है। अत्यधिक स्क्रीन समय को नियंत्रित करता है, बेहतर स्वास्थ्य और ऑफलाइन जुड़ाव का समर्थन करता है। डिजिटल मीडिया पर दक्षिण कोरिया के नियम (2021) नाबालिगों में स्क्रीन की लत को सीमित करते हैं।

आयु सत्यापन प्रणाली जैसे आयु प्रतिबंधों के अनपेक्षित परिणाम अक्सर दरकिनार कर दिए जाते हैं, जिससे प्रतिबंधों को लागू करना मुश्किल हो जाता है। यू.के. के अध्ययन (2022) से पता चलता है कि 30% किशोर न्यूनतम प्रयास से आयु जाँच को दरकिनार कर देते हैं। आयु प्रतिबंध डिजिटल शिक्षा को सीमित कर सकते हैं, जिससे युवा ज़िम्मेदार ऑनलाइन बातचीत के लिए तैयार नहीं हो पाते। पहुँच को प्रतिबंधित करने से किशोर अलग-थलग पड़ सकते हैं, जिससे वे महत्त्वपूर्ण सामाजिक संवादों में शामिल नहीं हो पाते। यूनिसेफ (2023) ने पाया कि सोशल मीडिया समावेशिता में मदद करता है, खासकर हाशिए पर पड़े समूहों के लिए। प्रमुख प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध युवाओं को कम विनियमित, संभावित रूप से अधिक हानिकारक साइटों की ओर धकेल सकते हैं। प्रतिबंध वाले देशों में, किशोर कम सुरक्षा नियंत्रण वाले आला प्लेटफॉर्म की ओर मुड़ गए हैं, जिससे जोखिम बढ़ गया है। डिजिटल साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा दें युवाओं को सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए स्कूलों में व्यापक डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू करें।

फि नलैंड का मीडिया साक्षरता सप्ताह छात्रों को डिजिटल सुरक्षा और आलोचनात्मक सोच में प्रशिक्षित करता है। माता-पिता को अपने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग की निगरानी और मार्गदर्शन करने में मदद करने के लिए संसाधन प्रदान करें। 2017 चाइल्ड ऑनलाइन प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क डिजिटल मार्गदर्शन में माता-पिता की भूमिका पर जोर देता है। उम्र सम्बंधी प्रतिबंधों के बजाय हानिकारक सामग्री को प्रतिबंधित करने पर ध्यान केंद्रित करें, जिससे सुरक्षित और संयमित उपयोग की अनुमति मिले। जुआ और हिंसा जैसी सामग्री पर फ्रांस के 2022 के चुनिंदा प्रतिबंध पूर्ण प्रतिबंध के बिना युवाओं की रक्षा करते हैं। जबकि सोशल मीडिया पर उम्र सम्बंधी प्रतिबंध सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं, एक संतुलित दृष्टिकोण जो डिजिटल शिक्षा, माता-पिता की भागीदारी और लक्षित सामग्री विनियमन को जोड़ता है, किशोरों की सुरक्षा के लिए अधिक व्यावहारिक है, जबकि उन्हें जिम्मेदारी से सोशल मीडिया से लाभ उठाने की अनुमति देता है।

बहुत अधिक झूठ बोलने वाला व्यक्ति परेशान रहता है

ऊषा शुक्ला

आज का मनुष्य बड़ा अजीब सा हो गया हैं । उसे लगता है कि झूठ बोल कर-के मैं सामने वाले व्यक्ति को बेवकूफ बना रहा हूँ पर सच तो यह है कि वह खुद ही अपनी नजरों में बहुत बड़ा बेवकूफ बन रहा है ।हमें कभी भी बेवजह झूठ नहीं बोलना चाहिए ।झूठ बोलने वाला व्यक्ती है हर समय एक झूठी दुनिया में ही जीता है । उसका खाना पीना उठना बैठना सोना जागना यहाँ तक कि पूजा पाठ करना भी झूठ से शुरूआत होती है । आश्चर्य की बात है कि वह पूजा तो कर रहा है भगवान के पास ही बैठे हैं पर झूठ बोलना नहीं छोड़ रहा है क्या तमाशे चल रहा ।झूठ बोलने से व्यक्ति को डरना चाहिए । हम सभी जानते हैं कि भगवान हमारे झूठ को देख रहा है सुन रहा है पर फिर भी हम झूठ झूठ बोले चले जा रहे हैं क्यों ।झूठ बोलना अच्छी बात नहीं है पर फिर भी दिखाते हैं कि लोग बेवजह हर समय बस झूठ नहीं बोलते रहते हैं। जिससे वह झूठ बोल रहे हैं वह व्यक्ति जानता है कि मेरे सामने वाला व्यक्ति झूठ बोल रहा है फिर भी झूठा व्यक्ति बोले चले जा रहे हैं झूठी बातें कही जा रहे हैं पता नहीं क्यों । जो व्यक्ति हर समय झूठ बोलते हैं उसे लो रोगी कहते हैं । झूठ बोलने का कोई कारण होना चाहिए । अगर कोई मनुष्य बेवजह हर समय झूठ बोलता है तो उस पर कौन विश्वास करेगा और ऐसा व्यक्ति किसी सच्चे व्यक्ति पर भी विश्वास नहीं करता ।झूठ बोलने की बीमारी का नाम है मिथोमेनिया इसमें, झूठ बोलने का व्यवहार बहुत अधिक आवेगपूर्ण और लगातार होता है। मिथोमेनिया से पीड़ित व्यक्ति के लिए झूठ बोलना जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। सामान्य झूठ के विपरीत, व्यक्ति बिना किसी उद्देश्य या रुचि के लगातार झूठ बोलता है और ज्यादातर अपने द्वारा बोले गए झूठ पर विश्वास करता है ।झूठ बोलने वाले व्यक्ति को यह पृथ्वी और भगवान कभी क्षमा नहीं करते, बल्कि झूठ बोलने वाला व्यक्ति स्वयं झूठ बोल-बोल कर थक जाता है और वह खुद को बोझिल महसूस करता है ।शास्त्रों में वर्णित है कि जहां व्यक्ति को झूठ बोलने की नौबत आए, वहां उसे मौन धारण कर लेना चाहिए। कपटी, झूठा व दूसरे की निंदा करने वाला व्यक्ति ईश्वर को तो क्या मनुष्यों को भी पसंद नहीं होते। बनावटी व्यवहार करने वाला मनुष्य भी खुद ही परेशान हो जाता है। स्पष्टवादी व्यक्ति की बातें बेशक कड़वी लगती हों, लेकिन इन बातों से कोई पछतावा नहीं रहता। भागवत के अनुसार चित स्वरूप शक्तिशाली जगत के ईश्वर कण-कण में विराजते है। वर्तमान युग में हर कोई भगवान की तलाश में भटकता फिर रहा है। भगवान की शरण में जाने के लिए किसी तलाश की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वह तो संसार में हर जगह विद्यमान है। सभी वस्तुओं में भगवान के दर्शन करना ही उच्च कोटि की भक्ति है। झूठ बोलना पाप नहीं है जब आप देख रहे सामने वाला चोर या गुंडा है,या आपका अहित कर सकता है । पता चला सामने वाला आपसे आपके अकाउंटेंट नम्बर, एटीएम मांग रहा है आप ऐसा कानून हैं की सच बोलो तब तो आपका सारा पैसा गया न।एक रोगात्मक झूठा व्यक्ति न केवल बार-बार झूठ बोलता है, बल्कि ऐसा करने के लिए मजबूर भी महसूस कर सकता है। रोगात्मक झूठ बोलने वाले लोग तब भी झूठ बोलना बंद नहीं कर पाते, जब इससे उन्हें मनोवैज्ञानिक परेशानी होती है, उन्हें खतरे में डालती है, और रिश्तों, काम या दैनिक जीवन के अन्य पहलुओं में समस्याएँ पैदा होती हैं लेकिन आप ऐसे किसी व्यक्ति को क्या कहेंगे? कोई ऐसा व्यक्ति जो बेईमान और अविश्वसनीय हो, और कम से कम बहुत चालाकी से काम करने की कोशिश कर रहा हो। शायद एक रोगग्रस्त झूठा। शायद एक समाज विरोधी। शायद (दुख की बात है, लेकिन यह सबसे अच्छा मामला है) गहराई से भ्रमित । जो भी मामला हो, आप उनकी मदद नहीं कर सकते और वे कभी नहीं बदलेंगे, इसलिए इस पागलपन से दूर हो जाओ। झूठ बोलने वाला व्यक्ति नर्क में जाता हैं – जो व्यक्ति बहुत ज्यादा झूठ बोलता है उसे "रोगात्मक झूठा" कहा जा सकता है। बेईमानी एक अच्छी आदत नहीं है, लेकिन यह हमेशा रोगात्मक झूठ की परिभाषा में फिट नहीं बैठती । रोगात्मक झूठ बोलने वाले लोग अक्सर जीवन में कभी तरक़्क़ी नहीं कर पाते हैं । एक सच को छिपाने के लिए मनुष्य को बहुत झूठ बोलने पड़ते हैं और फिर वह झूठ पर झूठ झूठ पर झूठ बोलता चला जाता है और उनकी कहानियां बढ़ती चली जाती है। झूठ बोलने वाला व्यक्ति भूल जाता है कि उसमें थोड़ी देर पहले क्या बोला था और वह जो आस पास सुनता है उसी चीज को दोहराता है और वही कहानी बनाता है।

भारत की आर्थिक प्रगति में समाज से अपेक्षा

-प्रहलाद सबनानी-

विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाकर आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से हो रहा है। पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं। रोजगार की उपलब्धता में कमी के चलते समाज में कई प्रकार की बुराईयां जन्म लेने लगती हैं क्योंकि यदि किसी नागरिक के पास रोजगार ही नहीं होगा तो वह अपनी भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है। पूंजीवाद की नीतियों के अनुपालन के चलते वर्तमान में विश्व के कई देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो रहा है। परंतु, प्राचीनकाल में भारत में उपयोग में लाए जा रहे आर्थिक मॉडल को अपनाए जाने के कारण भारत में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध रहता था। भारत में अतिप्राचीन काल से ग्रामीण क्षेत्र ही विकास के केंद्र रहते आए हैं। भारत का कृषि क्षेत्र तो विकसित था ही, साथ में, कुटीर उद्योग भी अपने चरम पर था। पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवसाय को आगे बढ़ाया जाता था। नौकरी शब्द तो शायद उपयोग में था ही नहीं क्योंकि परिवार के सदस्य ही अपने पुरखों के व्यवसाय को आगे बढ़ाने में रुचि लेते थे अतः भारत के प्राचीन काल में नागरिक उद्यमी थे। नौकरी को तो निकृष्ट कार्य की श्रेणी में रखा जाता था।

भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अतः प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत में आर्थिक विकास के साथ साथ मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है। परंतु, साथ में आय की असमानता की खाई भी चौड़ी हो रही है, क्योंकि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय तुलनात्मक रूप से तेज गति से बढ़ रही है। हालांकि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग, विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों, के लिए कई विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं और इसका असर भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। हाल ही के वर्षों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है।

भारत में आर्थिक प्रगति के चलते सम्पत्ति के निर्माण की गति भी तेज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023 के अंत में आयकर विभाग में जमा की गई विवरणियों के अनुसार, 230,000 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की बताया है। यह संख्या पिछले 10 वर्षों के दौरान 5 गुणा बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में 44,078 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की घोषित किया था। उक्त आंकड़ों में वेतन पाने वाले नागरिकों का प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 52 प्रतिशत रहा है, वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह 49.2 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह प्रतिशत 51 प्रतिशत था। इस प्रकार एक करोड़ रुपए से अधिक का वेतन पाने वाले नागरिकों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं आया है। जबकि व्यवसाय करने वाले नागरिकों की आय और अधिक तेज गति से बढ़ी है। 500 करोड़ रुपए से अधिक की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में समस्त करदाता व्यवसायी हैं। 100 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में 262 व्यवसायी हैं एवं केवल 19 वेतन पाने वाले नागरिक हैं। भारत के एक प्रतिशत नागरिकों के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति है। अतः देश में आय की असमानता स्पष्टतः दिखाई दे रही है।

एक अनुमान के अनुसार यदि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवार की आय में 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह केवल 10 रुपए का खर्च करता है एवं 90 रुपए की बचत करता है जबकि एक गरीब परिवार की आय में यदि 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह 90 रुपए का खर्च करता है एवं केवल 10 रुपए की बचत करता है। इस प्रकार किसी भी देश को यदि उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि करना है तो गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध करानी होगी। जबकि विकसित देशों एवं अन्य देशों में इसके ठीक विपरीत हो रहा है, उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है जिसके चलते कई विकसित देशों में आज उत्पादों की मांग बढ़ने के स्थान पर कम हो रही है और इन देशों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर बहुत कम हो गई है तथा इन देशों की अर्थव्यवस्था में आज मंदी का खतरा मंडरा रहा है।

उक्त परिस्थितियों के बीच वैश्विक पटल पर भारत आज एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रहा है। भारत में आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के आसपास आ गई है और इसे यदि 10 प्रतिशत के ऊपर ले जाना है तो भारत में ही उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करनी होगी इसके लिए गरीब वर्ग की आय में वृद्धि करने सम्बंधी उपाय करने होंगे तथा रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने होंगे। प्राचीनकाल में भारत में उपयोग किए जा रहे आर्थिक दर्शन को एक बार पुनः देश में लागू किए जाने की आवश्यकता है। आज भारत में शहरों को केंद्र में रखकर विकास की विभिन्न योजनाएं (स्मार्ट सिटी, आदि) बनाई जा रही है, जबकि, आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है। इसलिए भारत को पुनः ग्रामों की ओर रूख करना होगा। न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि ग्रामीण इलाकों में कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना की जानी चाहिए जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और इन स्थानों पर उत्पादित की जा रही वस्तुओं के लिए बाजार भी ग्रामीण इलाकों में ही विकसित हो सकें। लगभग 50 गावों के क्लस्टर विकसित किए जा सकते हैं, इन इलाकों में निर्मित उत्पादों को इस क्लस्टर में ही बेचा जा सकता है और यदि इन इलाकों के स्थित कुटीर एवं लघु उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो उसे आस पास के अन्य क्लस्टर एवं शहरों में बेचा जा सकता है। इससे स्थानीय स्तर पर ही उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलेगा एवं रोजगार के अवसर निर्मित होने से ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे परिवारों के शहरों की ओर पलायन को भी रोका जा सकेगा। अंततः इससे शहरों के बुनियादी ढांचे पर लगातार बढ़ रहे दबाव को भी कम किया जा सकेगा।

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति की यह विशेषता रही है कि समाज में निवास कर रहे गरीब वर्ग के नागरिकों की सहायता के लिए सक्षम समाज हमेशा से ही आगे रहता आया है। यह सेवा कार्य विभिन्न मंदिरों, मट्ठ, सामाजिक संस्थाओं, सांस्कृतिक संस्थाओं एवं न्यासों द्वारा सफलता पूर्वक किया जाता रहा हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में प्रतिदिन लगभग 10 करोड़ नागरिकों के लिए अन्न क्षेत्रों में भोजन प्रसादी उपलब्ध कराई जाती है। इसी प्रकार कई सामाजिक, सांस्कृतिक एवं न्यासों द्वारा अस्पताल चलाए जाते हैं, जहां मुफ्त अथवा बहुत ही कम कीमत पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कुछ संस्थानों द्वारा स्कूल भी चलाए जाते हैं जहां गरीब वर्ग के बच्चों को शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। इस प्रकार समाज के गरीब वर्ग को यदि भोजन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाएं मुफ्त अथवा कम कीमत पर उपलब्ध हो सकती हैं तो उनके द्वारा अर्जित की जा रही आय को अन्य उत्पादों को खरीदने में उपयोग किया जा सकता है जिससे अंततः विभिन्न उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

एक नजर

न्यायमूर्ति सूर्यकांत होगें सर्वोच्च न्यायालय लीगल सर्विसेज कमेटी के नए अध्यक्ष : इरम हसन

करनाल, (विसु)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी इरम हसन ने बताया कि न्यायमूर्ति सूर्यकांत को सर्वोच्च न्यायालय लीगल सर्विसेज कमेटी (एससीएलएससी) के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत (एससीएलएससी) को मनोनीत भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना द्वारा किया गया है। इस आशय की अधिसूचना 12 नवंबर, 2024 को आधिकारिक राजपत्र में नालसा द्वारा प्रकाशित की गई थी। इससे पहले यह पद न्यायमूर्ति बी. आर. गवई के पास था, जिन्हें हाल ही में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी इरम हसन ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति सभी के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर पड़े और वंचित वर्गों के लिए, उन्हें देश के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचने में वित्तीय या सामाजिक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

चंडीगढ़ में हरियाणा को नए विधान भवन के लिए जगह देने का पंजाब भाजपा अध्यक्ष ने जताया विरोध

- प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने केन्द्र सरकार से पुनर्विचार का किया आग्रह

चंडीगढ़। केंद्र सरकार की ओर से चंडीगढ़ में हरियाणा को नई विधानसभा के भवन के निर्माण के लिए जमीन दिए जाने का क्लीयरेंस के बाद दोनों राज्यों की सियासत गरमा गई है। पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की सरकार के बाद अब पंजाब भाजपा के अध्यक्ष ने भी इस फैसले के विरोध जताया है। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि चंडीगढ़ उनके लिए जमीन का टुकड़ा नहीं है। इससे लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब को अतीत में मिले घावों पर मरहम लगाने के लिए प्रधानमंत्री ने कई प्रयास किए हैं, लेकिन हरियाणा को चंडीगढ़ में नया विधानसभा भवन के लिए अलग जगह अलॉट करने से लोगों को ठेस पहुंचेगी। उन्हें इस फैसले पर दोबारा विचार करना चाहिए। उन्होंने इस बारे में अपने सोशल मीडिया के अकाउंट पर इस बारे में एक पोस्ट कर अपनी राय रखी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जाखड़ ने इस मामले में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी घेरा। जाखड़ ने कहा कि जिस मुद्दे पर पंजाब की सभी पार्टियां एकमत थीं, उस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जयपुर में मौजूद रहने के दौरान आमआदमी पार्टी के मुख्यमंत्री की समझदारी की कमी के कारण चंडीगढ़ और पंजाब का दावा कमजोर हो गया है। नॉर्थ जोनल काउंसिल की बैठक में हरियाणा ने विधानसभा के लिए यह जमीन जब मांगी थी तब पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका विरोध करने की बजाय पंजाब विधानसभा के लिए जमीन मांग कर अपनी मांग पर मुहर लगा दी। जाखड़ ने सवाल उठाया कि पंजाब के नौसिखिए मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा इस मुद्दे पर पंजाब विरोधी सजा पंजाब के लोगों को क्यों चुकानी चाहिए।

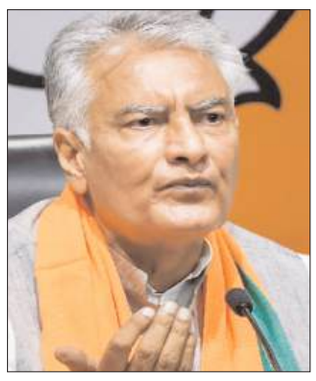

गुरुपर्व मनाने के लिए 763 भारतीय श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान रवाना

- पाकिस्तान उच्चायोग से 1481 तीर्थ यात्रियों का वीजा रद्द किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण

चंडीगढ़। भारतीय सिख श्रद्धालुओं का एक जत्था गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश उत्सव पर्व को मनाने के लिए गुरुवार को अटारी-बाघा बार्डर के रास्ते पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ। यह जत्था 10 दिन बाद 23 नवंबर को भारत लौटेगा। पंजाब समेत भारत के अलग-अलग राज्यों से आए हुए 763 श्रद्धालु सतनाम वाहेगुरु के जयकारों के बीच रवाना हुए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सचिव सरदार प्रताप सिंह ने बताया कि 2244 तीर्थ यात्रियों के पासपोर्ट दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग को भेजे गए थे, जिनमें से दूतावास ने 763 तीर्थ यात्रियों को वीजा जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि दूतावास की ओर से 1481 तीर्थ यात्रियों को वीजा नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में सिख तीर्थ यात्रियों का वीजा रद्द किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जत्थे का नेतृत्व शिरोमणि कमेटी के सदस्य ने गुरनाम सिंह जसल कर रहे हैं, जबकि जत्थे के उपनेता शिरोमणि कमेटी के सदस्य बीबी शरणजीत कौर और जनरल मैनेजर के तौर पर प्रभारी पलविंदर सिंह और गुरुमीत सिंह हैं।

सम्मेलन कक्ष उद्घाटन एवं बाल दिवस कार्यक्रम

- जन सामान्य भी सीखे सांकेतिक भाषा : बंडारू दत्तात्रेय
- बधिर विद्यार्थियों से किया संवाद, मांगों पर कार्यवाही का भरोसा

करनाल, (विसु)। हरियाणा के राज्यपाल एवं हरियाणा श्रवण एवं वाणी निशक्त जन कल्याण समिति के अध्यक्ष बंडारू दत्तात्रेय ने लोगों से अपील की है कि वे भी सांकेतिक भाषा (साइन लैंग्वेज) सीखें। इससे उन्हें बधिरों के साथ संवाद करने में आसानी होगी और बधिक भी खुद को समाज से जुड़ा महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि साइन लैंग्वेज विश्वविद्यालय स्तर पर भी शुरू होनी चाहिये। राज्यपाल ने आज यहां बधिरों के साथ संवाद भी किया और उन द्वारा रखी गई मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने समिति द्वारा संचालित करनाल केंद्र के बच्चों को भी भ्रमण पर ले जाने के निर्देश उपायुक्त तथा उपाध्यक्ष एवं चेयरपर्सन को दिये।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आज यहां माता प्रकाश कौर श्रवण एवं वाणी निशक्त जन कल्याण केंद्र में आयोजित सम्मेलन कक्ष उद्घाटन एवं बाल दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने केंद्र में करीब 25 लाख रुपये की लागत से बने सम्मेलन कक्ष का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि वे आज बाल दिवस पर देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल की जयंती पर भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। पंडित नेहरू को बच्चों के प्रति अपार स्नेह और प्यार था। बच्चों के प्रति ऐसी भावना हर व्यक्ति में होनी चाहिये।

उन्होंने बधिर बच्चों को पूरी निष्ठा से पढ़ाने के लिये केंद्र के शिक्षकों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। साथ ही कहा कि बधिर भी समाज के अंग हैं। उनके साथ हर किसी को अपनत्व का व्यवहार करना चाहिये। राज्यपाल ने बताया कि उन्होंने भी 1980 में राजनीति में प्रवेश के वक्त दिव्यांगों की मांगों को लेकर आवाज उठाई थी। कहा कि दिव्यांगों को ईश्वर भी अतिरिक्त शक्ति देता है। राज्यपाल ने सांकेतिक भाषा लैब की शुरूआत करने के लिये समिति के गुडगांव केंद्र की सराहना की। साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सांकेतिक भाषा को एक भाषा विषय के रूप में मान्यता देकर लोगों से इसे सीखने का आह्वान करने के लिये उनका आभार जताया। उन्होंने बधिर विद्यार्थियों से नई प्रौद्योगिकी से जुडे और कौशल को बढ़ाने का आह्वान किया। उम्मीद जताई कि वे एक दिन पैरों पर खड़े होकर अवश्य दूसरों को रोजगार प्रदान करने वाले बनेंगे। श्री दत्तात्रेय ने समिति के करनाल केंद्र की डिजीटल लैब की प्रशंसा करते हुये कहा कि छात्र-छात्रायें इससे जुडकर दुनिया को देख सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि पिछले दिनों पैरालिंपिक खेलों में 9 में से चार पदक हरियाणा के खिलाड़ियों द्वारा जीतना गर्व की बात है। बधिरयुवाओं को भी खेलों के साथ-साथ फाइन आर्ट, क्राफ्ट जैसे विषयों को अपनाकर और आगे बढ़ा चाहिये।

बधिरों से सीधा संवाद

कार्यक्रम में राज्यपाल ने बधिर विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया और उन द्वारा पूछे गये सवालों को जवाब दिया। पांचवी की राशी ने राज्यपाल से कहा कि उन्हें भी अन्य केंद्रों के विद्यार्थियों की तरह भ्रमण पर ले जाने की सुविधा प्रदान की जाये। इस पर राज्यपाल ने उपायुक्त और समिति की उपाध्यक्ष एवं चेयरपर्सन को इस बारे में जरूरी निर्देश दिये। नौवीं की रिया और 11 वीं के पीयूष ने खेलों के लिये कोच नियुक्त करने, आठवीं के कार्तिक ने कुकिंग कोर्स और नैन्सी ने फाइन आर्ट्स के कोर्स आरंभ करने, कृष्ण ने 11-12वीं के विद्यार्थियों के लिये होस्टल सुविधा उपलब्ध कराने और अंजलि ने कौशल विकास संबंधी कोर्स शुरू करने की मांग रखी। इस पर राज्यपाल ने उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने भी विद्यार्थियों से पढ़ने व रहने संबंधी समस्या की जानकारी ली। साथ ही पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिये कौन सा अच्छा काम किया है? इस पर छात्र कृष्ण ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने और देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम(सीएए) लागू करने की बात कही। इस अवसर पर उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि आज का दिन इसलिये भी खास है कि इस केंद्र की शुरू आज 14 नवंबर 1987 में महज 9 छात्रों से की गई थी। आज इस केंद्र में करीब 200 विद्यार्थी हैं। शिक्षा सत्र 2023-24 में यहां के विद्यार्थियों का दसवीं और बारहवीं का परिणाम सौ फीसद रहा। यहां छात्रावास, साइन लैंग्वेज लैब, शिक्षण भवन, कर्मचारियों के लिये स्टाफ क्वार्टर की सुविधा भी है। केंद्र बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिये निरंतर गतिविधियों का आयोजन करता रहता है। साथ ही संस्था के लिये दान देने वालों का आभार जताया। उपाध्यक्ष एवं चेयरपर्सन मेघा भंडारी ने समिति की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हरियाणा श्रवण एवं वाणी निशक्तजन कल्याण समिति प्रदेश में लगातार बेहतरीन कार्य कर रही है। दिव्यांग बच्चे लगातार शिक्षा और अन्य गतिविधियों में बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। खेलों में भी इन दिव्यांग बच्चों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि बच्चों की कुछ मांगें हैं, जो समय-समय पर उनके समक्ष उठाई जाती हैं। उन्हें आपके मार्गदर्शन में निरंतर पूरा करने का प्रयास किया जाता है। इस मौके पर करनाल, हिसार, गुरुग्राम और सिरसा के बधिर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों का सम्मानित किया। इस मौके पर उपायुक्त उत्तम सिंह, एसपी गंगा राम पूनिया, एसडीएम अनुभव मेहता, जिला भाजपा अध्यक्ष बृज भूषण, पूर्व मेयर रेणु बाला गुप्ता, पूर्व मंत्री शशि पाल मेहता, भाजपा नेता प्रवीण लाठर, नवीन, अशोक भंडारी, गुरु ग्राम केंद्र की सहायक निदेशक डॉ. सीमा आदि मौजूद रहे।

विस्तार शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

करनाल, (विसु)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत विस्तार शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी में कृषि विकास में विस्तार अधिकारियों के लिए संचार एवं मीडिया कौशल विषय पर चल रहे चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हुआ। समापन समारोह की अध्यक्षता संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डा. संजय कुमार ने की। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया के माध्यम से किसानों तक नवीन तकनीकों, सरकारी योजनाओं, मौसम की जानकारी, बिमारियों की रोकथाम इत्यादि विषयों की जानकारी बड़ी तीव्रता से पंहुचाई जा सकती है। तकनीक हस्तांतरण करने में मीडिया का अहम योगदान है, क्योंकि मीडिया के माध्यम से नवीन तकनीकों की जानकारी देकर किसानों को इन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसके साथ-साथ सोशल मीडिया पर वीडियो सामग्री के माध्यम से विस्तार अधिकारी सूचनाओं को प्रभावशाली तरीके से किसानों तक पंहुचा सकते हैं। प्रगतिशील किसानों की सफलता की कहानी के माध्यम से अन्य किसानों को भी उन्नत तकनीकें अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विस्तार कार्यक्रमों में वीडियो सामग्री का प्रयोग करने हेतु विस्तार अधिकारियों को वीडियो निर्माण का प्रशिक्षण अनिवार्य है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से कृषि विस्तार अधिकारियों को संचार एवं विभिन्न मीडिया कौशल की जानकारी दी गई है।

इस दौरान डा. कुमार ने बताया कि यह संस्थान वाईस-चांसलर प्रोफेसर बी. आर. कांबोज, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेतृत्व में उत्तर भारत के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के कृषि, उद्यान, पशु-पालन, मत्स्य पालन, वानिकी, महिला एवं बाल विकास इत्यादि विभागों के विस्तार अधिकारियों को प्रशिक्षण देने का काम कर रहा है। उन्होंने विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल का भी धन्यवाद किया। प्रशिक्षण संयोजक डा. अजय कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड एंव पंजाब के विस्तार अधिकारियों ने हिस्सा लिया है। प्रशिक्षण के दौरान विस्तार अधिकारियों को एनडीआरआई, करनाल का भ्रमण भी करवाया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न संस्थानों से व्याख्यानों के लिए विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया था जिन्होंने प्रशिक्षण विषय संबधी व्याख्यान दिए। समापन कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान संस्थान के सभी कर्मचारी एवं प्रतिभागी मौजूद रहे।

सोच समझ कर रास्ता चुने, किसी दबाव से नहीं, अपनी रुचि के मुताबिक करियर चुने: एडीसी यश जालुका

करनाल, (विसु)। एडीसी यश जालुका ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है। जिसका उद्देश्य देश में स्टार्टअप और नये विचारों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। जिससे देश का आर्थिक विकास हो एवं बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न हों। सरकार द्वारा स्टार्टअप शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती हैं। एडीसी यश जालुका गुरुवार को डॉ. मंगल सेन सभागार में स्कूल के बच्चों के लिए आयोजित मोटिवेशनल टॉक के दौरान बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने बच्चों द्वारा पूछे प्रश्नों के जवाब दिए। इस टॉक में मोटिवेशनल स्पीकर्स के द्वारा भी स्टार्टअप व नई तकनीक से जुड़ी जानकारी भी साझा की। एडीसी ने कहा कि सोच समझ कर रास्ता चुने, किसी दबाव से नहीं बल्कि अपनी रुचि के मुताबिक करियर चुने। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जी का विजन है कि नौकरी करने वाले नहीं नौकरी देने वाले बने। इस विजन के तहत सरकार द्वारा स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए तरुण ,किशोर तथा शिशु आदि विभिन्न परियोजना चलाई जा रही हैं। जिनसे अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए लोन की सुविधा दी जाती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को जागरूक करने के लिए समय-समय पर स्कूल व कॉलेजों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जायेगे।

इस मौके पर असिस्टेंट कमिश्नर (अंडर ट्रेनी) योगेश सैनी ने कहा कि एडीसी यश जालुका के मार्गदर्शन में सरकारी स्कूलों में ये मुहिम चलाई जा रही है। इन कार्यक्रमों में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर मार्गदर्शन किया जाता है। इस मुहिम का उद्देश्य सरकारी स्कूल के बच्चों तक सरकार द्वारा चलाई स्कीम की जानकारी पहुंचाना हैं । उन्होंने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर डीईओ सुदेश ठुकराल, डीएमस छत्रपाल, डीसस दीपक, डीपीसी उर्वशी साहित अन्य मौजूद रहे।

बनभौरी मामले के मुख्य आरोपी की हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज की

हिसार। बरवाला थाना क्षेत्र के गांव बनभौरी में नवरात्रि पर लगने वाले मेले में ठेकेदार सतीश द्वारा अपनी दुकानों पर प्रसाद बेचने की दिहाड़ी पर बुलाए गए 11 प्रवासी मजदूरों के साथ हुई बर्बरता और अवैध वसूली का मामल प्रकाश में आया था। इस मामले में बरवाला थाने में दर्ज मुकदमे में मुख्य नामजद आरोपी ठेकेदार सतीश की पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में दायर अग्रिम जमानत याचिका को गुरुवार को खारिज कर दिया गया है। पीड़ित मजदूरों की तरफ से पैरवी कर रहे एडवोकेट बजरंग इंदल ने आज बताया कि ठेकेदार सतीश ने 14 अक्टूबर 2024 को भी अतिरिक्त सत्र न्यायालय में भी अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी, जिसे 18 अक्टूबर को एडीजे ईशा खत्री की कोर्ट से खारिज हो गई थी। जेल में बंद आरोपी बसाऊ की भी जमानत याचिका एडीजे डॉक्टर गगनदीप मित्तल की कोर्ट से खारिज हो चुकी है। एडवोकेट इंदल ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्य नामजद आरोपी की दो बार अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद पुलिस भी इस मामले की जांच में तेजी लाकर फरार चल रहे बाकी सभी आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए दबिश दे सकती है। पीड़ित प्रवासी मजदूरों की तरफ से आंदोलन चलाने वाले संतलाल अंबेडकर, अमित जाटव व प्रदीप यादव ने बताया कि गांव बनभौरी में नवरात्रि पर लगने वाले मेला की समाप्ति के बाद दिहाड़ी पर आए 11 प्रवासी मजदूरों ने ठेकेदार सतीश से अपनी दिहाड़ी मांगी थी।

पर्यावण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए नगर निगम गम्भीर, निगरानी के लिए टीमों का गठन कर फील्ड में उतारा, पानी का निरंतर छिडकाव करवाने के दिए निर्देश

- निर्माण स्थलों व सामग्री को कवर करवाना सुनिश्चित करें अधिकारी, न मानने पर करें चालान : डॉ. वैशाली शर्मा

करनाल, (विसु)। पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए नगर निगम गम्भीर है। इसे लेकर नगर निगम कार्यालय में निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में निगम अधिकारियों के अतिरिक्त, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व डीटीपी कार्यालय के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण की गाईडलाईन की सख्ताई से पालना करवाई जानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कार्यकारी अभियंता मोनिका शर्मा को निर्देश दिए कि शहर में सभी प्रकार के भवन जिनका क्षेत्र 500 वर्ग मीटर से अधिक है, को प्रदूषण विभाग के डस्ट कंट्रोल पोर्टल पर पंजीकरण करवाएं और इस कार्य को शीघ्र अति शीघ्र किया जाए। उन्होंने मुख्य नगर योजानकार धर्मपाल सिंह को निर्देश दिए कि शहर में जितने भी निर्माण स्थल हैं, उनमें प्रयुक्त होने वाली सामग्री जैसे बजरी, रेत, मिटट्टी, कोर्स सैंड व डस्ट इत्यादि को ढकवाना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त निमार्णाधीन भवन को भी ढका जाए। अगर कोई ऐसा नहीं करता तो सम्बंधित भवन मालिक का चालान किया जाए। इसके लिए कनिष्ठद अभियंता, सफाई निरीक्षक व भवन निरीक्षक की अलग-अलग टीमें बना दी गई हैं, जो गुरूवार से ही फील्ड में उतर गई हैं।

कूड़ा-कर्कट में न लगे आग- उन्होंने मुख्य सफाई निरीक्षक सुरेन्द्र चोपड़ा को निर्देश दिए कि शहर में कहीं

भी कूड़े-कर्कट में आग नहीं लगनी चाहिए। इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कहीं भी कूड़ा जमा न होने दें, इसके लिए सम्बंधित जोन इंचार्ज जिम्मेवार होंगे। उन्होंने सख्त निर्देश देते कहा कि कहीं भी आग लगने का मामला सामने नहीं आना चाहिए। पानी का करवाएं छिडकाव-उन्होंने कार्यकारी अभियंताओं को निर्देश दिए कि शहर के सभी मुख्य मार्गों व मार्किट क्षेत्रों में पानी का निरंतर छिडकाव करवाया जाए। कार्यकारी अभियंता ने बताया कि टैंकरों की सहायता से पानी का छिडकाव कार्य जारी है।

निगमायुक्त ने इसके अतिरिक्त स्मोग गन व वाटर स्प्रिंकलर खरीदने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम की शहर में जितनी भी परियोजनाएं चल रही हैं, सभी को पानी का छिडकाव करने के लिए कहें, ताकि धूल-मिट्टही हवा में न उठे।

सी एंड डी वेस्ट न दिखे- उन्होंने निर्देश दिए कि शहर में सडक पर कहीं भी निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्टद्द नहीं दिखना चाहिए। इसके लिए सभी अपने-अपने क्षेत्र में दौरा करें। अगर किसी ऐसा अपशिष्टद्द दिखाई दे, तो सम्बंधित व्यक्ति का चालान किया जाए। बैठक में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड करनाल के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेन्द्र अरोड़ा ने कहा कि शहर में कूड़ा-कर्कट फैलाने व जलाने वालों की जितने भी चालान किए जाएं, उनकी सूची भेजी जाए, ताकि उन्हें पोर्टल पर अपलोड किया जा सके। निगमायुक्त ने शहरवासियों तथा कूड़ा एकत्र करने वाले निजी लोग, कबाड़ी, दुकानदार या रेहड़ी-फड़ी वालों से अपील करते कहा कि कोई भी कूड़े-कर्कट, पॉलीथिन या प्लास्टिक इत्यादि वस्तुओं में आग न लगाए, इससे पर्यावरण प्रदूषित होता है। पर्यावरण प्रदूषित होने से कई तरह की बीमारियां होती हैं, जो सभी के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर की साफ-सफाई व पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए कटिबद्ध है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करता है, तो नगर निगम उसके विरूद्ध सख्ती से निपटेगा। उन्होंने कहा कि कूड़े में आग लगाने की सूरत में पांच से 25 हजार रुपये का चालान किया जाएगा और जो व्यक्ति चालान की राशि जमा नहीं करवाएगा, उसे दिल्ली स्थित एन.जी.टी. की कोर्ट में तारिख भुगतनी पड़ेगी।

एक नजर

घूस लेते महिला दारोगा धराई, विजलेंस की टीम ने रंगेहाथ धर दबोचा

वैशाली,संवाददाता। वैशाली जिले में एक बार फिर से खाकी बदनाम हुई है। हाजीपुर नगर थाना में तैनात एक महिला दरोगा को को पटना विजिलेंस की टीम ने 10000 रुपया रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल लंबे समय के बाद वैशाली जिले में विजलेंस की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला दारोगा को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि वैशाली जिले में एक महिला दरोगा किसी काम को लेकर एक व्यक्ति से 10 हजार रुपये रिश्वत ले रही थी। इसी दौरान मौके पर विजिलेंस की टीम पहुंच गयी और महिला दरोगा 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया है। महिला दरोगा का नाम डॉ पूनम कुमारी बताया जा रहा है जो जिला मुख्यालय के सबसे हॉट नगर थाने में तैनात थी। दरोगा ने किसी केस में काम को पूरा करने के लिए एक व्यक्ति से रिश्वत ली थी। जिसकी जानकारी विजिलेंस की टीम को मिल गई थी। विजिलेंस की टीम ने सूचना के आधार पर छापेमारी की महिला के पास से पैसे भी बरामद किए हैं। हालांकि इस दौरान महिला दरोगा बार-बार कहती रही कि उनसे कोई रिश्वत नहीं ली है। लेकिन, विजिलेंस की टीम ने उसकी एक नहीं सुनी और महिला दरोगा को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गयी।

सिवान : मां और बहन के साथ जा रहा था युवक,अपराधियों ने घेर कर मार दी गोली

सिवान,संवाददाता। सिवान में बेखौफ अपराधियों ने बीती देर शाम एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी। गोली लगते ही युवकी मौके पर मौत हो गई। घटना सिवान के गुठनी क्षेत्र की है जहां अपराधियों ने एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना के बाद लोगों ने उसे सदर अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गुठनी थाना क्षेत्र के बरपालिया निवासी देवेंद्र भगत के पुत्र चंदन कुमार के रूप में की गई। बताया जा रहा है कि मृतक अपनी मां और बहन के साथ कहीं जा रहे थे तभी बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें घेर कर गोली मार दी। गोली युवक के सर में लगी जिससे उसकी मौत मौके पर ही हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और गुठनी दरौली मार्ग पर बरपालिया के समीप सड़क जाम कर दिया। लोगो ने अपराधी की हत्या के आरोपी की मांग की मांग कर रहे थे। वहीं जाम कर हंगामा कर रहे लोगों ने बताया कि घटना आठ बजे के करीब की है जबकि पुलिस करीब एक बजे के बाद घटनास्थल पर पहुंची। मामले में गुठनी थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

नियुक्ति के लिए अनशन पर बैठेंगे मृतक आश्रित

- 2 दिसंबर से डॉ. राजेंद्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय में आमरण अनशन शुरू करेंगे

पूसा/समस्तीपुर।संवाददाता। अनुकंपा पर नियुक्ति न मिलने से परेशान दर्जनों मृतक कर्मचारियों के परिजनों ने 2 दिसंबर 2024 से डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठने का निर्णय लिया है। इस आंदोलन का नेतृत्व मृतक कर्मचारी विनोद राय की विधवा चिंता देवी और अन्य मृतक कर्मचारियों के आश्रित करेंगे, जिसमें मिथिलेश कुमार, मीरा देवी, आशा देवी, रविन देवी, सोनम कुमारी और सुमित्रा देवी भी शामिल हैं। अभ्यर्थियों ने पूर्व में तमाम वरीय अधिकारियों और जिला प्रशासन को ज्ञापन भेजे हैं और बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। पूर्व में विश्वविद्यालय प्रशासन ने 4 महीनों के भीतर नियुक्ति का लिखित आश्वासन दिया था, लेकिन केवल आश्वासन से थके अभ्यर्थी अब मजबूरी में अनशन का सहारा ले रहे हैं। अभ्यर्थी मिथिलेश कुमार, जिनके पिता स्वर्गीय विनोद कुमार राय 2020 बिहार विधानसभा चुनाव में पीठासीन पदाधिकारी के रूप में कार्यरत थे और इसी दौरान उनकी मृत्यु हो गई थी, ने बताया कि उन्होंने 12 फरवरी 2021 को अनुकंपा पर नियुक्ति के लिए आवेदन दिया था। लगातार प्रयास और अनशन के बाद भी नियुक्ति नहीं हुई, और परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है। अभ्यर्थियों ने महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय कृषिमंत्री, जिलाधिकारी, अनुमंडल अधिकारी, और अन्य विभागों को भी ज्ञापन भेजकर सहायता की गुहार लगाई है। पीड़ित परिवारों ने सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों से उनके आंदोलन को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

50 साल से अधिक आयु वाले 'अधिकारी-कर्मी' हो जाएं सावधान, सीएम नीतीश ने हटाने का शुरू किया काम

पटना,ब्यूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज कैबिनेट की बैठक बुलाई थी। मुख्य सचिवालय स्थित मंत्रिमंडल कक्ष में आयोजित बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। सरकारी कर्मियों के DA में 3% का इजाफा करने का निर्णय लिया गया है। महंगाई भत्ता जो 50 फीसदी मिलता था, अब 53 फीसदी मिलेगा. सातवें वेतनमान वाले कर्मियों को 1 जुलाई 2024 से ही इसका फायदा मिलेगा। पचास साल से अधिक आयु वाले वैसे सरकारी सेवक जो योग्य नहीं हैं, सरकार उन्हें काम पर नहीं रखेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज अपने विभाग के एक ऐसे ही अधिकारी को अनिवार्य सेवानिवृति दी है।

सामान्य प्रशासन विभाग के एजेंडा में कहा गया है कि बिहार सेवा संहिता के नियम-74 के तहत बिहार प्रशासनिक सेवा संवर्ग में कार्यरत 50 वर्ष से अधिक आयु वाले पदाधिकारी दीपू कुमार क्रमांक-141 को अनिवार्य सेवा निवृत्ति प्रदान की गई है। बता दें, इस नियम के तहत प्रावधान किया गया है कि राज्य सरकार किसी सरकारी सेवक जिसने अपनी प्रथम नियुक्ति की तारीख से 25 वर्ष पूरे किए हों, सेवानिवृत्ति कर सकती है। सरकार यह समझे कि उक्त अधिकारी-कर्मी की कार्य दक्षता या आचार ऐसा नहीं है, जिससे उसे सेवा में बनाए रखना न्यायोचित हो। ऐसे सरकारी सेवक को कम से कम 3 माह की पूर्व लिखित सूचना अथवा ऐसी सूचना के बदले में तीन माह के वेतन-भत्ते की समतुल्य राशि देकर सेवानिवृति करा सकता है। वहीं, नीतीश कैबिनेट ने एक और फैसला लेते हुए निलंबित चल रहे अंचल अधिकारी की भी सेवानिवृति दे दी है। भागलपुर के पिरपैंती अंचल के तत्कालीन प्रभारी अंचल अधिकारी निर्मल कुमार राय को अनिवार्य सेवा निवृत्ति का दंड दिया गया है।

नेपाल: चीन दौरे से पहले संसदीय समिति ने प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को किया तलब

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विदेश मंत्री डॉ. आरजू देउवा को प्रस्तावित चीन दौरे से पहले सरकार की आधिकारिक धारणा जानने के लिए संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति ने तलब किया है। चीन के साथ बेल्ट एंड रोड समझौते के कार्यान्वयन की चर्चा के बीच संसदीय समिति ने दोनों को बुलाया है।

संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति के चेयरपर्सन राजकिशोर यादव ने बताया कि चीन भ्रमण पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री ओली और विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा को पत्र भेज कर समिति की अगली बैठक में 17 नवंबर को उपस्थित होने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि चीन भ्रमण के दौरान वहां उठाए जाने वाले मुद्दे जानने के लिए दोनों को बुलाया गया है। यादव के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से चीन के साथ बीआरआई के कार्यान्वयन समझौता की लगातार खबरें प्रकाशित की जा रही है, उसको लेकर समिति प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से सवाल-जवाब करेगी। उन्होंने कहा कि बीआरआई जैसे संवेदनशील मुद्दे पर सरकार अकेले कोई निर्णय नहीं कर सकती है और उसके लिए उनको संसद को जवाब देना चाहिए। चूंकि इस समय सदन नहीं चल रहा है, इसलिए संसदीय समिति की जिम्मेदारी बनती है कि वो सरकार से इस बारे में जवाब तलब करे। रविवार को होने वाली संसदीय समिति की बैठक में सभी सदस्यों को उपस्थित रहने को किया गया है।

लोस चुनाव : ढाई करोड़ का खाना खा गए कर्मी

पटना,ब्यूरो। ये तो अपने सुना होगा कि चुनाव करवाने में सरकार का करोड़ों रुपए खर्च होता है लेकिन राजधानी पटना से ऐसी खबर सामने आई है जिसे जानने के बाद आप भौंचक रह जायेंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान पटना में करीब बीस हजार कर्मियों ने करीब ढाई करोड़ का खाना खा लिया। इस मामले की जानकारी तब हुई जब पटना के जिलाधिकारी ने चुनाव खर्च के बिल विपत्र की जांच करवाई। जाँच में पता चला कि पटना में चुनाव ड्यूटी में लगे एक कर्मी प्रतिदिन करीब दस प्लेट खाना खाते थे।

पटना के जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर के निर्देश पर एडीएम आपूर्ति के नेतृत्व में तीन अधिकारियों की टीम ने बिल विपत्रों की जांच की तो बड़े स्तर पर फजीर्वाड़ा सामने आया है। जांच करने वाले अधिकारियों की मानें तो चुनाव के दौरान पटना में एक कर्मी के नाम प्रतिदिन करीब दस प्लेट भोजन का बिल लगाया गया है जबकि एक सौ लोगों की क्षमता वाली जगहों पर 80 से 90 बल्ब और पंखे भी लगाए गए थे।

दरअसल लोकसभा चुनाव के दौरान पटना में चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मियों के लिए भोजन आपूर्ति का जिम्मा तीन कंपनी को दिया गया था। तीनो कंपनी के मूल बिल विपत्र के अनुसार करीब 18 करोड़ रुपए भोजन, चाय और नाश्ता पानी में खर्च हुए थे जबकि प्रशासन की जांच में यह खर्च 2.49 करोड़ दिखाया गया है। जांच टीम ने बिल विपत्र के साथ ही चुनाव कार्य स्थल का भी दौरा किया और जांच की। मामले की जांच में निकल कर सामने आया कि चुनाव के दौरान कर्मियों के पीछे खर्च का लगाया गया बिल फर्जी है। यह मामला तब निकल कर सामने आया जब चुनाव ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों के बैठने वाले जगहों पर खर्च के बिल में गड़बड़ी पायी गई। दरअसल जांच करने वाले अधिकारी जब जांच कर रहे थे तो सामने आया कि जिस जगह पर 100 लोगों के बैठने का जगह है वहां के लिए 80-90 बल्ब पंखे का बिल लगाया गया है।

इस गड़बड़ी की आशंका के बाद जिलाधिकारी ने अन्य खर्चों की भी जांच करवाई और तब जा कर यह पता चला कि बीस हजार कर्मियों के खाने का खर्च 18 करोड़ रुपए की जगह 2.49 करोड़ रुपए का बिल लगाया गया था। जांच के दौरान कंपनियों की तरफ से दिए गए बिल के आधार पर सत्यापन कर शेष बिल को फर्जी घोषित कर दिया गया।

इनर व्हील क्लब ऑफ रानीगंज द्वारा बाल दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

रानीगंज। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती और बाल दिवस के अवसर पर गुरुवार को इनर व्हील क्लब ऑफ रानीगंज ने वार्ड संख्या 37 स्थित काजोड़ा दामोदर फ्री प्राइमरी स्कूल में बच्चों के लिए विशेष खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बच्चों को उनकी खेल प्रतिभा को पहचानने और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुरस्कार भी वितरित किए गए। बच्चों के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मेडल और अन्य पुरस्कार दिए गए, साथ ही उनके लिए फूड पैकेट्स का भी प्रबंध किया गया। इस कार्यक्रम में इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष जया संथालिया, सचिव अनुराधा झुंझुनवाला, पूर्व अध्यक्ष ज्योति साव,प्रियंका पातेसरिया और स्कूल की शिक्षिकाएं मौजूद थीं। क्लब की अध्यक्ष जया संथालिया ने बताया कि बाल दिवस के इस मौके पर बच्चों के साथ समय बिताने और उनकी छिपी हुई प्रतिभा को बाहर लाने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि इनर व्हील क्लब पहले भी इस स्कूल के बच्चों के साथ सामाजिक कार्यों में सहयोग करता रहा है, और यहां के बच्चों की प्रतिभा देखकर उन्हें हमेशा प्रसन्नता होती है। संथालिया ने आगे कहा कि इन बच्चों में गहरी संभावनाएं हैं और इन्हें प्रोत्साहन देने से उनके आत्मविश्वास और विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

देश की जानी-मानी कंपनी बिहटा में लगाने जा रही बड़ी फैक्ट्री

पटना,ब्यूरो। एनडीए की नई सरकार बनने के बाद एक बार फिर से बड़े-बड़े उद्योगपति आने शुरू हो गए हैं। देश की जानी-मानी बिस्कुट कंपनी ब्रिटेनिया इंडस्ट्रीज पटना से सटे बिहटा के सिकंदरपुर में बेकरी फैक्ट्री लगाने जा रही है। बिहार कैबिनेट ने 236 करोड़ 59,20000 रू के निजी पूंजी निवेश पर वित्तीय प्रोत्साहन की स्वीकृति दी है। आज 14 नवंबर को नीतीश कैबिनेट की बैठक में उद्योग विभाग के इस प्रस्ताव पर मुहर लग गई।

मेसर्स ब्रिटानिया इंडस्ट्री लिमिटेड सिकंदरपुर औद्योगिक पार्क में बेकरी फैक्ट्री लगाने जा रही है। राज्य सरकार ने इसकी अनुमति दे दी है। 6250 एमटीपीएस क्षमता की स्थापित होने वाली बेकरी प्रोडक्शन उत्पादन इकाई के लिए 236 करोड़ 59 लाख 20000 का निजी निजी पूंजी निवेश होगा। इसके लिए वित्तीय प्रोत्साहन की स्वीकृति दी गई है। इकाई की स्थापना होने पर निवेश के साथ-साथ कुल 525 कुशल एवं अकुशल कामगारों को रोजगार मिल सकेगा। बता दें, 5 जुलाई 2024 को ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के महाप्रबन्धक (कमर्शियल सप्लाई चेन) ललित सिंह मांगलिया ने बिहार आकर उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा से मुलाकात की थी। उद्योग सह पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया था कि पटना स्थित मेरे सरकारी आवास पर ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के महाप्रबन्धक (कमर्शियल-सप्लाई चेन) ललित सिंह मांगलिया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात हुई। इस दौरान ब्रिटानिया द्वारा बिहटा में स्थापित इकाई के बारे में विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही आने वाले समय में ब्रिटानिया के बिहार में विस्तार को लेकर भी विमर्श हुआ। तब उद्योग मंत्री ने कहा था कि मैंने उद्योग विभाग की तरफ से उन्हें हरसम्भव सहायता को लेकर आश्वस्त किया है, जिससे ब्रिटानिया बिहार में निवेश बढ़ा सकें तथा रोजगार के नए अवसरों का सृजन हो सके।

इनर व्हील क्लब ऑफ रानीगंज द्वारा बाल दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

रानीगंज। भारत विकास परिषद की रानीगंज शाखा ने गुरुवार को कुंवर बाजार स्थित स्वामी विवेकानंद सेवा स्वास्थ्य केंद्र में जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क दवाओं का वितरण किया। इस आयोजन में परिषद के अध्यक्ष प्रदीप बाजोरिया, पवन बाजोरिया, रानीगंज चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव अरुणोमोई कुंडू, स्वामी सुब्रतोंनंदा जी महाराज, समीर राय, डॉक्टर निरापादो मंडल, डॉक्टर तापस मंडल, डॉक्टर मनोज मंडल, डॉक्टर मौउदीपा मुखर्जी और कैलाश मोदी समेत अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान प्रदीप बाजोरिया ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य समाज के गरीब और जरूरतमंद वर्ग को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि स्वामी विवेकानंद आश्रम के माध्यम से लोगों की सेवा करना उनके लिए गर्व की बात है और समाज सेवा के इस कार्य को जारी रखने का संकल्प दोहराया। स्वामी सुब्रतोंनंदा जी महाराज ने भी इस मौके पर कहा कि भारत विकास परिषद की तरफ से विवेकानंद आश्रम में इस प्रकार की निःशुल्क सेवा का आयोजन पहली बार नहीं किया गया है; इससे पहले भी परिषद द्वारा ऐसे कार्य किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह सेवा जरूरतमंद लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास है और परिषद की समाज सेवा की प्रतिबद्धता का परिचायक है।

भारतीय महिला हॉकी टीम पहुंची महाबोधि मंदिर, की पूजा अर्चना

गया,ब्यूरो। भारत की महिला हॉकी टीम ने बोधगया स्थित महाबोधि महाविहार मंदिर का दौरा किया। इंडियन टीम राजगीर में चल रहे एशिया वीमेंस हॉकी टूर्नामेंट में खेल रही है। वह बोधगया में ठहरी हुई है और इस दौरान ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थलों का भ्रमण भी कर रही है। अंतरराष्ट्रीय एकता के अनोखे प्रदर्शन में भारतीय टीम के साथ 19 विभिन्न देशों के अंपायरों का एक दल और फिजियोथेरेपिस्ट टीम के सदस्य भी थे। इस संयुक्त दौरे ने न केवल खेल बल्कि संस्कृतियों के बीच संबंधों को भी मजबूत किया। महाबोधि मंदिर पहुंचने पर सचिव, प्रमुख भिक्षु और अन्य वरिष्ठ भिक्षुओं ने टीम का पारंपरिक खादा (समारोह स्कार्फ) देकर स्वागत किया। टीम को गर्भगृह में ले जाया गया, जहां प्रमुख भिक्षु द्वारा विशेष प्रार्थना का आयोजन किया गया। खिलाड़ियों ने भगवान बुद्ध के प्रति आस्था और सम्मान व्यक्त करते हुए फूल और धूप अर्पित की। हर सदस्य को बोधि पत्ता, जो ज्ञान और शांति का प्रतीक है, उपहार स्वरूप भेंट किया गया। मंदिर का भव्य दौरा कर टीम ने इसके ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को समझा। वहीं दूसरी ओर थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री स्रेत्ता थाविसिन ने अपनी पत्नी और पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बोधगया के पवित्र महाबोधि मंदिर का दौरा किया। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के सचिव डॉ महास्वेता महारथी और मंदिर के भिक्षु दीनानंद ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। थाविसिन ने बोधि वृक्ष के पास प्रार्थना कर बौद्ध धरोहर के संरक्षण पर चर्चा की। उन्होंने भारत-थाई सांस्कृतिक संबंधों को और गहरा बनाने का संकल्प जताया। इस दौरे को दोनों देशों के बीच आध्यात्मिक संबंधों की मजबूत कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

रानीगंज में बाल दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच ने स्कूल में इनवर्टर और फूड पैकेट्स वितरित किए

रानीगंज। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर आज रानीगंज के पीएन मालिया रोड स्थित श्री दुर्गा विद्यालय में मारवाड़ी युवा मंच रानीगंज शाखा द्वारा समाज सेवा का विशेष कार्य किया गया। मंच के सदस्यों ने विद्यालय को इनवर्टर प्रदान किया ताकि बिजली चले जाने पर बच्चों को होने वाली समस्याओं का समाधान हो सके। इसके साथ ही बच्चों के बीच फूड पैकेट्स का वितरण किया गया और उनके साथ कई मनोरंजक खेल भी खेले गए।

इस मौके पर मंच के अध्यक्ष प्रतीक मोर,सचिव अंशु काजोरिया,सलाहकार राजेश कुमार जिंदल और अन्य सदस्य जैसे विनीत खंडेलवाल, आयुष झुनझुनवाला, आदित्य मूंदड़ा, स्वीटी लोहिया, शिखा सराफ, प्रिया सतनालिका, स्वेता तोदी, यशिका शर्मा, पूजा गोयनका और दीपिका भुवलका उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रदीप सिंह राठौड़ और अन्य शिक्षकों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधानाध्यापक प्रदीप सिंह राठौड़ ने बताया कि उन्होंने मंच के सदस्यों को बिजली कटौती के समय छात्रों को होने वाली समस्याओं से अवगत कराया था, जिस पर मंच ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आज विद्यालय में इनवर्टर उपलब्ध करवा दिया। इसके अलावा, बाल दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों को कुछ फूड पैकेट्स भी प्रदान किए गए और उनके साथ खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। राठौड़ ने मंच और इसकी महिला शाखा देवी शक्ति को इस सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि मंच का यह कदम समाज की उन्नति के प्रति उनके योगदान को दर्शाता है। मंच के अध्यक्ष प्रतीक मोर ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच रानीगंज शाखा हमेशा समाज को एक बेहतर स्थान बनाने के प्रयास में लगी रहती है। उन्होंने कहा कि मंच हमेशा आवश्यकता के अनुसार मदद प्रदान करता है और आज का कार्यक्रम भी इसी कड़ी का एक हिस्सा है।

भारत ने रिन्यूएबल एनर्जी कैपेसिटी में 200 गीगावाट का स्तर किया पार: केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने आंकड़ों के आधार पर दावा किया है कि भारत ने अपनी सौर क्षमता में जबरदस्त इजाफा किया है। भारत ने रिन्यूएबल एनर्जी कैपेसिटी में 200 गीगावाट का स्तर पार कर लिया है, जो देश की कुल इंस्टॉल्ड कैपेसिटी का 46.3 प्रतिशत से अधिक है।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अनुसार, कुल रिन्यूएबल एनर्जी बेस्ड बिजली उत्पादन क्षमता अब 203.18 गीगावाट है। देश का लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से 500 गीगावाट हासिल करना है।

सौर ऊर्जा क्षेत्र में 92.12 गीगावाट के साथ सबसे अधिक वृद्धि देखी गई। पवन ऊर्जा ने भी 47.72 गीगावाट के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जो देश भर में कोस्टल और इनलैंड (तटीय और अंतर्देशीय) विंड कॉरिडोर की बढ़ती क्षमता को दशार्ता है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, 'हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर भी एक प्रमुख योगदानकर्ता है, जिसमें बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट 46.93 गीगावाट और छोटे हाइड्रो पावर 5.07 गीगावाट उत्पादन करते हैं। ये प्रोजेक्ट भारत की नदियों और वॉटर सिस्टम से ऊर्जा का एक विश्वसनीय और टिकाऊ स्रोत प्रदान करते हैं।'

बायोमास और बायोगैस ऊर्जा सहित बायोपावर, रिन्यूएबल एनर्जी मिश्रण में 11.32 गीगावाट और जोड़ता है।

देश की कुल रिन्यूएबल एनर्जी इंस्टॉल्ड कैपेसिटी में मात्र एक वर्ष में 24.2 गीगावाट (13.5 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है, जो अक्टूबर 2024 में 203.18 गीगावाट तक पहुंच गई। पिछले साल अक्टूबर 2023 में यह 178.98 गीगावाट थी।

मंत्रालय के अनुसार, परमाणु ऊर्जा को शामिल करने पर, भारत की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता 2023 में 186.46 गीगावाट की तुलना में 2024 में 211.36 गीगावाट तक बढ़ गई।

मंत्रालय के अनुसार 'यह उपलब्धि स्वच्छ ऊर्जा के प्रति भारत की बढ़ती प्रतिबद्धता और हरित भविष्य के निर्माण में इसकी प्रगति को दशार्ती है।'

मंत्रालय ने कहा कि यह देश के ऊर्जा परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव दशार्ता है, जो स्वच्छ, गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा स्रोतों पर देश की बढ़ती निर्भरता को दशार्ता है।

8,180 मेगावाट (मेगावाट) परमाणु क्षमता को ध्यान में रखते हुए, कुल गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित बिजली अब देश की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता का लगभग आधा हिस्सा है, जो वैश्विक मंच पर स्वच्छ ऊर्जा नेतृत्व की ओर एक मजबूत कदम का संकेत देता है।

भारत की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 452.69 गीगावाट तक पहुंच गई है, जिसमें रिन्यूएबल एनर्जी बिजली मिश्रण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी (आईआरईएनए) की 2024 वार्षिक समीक्षा के अनुसार, 2023 में, भारत का रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल कर लेगा, जिसमें अनुमानित 1.02 मिलियन नौकरियां पैदा होंगी।

वैश्विक रिन्यूएबल एनर्जी वर्कफोर्स 2023 में बढ़कर 16.2 मिलियन हो गया, जो 2022 में 13.7 मिलियन था, जिसमें भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संघ (आईएलओ) के सहयोग से तैयार की गई यह रिपोर्ट स्वच्छ ऊर्जा में भारत के बढ़ते कदम और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली ग्रीन जॉब्स के अवसर बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

मजबूत लिस्टिंग के बाद दबाव में आए निवा बूपा के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में काम करने वाली कंपनी निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस के शेयरों ने आज लिस्टिंग के जरिए घरेलू शेयर बाजार में दस्तक दी। कंपनी के शेयर लगभग 7 प्रतिशत प्रीमियर के साथ एनएसई और बीएसई पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 74 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर 78.50 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 78.14 रुपये के स्तर पर इसकी लिस्टिंग हुई।

स्टॉक मार्केट में लिस्ट होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर 7 की मजबूती के साथ 81 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक आ गया, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से इसमें गिरावट आ गई। लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 11 बजे निवा बूपा के शेयर 57 पैसे यानी 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.57 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। निवा बूपा का 2,200 करोड़ रुपये का आईपीओ 7 से 11 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुआ था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पांस मिलने के बावजूद ये ओवरऑल 1.90 गुना सब्सक्राइब होने में सफल रहा था। आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.17 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। हालांकि नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स एनआईआई के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.71 गुना सब्सक्रिप्शन ही मिल सका था।

इस आईपीओ के तहत कंपनी ने 800 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 18,91,89,189 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ कारोबार होता नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रिकवरी करके हरे निशान में जगह बना ली। हालांकि बीच-बीच में बिकवाली का झटका भी लगता रहा, जिसके कारण बाजार की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स प्रतिशत और निफ्टी प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजी, एचडीएफसी लाइफ और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 7.06 प्रतिशत से लेकर 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, श्री राम फाइनेंस, ट्रेंट लिमिटेड, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर 1.93 प्रतिशत से लेकर 1.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभीतक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,344 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,750 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 594 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 54.01 अंक की कमजोरी के साथ 77,636.94 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। हालांकि बीच-बीच में बिकवाली का झटका भी लगता रहा। पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक लाल निशान में 77,518.50 अंक तक गिर भी गया?। इस गिरावट के बाद खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने दोबारा रफ्तार पकड़ ली और उछल कर 78,055.52 अंक के स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 156.71 अंक की मजबूती के साथ 77847.66 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 16.90 अंक की गिरावट के साथ 23,542.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। शुरूआती कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार चढ़ाव होता रहा। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 23,500.65 अंक तक गिर गया, वहीं खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इसने 23,675.90 अंक तक छलांग लगाने में भी सफलता हासिल की। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 58.85 अंक की बढ़त के साथ 23,617.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 984.23 अंक यानी 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,690.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 324.40 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,559.05 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी संकेत, एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल मार्केट से आज कमजोर संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार दबाव में कारोबार करने के बाद सपाट स्तर पर बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज मामूली तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। पूरे सत्र में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 5,985.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,237.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 43,963.40 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 8,030.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर सीएसी इंडेक्स ने 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,216.83 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,003.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 23,652 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ 38,727.23 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.55 प्रतिशत उछल कर 2,430.49 अंक पर पहुंच के स्तर पर पहुंच गया है।

दूसरी ओर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 216.04 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूट कर 22,644.19 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 175.05 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,648.40 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,717.46 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.13 प्रतिशत फिसल कर 1,449.52 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,269.60 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स से 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,428.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारत में बने एप्पल आईफोन की देश से बाहर धड़ाधड़ हो रही बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2025) के पहले सात महीनों में एप्पल ने भारत से आईफोन निर्यात में लगभग 60,000 करोड़ रुपये का नया रिकॉर्ड बना लिया है।

आंकड़ों के अनुसार, इस साल अप्रैल-अक्टूबर की अवधि में, क्यूपर्टिनो स्थित टेक दिग्गज ने लगभग 60,000 करोड़ रुपये (7 बिलियन डॉलर से अधिक) मूल्य के आईफोन निर्यात किए, जो चालू वित्त वर्ष में हर महीने लगभग 8,450 करोड़ रुपये (लगभग 1 बिलियन डॉलर) मूल्य के निर्यात बराबर है।

इस बार, कंपनी भारत से अपनी 14 और 15 सीरीज के दूसरे लोकप्रिय मॉडलों के अलावा हाल ही में लॉन्च किए गए आईफोन 16 मॉडल का निर्यात कर रही है।

वित्त वर्ष 2024 में एप्पल ने 10 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के आईफोन निर्यात किए।

इस वित्त वर्ष में, टेक दिग्गज ने पांच महीने पहले ही 10 बिलियन डॉलर का 70 प्रतिशत हासिल कर लिया है। सरकार की 'मेक इन इंडिया' और पीएलआई योजनाओं के साथ कंपनी एक नया निर्यात रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार है।

एप्पल ने पिछले वित्त वर्ष में भारत में 14 बिलियन डॉलर के आईफोन को मैन्युफैक्चर और असेंबल किया और 10 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के डिवाइस का निर्यात किया।

भारत से आईफोन निर्यात 2022-23 में 6.27 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 10 बिलियन डॉलर को पार कर गया।

कुल मिलाकर, आईफोन निमार्ता का भारत में परिचालन पिछले वित्त वर्ष 23.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

जुलाई-सितंबर की अवधि में, टिम कुक के नेतृत्व वाली कंपनी ने भारत में अब तक का सबसे बड़ा राजस्व रिकॉर्ड बनाया।

कुक ने कहा था कि हम भारत में जो कुछ दिख रहा है उससे उत्साहित हैं, यहां हमने अब तक का सबसे बड़ा राजस्व रिकॉर्ड बनाया है।

एफएंडओ सेंगमेंट में 45 नए शेयर शामिल, सेबी द्वारा तय प्रकिया के तहत हुआ चयन

एलआईसी, अडाणी ग्रीन समेत सभी 45 शेयरों में 29 से होगी ट्रेडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग सेगमेंट में 45 नए शेयरों को एनएसई की हरी झंडी के बाद एंट्री मिल गई है?। ये शेयर इसी महीने 29 तारीख से फ्यूचर एंड ऑप्शंस कांट्रैक्ट्स के तहत ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध रहेंगे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की तरफ से 30 अगस्त को जारी सर्कुलर के तहत निर्धारित की गई चयन प्रक्रिया के आधार पर इन 45 कंपनियों के शेयरों को फ्यूचर एंड ऑप्शंस कांट्रैक्ट्स के तहत ट्रेडिंग के लिए चुना है।

फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग सेगमेंट फिलहाल 190 शेयरों में ट्रेडिंग होती है। इनमें एक या दो कंपनी के शेयर यदा-कदा अंदर या बाहर होते रहते हैं। पहली बार इस सेगमेंट में कुल संख्या का लगभग 25 प्रतिशत यानी 45 नए शेयरों को एक साथ जोड़ा गया है। जानकारों के मुताबिक किसी भी शेयर के फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग सेगमेंट में आने से उसकी पार्टिसिपेशन बढ़ जाती है?। खासकर, संस्थागत निवेशक किसी खास शेयर में कॉल ले सकते हैं। निवेशकों के लिए अच्छी बात ये है कि फ्यूचर एंड ऑप्शन की ट्रेडिंग आसान होती है। इसके साथ ही इसको हेज भी किया जा सकता है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की ओर से जारी की गई सूची के मुताबिक फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग सेगमेंट में लाए जाने वाले शेयरों में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड, एंजेल वन लिमिटेड, एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड, अडाणी टोटल गैस लिमिटेड, बैंक ऑफ इंडिया, बीएसई लिमिटेड, कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड, सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड, सीईएससी लिमिटेड, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड, सायंट लिमिटेड, डेल्हीवरी लिमिटेड, एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड, एचएफसीएल लिमिटेड, हुडको, इंडियन बैंक, आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड, जिंदल स्टील लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड, कल्याण ज्वेलर्स इंडिया लिमिटेड, केईआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड, केपीआईटी टेक्नोलॉजी लिमिटेड, भारतीय जीवन बीमा निगम, माइक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड, एनसीसी लिमिटेड, एनएचपीसी लिमिटेड, नायका एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स लिमिटेड, ऑयल इंडिया लिमिटेड, वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड, पीबी फिनटेक लिमिटेड, पूनावाला फिनकॉर्प लिमिटेड, प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, एसजेवीएन लिमिटेड, सोना बीएलडब्लू प्रेसीजन प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, सुप्रीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा एलेक्सी लिमिटेड, ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, वरुण बेवरेजेज लिमिटेड, येस बैंक लिमिटेड और जोमैटो लिमिटेड जैसी कंपनियां के शेयर शामिल हैं।

एक नजर

खुदरा के बाद अब थोक महंगाई दर अक्टूबर महीने में बढ़कर 2.36 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। खुदरा के बाद थोक महंगाई दर में भी इजाफा हुआ है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर सालाना आधार पर अक्टूबर में बढ़कर 2.36 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि सितंबर में यह 1.84 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी आंकड़े में बताया कि अक्टूबर में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़कर 11.59 फीसदी पर आ गई है, जबकि सितंबर में यह 9.47 फीसदी पर रही थी। सब्जियों की कीमतों में सितंबर महीने के 48.7 फीसदी की तुलना में अक्टूबर में उछलकर 63.04 फीसदी पर आ गई है। इसी तरह अक्टूबर में विनिर्मित उत्पादों की महंगाई 1.5 फीसदी पर पहुंच गई है, जबकि सितंबर में यह 1 फीसदी थी। हालांकि, अक्टूबर में ईंधन और बिजली की कीमतों में पिछले महीने की तुलना में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। इससे पहले जारी आंकड़ों के मुताबिक खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 6.2 फीसदी पर पहुंच गई, जो सितंबर में 5.5 फीसदी थी। महंगाई बढ़ने से अर्थव्यवस्था में मंदी के संकेत दिखने लगने हैं। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खुदरा महंगाई दर 4.5 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया है। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा था कि महंगाई दर कम हो रही है, लेकिन प्रक्रिया धीमी और असमान है।

भारत में रियलमी जीटी 7 प्रो 26 को होगा लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। भारतीय बाजार में नए स्मार्टफोन रियलमी जीटी 7 प्रो को 26 नवंबर को लॉन्च हो रहा है। रियलमी ने फोन के कैमरा और अन्य फीचर्स का खुलासा किया है, जो फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। रियलमी जीटी 7 प्रो में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें 50 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स882 पेरिस्कोप टेलीफोटो प्राइमरी कैमरा है। यह कैमरा 3एक्स ऑप्टिकल जूम और 120एक्स डिजिटल जूम सपोर्ट करता है, जिससे यूजर्स दूर से स्पष्ट और शानदार तस्वीरें ले सकते हैं। इसके अलावा, फोन में एक और 50 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स906 प्राइमरी सेंसर और 8 मेगापिक्सल का वाइड-एंगल कैमरा भी होगा। रियलमी का दावा है कि रियलमी जीटी 7 प्रो पानी के अंदर भी फोटोग्राफी कर सकता है, बिना किसी कवर के। यह फोन 2 मीटर गहरे पानी में 30 मिनट तक काम करने में सक्षम है, जो इसे एक अनूठी खासियत बनाता है। इसके अलावा, रियलमी जीटी 7 प्रो में 6.78 इंच का एलटीपीओ ओलेड डिस्प्ले है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और एचडीआर10+ डॉल्बी विजन सपोर्ट करता है, जिससे तेज धूप में भी फोन की स्क्रीन पर कोई समस्या नहीं होती। स्मार्टफोन स्नैपड्रेगन 8 जेन इलाइट प्रोसेसर और 6500 एमएएच बैटरी के साथ आता है, जो एक लंबा बैटरी बैकअप प्रदान करता है। यह फोन 16जीबी रैम और 1 टीबी स्टोरेज विकल्पों के साथ उपलब्ध होगा, जो गेमिंग और मल्टीटास्किंग के लिए उपयुक्त है। रियलमी जीटी 7 प्रो में एंड्राएड 15 और रियलमी यूआई 6.0 पर आधारित स्मार्ट फीचर्स होंगे, जो इसे और भी आकर्षक बनाते हैं।

दिल्ली में 43वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का आगाज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यहां भारत मंडपम में 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) का वर्चुअल रूप से उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण के दौरान गोयल ने कहा कि सरकार भारत व्यापार संवर्धन संगठन को एक विश्व स्तरीय एजेंसी के रूप में विस्तारित करने की योजना बना रही है, जो एक ही बिंदु पर पूरे उद्योग और मूल्य श्रृंखला को प्रतिबिंबित करेगी ताकि दुनिया भारत को सर्वश्रेष्ठ एमआईसीई गंतव्य के रूप में देख सके। पीयूष गोयल ने भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) को व्यापार मेले के दो वार्षिक संस्करण आयोजित करने तथा इसे द्विवार्षिक करने पर विचार करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि भारत मोबिलिटी और विश्व खाद्य मेले जैसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों के आयोजन पर विचार करने की जरूरत है, ताकि पूरे उद्योग को एक जगह एकत्र किया जा सके। गोयल ने कहा कि सरकार भारत व्यापार संवर्धन संगठन को एक विश्व स्तरीय एजेंसी के रूप में विस्तारित करने की योजना बना रही है, जो पूरे उद्योग और मूल्य श्रृंखला को एक ही स्थान पर दर्शाएगी, ताकि दुनिया भारत को सर्वश्रेष्ठ एमआईसीई गंतव्य के रूप में देखे। उन्होंने कहा कि केंद्र इन सुविधाओं का विस्तार करने के लिए बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, लखनऊ, वाराणसी और नोएडा जैसे स्थानों पर विचार कर रहा है। वाणिज्?य मंत्री ने सरकार के हर निर्णय को विकसित भारत के लक्ष्य के लिए समर्पित करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को दोहराते हुए आईआईटीएफ 2024 की थीम को विकसित भारत 2047 के विचार पर आधारित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2026-27 तक 6.5-7 फीसदी की दर से बढ़ेगी : एसएंडपी

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने गुरुवार को देश की आर्थिक वृद्धि दर पर जारी अपने अनुमान में कहा कि भारत 31 मार्च, 2027 तक तीन वित्तीय वर्षों में सालाना 6.5-7 फीसदी की विकास दर से आगे बढ़ेगा। रेटिंग एजेंसी ने जारी अपनी वैश्विक बैंक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा है कि बुनियादी ढांचे पर खर्च और निजी खपत से वृद्धि को गति मिलने से भारतीय अर्थव्यवस्था के 31 मार्च 2027 तक तीन वित्त वर्षों (2024-25, 2025-26 और 2026-27) में सालाना 6.5-7 फीसदी के बीच बढ़ने का अनुमान है। इसके साथ ही एसएंडपी ने अपनी वैश्विक बैंक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि अच्छी आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता को समर्थन देना जारी रखेंगी, जबकि स्वस्थ कॉर्पोरेट बही-खाते, सख्त 'अंडरराइटिंग' मानक और बेहतर जोखिम प्रबंधन प्रथाएं परिसंपत्ति गुणवत्ता को और स्थिर करेंगी। इससे पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की सकल घरेल उत?पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही थी।

भारत का स्मार्टफोन बाजार 6 फीसदी बढ़कर 4.6 करोड़ यूनिट हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। जुलाई-सितंबर 2024 तिमाही में भारत का स्मार्टफोन मार्केट 6 फीसदी की ग्रोथ के साथ 4.6 करोड़ यूनिट पर पहुंच गया। इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक इस तिमाही में वीवो सबसे आगे रही, जबकि टॉप 10 ब्रांड्स में आईक्यू ने सबसे ज्यादा ग्रोथ दर्ज की। बाजार में चीनी कंपनियों का दबदबा रहा, और टॉप ब्रांड्स ने कुल 72 फीसदी मार्केट शेयर हासिल किया। आईडीसी के ग्लोबल मोबाइल फोन ट्रैकर के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2024 तिमाही में एप्पल ने 8.6 फीसदी और सेमसंग ने 12.3 फीसदी मार्केट शेयर हासिल किया। एप्पल ने इस तिमाही में अपनी सबसे बड़ी 40 लाख यूनिट की सेल दर्ज की, जिसमें आईफोन-15 और आईफोन-13 मॉडल्स टॉप पर रहे। वैल्यू के हिसाब से एप्पल का मार्केट शेयर 28.7 फीसदी और सेमसंग का 15.2 फीसदी रहा, जिससे एप्पल की लीड और बढ़ गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रीमियम सेगमेंट (50,000 से 68,000) रुपए में 86 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई और इसकी हिस्सेदारी 2 फीसदी से बढ़कर 4 फीसदी हो गई। इस सेगमेंट में एप्पल का मार्केट शेयर बढ़कर 71 फीसदी हो गया, जबकि सेमसंग का शेयर घटकर 19 फीसदी रह गया।

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडयिा अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत: रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

पीवी सिंधू जापान मास्टर्स के प्री क्वार्टर फाइनल में हारीं, भारतीय चुनौती समाप्त

दो बार की ओलोंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के प्री क्वार्टर फाइनल में

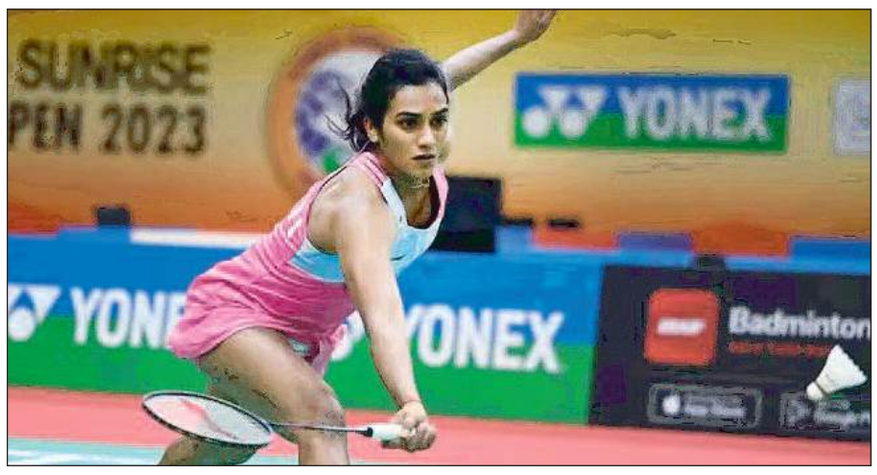

हारने के साथ ही बृहस्पतिवार को कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूनार्मेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू टूनार्मेंट में आखिरी भारतीय खिलाड़ी बची थीं । उनसे पहले लक्ष्य सेन और महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद हारकर बाहर हो चुके हैं।

सिंधू ने पहला गेम जीतने के बाद लय खो दी और कनाडा की मिचेले ली ने उन्हें 17-21, 21-16, 21-17 से हरा दिया। करीब सवा घंटे तक चले मुकाबले में पहले गेम में बराबरी की टक्कर रही। सिंधू ने 11-8 की बढत बना ली और उसके बाद लगातार बढत कायम रखकर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में ली ने काफी आक्रामक खेल दिखाया और 8-3 से बढत बना ली । सिंधू ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 कर लिया। इसके बाद ली ने लगातार पांच अंक लेकर बराबरी की।निर्णायक गेम में एक समय स्कोर 17-17 से बराबर था, लेकिन ली ने लगातार चार अंक बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। सिंधू की सहज गलतियों ने मिचेले ली का काम आसान कर दिया। ली का सामना अब दक्षिण कोरिया की यू जिन सिम से होगा।

हॉकी का महाकुंभ जारी, दो जीत के बावजूद दूसरे नंबर भारत, थाईलैंड के खिलाफ बड़ी जीत की दरकार

राजगीर में हो रही महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक सभी टीमों ने अपने दो-दो मैच खेल लिए हैं, जिससे अंक तालिका की स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो चुकी है। अब तक के नतीजों के अनुसार चीन, भारत, जापान, कोरिया, थाईलैंड और मलेशिया क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे, चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर हैं। अब तक के प्रदर्शन के आधार पर अंक तालिका में टीमों का क्रम अपेक्षित दिखाई दे रहा है। चीन ने मलेशिया और थाईलैंड को हराकर छह अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। उसका गोल अंतर 20 का है, जिससे उसे अंक तालिका में बढ़त बनाए रखने में मदद मिल रही है। चीन का अगला मैच जापान के साथ है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह अपनी इस लय को बरकरार रख पाता है।

भारतीय टीम का उत्साहजनक प्रदर्शन

तीसरी बार खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरी भारतीय टीम ने मलेशिया और दक्षिण कोरिया को हराकर छह अंक हासिल किए हैं। भारतीय टीम दूसरे स्थान पर है और अपने अगले मैच में थाईलैंड के खिलाफ बड़े अंतर से जीत दर्ज कर अपनी स्थिति को और मजबूत करना चाहेगी। संगीता, दीपिका, शर्मिला, प्रीति, और ब्यूटी ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन कप्तान सलीमा, मोनिका, और उप-कप्तान नवनीत को और मेहनत करनी होगी। भारतीय टीम को मिले 19 पेनल्टी कॉर्नर में से केवल तीन को ही गोल में बदला गया है, जो एक चिंता का विषय है। मुख्य प्रशिक्षक हरेंद्र सिंह इन कमियों पर ध्यान देंगे।जापान अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। थाईलैंड के खिलाफ उसे अपेक्षाकृत कमजोर टीम के खिलाफ भी संघर्ष करना पड़ा और मैच बराबरी पर समाप्त हुआ। जापान ने इस बार 14 नए खिलाड़ियों को मौका दिया है, जिससे टीम कुछ कमजोर दिख रही है। अन्य टीमें भी नए खिलाड़ियों को मौका दे रही हैं ताकि वह बड़े टूनार्मेंट्स के लिए तैयार हो सकें।

थाईलैंड और मलेशिया के बीच प्रतिस्पर्धा

कोरिया, जो तीन बार चैंपियन रह चुकी है, अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और उसे ऊपर आने के लिए अगले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। दूसरी ओर, थाईलैंड और मलेशिया के बीच आने वाले मैचों में स्थान की होड़ बनी रहेगी।

आगे की रोमांचक उम्मीदें

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के अंतिम चार में कौन सी टीमें पहुंचेंगी, यह तो आने वाले मैचों में तय होगा। इस प्रतियोगिता में दर्शकों को रोमांचक मुकाबलों का आनंद मिल रहा है। आशा है कि भारतीय टीम स्वर्ण पदक जीतकर बिहार में खेल संस्कृति को बढ़ावा देगी और स्थानीय खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी।

वेस्ट यूपी के खिलाड़ियों का दबदबा, मेरठ से 7 खिलाड़ी हैं सदस्य, रितुराज को पहली बार मिला मौका

उत्तर प्रदेश की रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टीम में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों का दबदबा है। वर्तमान सत्र में मेरठ, गाजियाबाद और सहारनपुर से ही 9 खिलाड़ी टीम के सदस्य हैं। इनमें मेरठ से ही 7 खिलाड़ी टीम के सदस्य हैं। बुधवार से कर्नाटक के खिलाफ खेले जा रहे मैच में ही मेरठ से 4 खिलाड़ी, सहरानपुर से 1 और गाजियाबाद से 1 खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में शामिल हैं।

मेरठ की बात करें तो यहां से अंडर 19, अंडर 23 और रणजी टीम में लगातार खिलाड़ी खेलते रहे हैं। घरेलू मैचों में लगातार अच्छा प्रदर्शन के बाद ही भारतीय सीनियर टीम और भारतीय ए टीम में खिलाड़ी हिस्सा बनते रहे हैं।

भुवनेश्वर कुमार, प्रवीन कुमार,

कर्ण शर्मा, सौरभ कुमार भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं। क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने का ही नतीजा है कि आज वर्तमान में यूपी की रणजी ट्रॉफी टीम में मेरठ, सहारनपुर और गाजियाबाद के खिलाड़ियों की संख्या अधिक है।खिलाड़ियों के लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद ही उन्हें यह मौका मिल सका है। हालांकि पिछले कुछ मैचों में टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है, लेकिन खिलाड़ियों के पास अधिक प्रतिभा है, जिससे कभी भी मैच के नतीजों में बदलाव हो सकता है।

अब वर्तमान की टीम की बात करें तो यूपी की टीम में मेरठ क्षेत्र से प्रियम गर्ग, समीर रिजवी, विजय कुमार, सौरभ कुमार, शिवम मावी, रितुराज शर्मा, शुभम मिश्रा आदि खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें से पांच खिलाड़ी कर्नाटक के खिलाफ खेले जा रहे मैच में प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हैं। इनमें समीर रिजवी, शिवम मावी, रितुराज शर्मा, सौरभ कुमार शामिल हैं।

इसके अलावा सहारनपुर के आकिब खान और गाजियाबाद से माधव कौशिक टीम का हिस्सा हैं। अब इसी माह 23 तारीख से सैयद मुश्ताक अली टॉफी की भी शुरूआत होने वाली है। इस टीम में भी उत्तर प्रदेश की ओर से मेरठ के कई खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है। टी-20 श्रृंखला के लिए यहां के कई खिलाड़ी टीम के लिए कड़ी दावेदारी पेश करेंगे।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी: थाईलैंड पर बड़ी जीत दर्ज करने उतरेंगी बेटियां, दो जीत दर्ज कर चुकी है भारतीय टीम

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में महिला टीम लगातार तीसरे जीत दर्ज करने उतरेगी। सलीमा टेटे की टीम बृहस्पतिवार को विश्व नंबर 29 थाईलैंड के सामने होगी तो उसकी कोशिश बड़ी जीत दर्ज करने की होगी। भारत ने पहले मैच में मलयेशिया को 4-0 से और तीन बार के विजेता कोरिया को 3-2 से हराया। वहीं, थाईलैंड को विश्व नंबर छह चीन के हाथों 0-15 से करारी हार मिली, लेकिन अगले मैच में उसने मजबूत जापान को 1-1 से बराबरी पर रोककर सभी को हैरान कर दिया।

गोल के अवसर भुनाने होंगे

छह टीमों के इस टूनार्मेंट में भारत दूसरे स्थान पर चल रहा है। 20 के गोल अंतर के साथ चीन पहले स्थान पर है, जबकि विश्व नंबर नौ भारत का गोल अंतर पांच है। राउंड रोबिन में शीर्ष चार पर रहने वाली टीमों को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा। जापान तीसरे और कोरिया चौथे स्थान पर चल रहा है। भारत ने दो जीत जरूर दर्ज की हैं, लेकिन दोनों ही मैचों में उसने गोल करने के कई अवसर गंवाएं हैं। खासतौर पर विरोधी खेमे में दिखाई गई हड़बड़ाहट और विकल्प चुनने की लड़खड़ाहट ने काम बिगाड़ा है। कोच हरेंदर सिंह ने भी इसे स्वीकार किया। वह कहते हैं कि हमने हड़बड़ी में सही विकल्प नहीं चुने। हम मैच की वीडियो क्लिपंग देखकर इन महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने की कोशिश करेंगे।भारतीय टीम पेनल्टी कॉर्नर को भी नहीं भुना पाई है। मलयेशिया के खिलाफ उसे 11 पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिसमें से तीन को उसने इनडायरेक्ट तरीके से भुनाया। कोरिया के खिलाफ उसे आठ पेनल्टी कॉर्नर मिले और एक पर भी गोल नहीं किया। सकारात्मक पक्ष संगीता कुमारी और दीपिका का अच्छा प्रदर्शन है। दोनों ने तीन-तीन गोल किए हैं। संगीता का स्टिक वर्क और तेजी शानदार रही है, लेकिन शर्मिला

देवी, प्रीति दुबे, ब्यूटी डुंगडुंग को और जिम्मेदारी निभानी होगी। वहीं, मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे और उपकप्तान को नवनीत कौर को अपने खेल का स्तर और ऊपर उठाना होगा। भारत को अंतिम दो मैच जापान और चीन के खिलाफ खेलने हैं। ऐसे में थाईलैंड पर बड़ी जीत उसका मनोबल बढ़ाएगी।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा नहीं देने के दावे को विदेश मंत्रालय ने किया खारिज, जानें पूरा मामला

भारतीय विदेश मंत्रालय ने भारत में हो रहे स्क्रैबल टूनार्मेंट के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा नहीं दिए जाने वाली खबरों को खारिज किया है और इन मीडिया रिपोर्ट्स को गलत बताया है। भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर तनातनी चल रही है, लेकिन इस बीच एशिया कप यूथ स्क्रैबल चैंपियनशिप और दिल्ली कप के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को कथित तौर पर वीजा नहीं मिलने का मामला सामने आया।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने दावा करते हुए कहा था कि उन्हें वीजा जारी नहीं किया गया है। इन रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने दो पहले ही आवेदन दिया था, लेकिन अब तक इसे लेकर कुछ नहीं किया गया। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने अब इन रिपोर्ट्स पर संज्ञान लिया है और इसे खारिज किया है। सूत्रों ने कहा कि सात नवंबर 2024 को पाकिस्तान टीम के लिए 12 वीजा जारी किए गए थे। यह सभी वीजा समय से जारी किए गए जिससे वे इन टूनार्मेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत आ सकें।

पाकिस्तान स्क्रैबल संघ (पीएसए) के निदेशक तारिक परवेज ने इसे लेकर निराशा जताई थी। उन्होंने कहा था कि बिना किसी कारण के आधी टीम को वीजा नहीं दिए गए जिसमें से ऐसे खिलाड़ी भी शामिल हैं जो 2022 में विजेता टीम का हिस्सा थे।

टेनिस : एटीपी फाइनल्स में बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी को पहले मैच में मिली हार, ज्वेरेव ने रुबलेव को हराया

2018 और 2021 के विजेता जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एटीपी फाइनल्स के तीसरे खिताब की राह में जीत से शुरूआत की है। उन्होंने ग्रुप दौर के पहले मैच में रूस के आंद्रेई रुबलेव को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। वहीं, युगल में भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी को पहले ग्रुप दौर के मैच में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें इटली की जोड़ी साइमन बोलेली और एंड्रिया ववासरी के हाथों 2-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। बोलेली और ववासरी ने इस जीत के साथ बोपन्ना-एबडेन से ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया।

सिनर को मिली विश्व नंबर एक की ट्रॉफी पेरिस मास्टर्स का खिताब जीतकर आ रहे ज्वेरेव की यह लगातार छठी जीत है। ज्वेरेव का इस मैच में भी दबदबा रहा। उन्होंने कुल नौ एस लगाए और अपनी सर्विस पर सिर्फ 10 अंक गंवाए। रुबलेव ने कहा, ज्वेरेव 220 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से सर्विस कर रहे थे, जिसका सामना करना आसान नहीं था। वहीं, इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन और यूएस ओपन का खिताब जीतने वाले विश्व नंबर एक इटली के यानिक सिनर को वर्ष के विश्व नंबर एक की ट्रॉफी सौंपी गई। सिनर ने कहा, इस ट्रॉफी को ग्रहण करने की इससे अच्छी दूसरी जगह नहीं हो सकती है। ट्रॉफी लेने के दौरान सिनर की मां सिगलिंडे की आंखों में आंसू थे।

एडवोकेट प्रीमियर लीग: लीगल चैलेंजर फरीदपुर ने बरेली टाइगर को हराया, रॉयल ब्लू इलेवन ने भी दर्ज की जीत

बरेली के परसाखेड़ा स्थित बीएल एग्रो स्पोर्ट्स मैदान में चल रहे एडवोकेट प्रीमियर लीग सीजन-4 क्रिकेट टूनार्मेंट-2024 में मंगलवार को वकीलों की आठ टीम के बीच चार मैच खेले गए। प्रतियोगिता में 23 नवंबर को सेमीफाइनल व 24 नवंबर को फाइनल खेले जाएंगे।

पहले मैच में बरेली टाइगर ने टॉस जीत कर लीगल चैलेंजर फरीदपुर को पहले बल्लेबाजी का मौका दिया। इसमें लीगल चैलेंजर फरीदपुर टीम ने निर्धारित आठ ओवर में बिना किसी विकेट गवाएं 100 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने आई बरेली टाइगर की टीम ने नौ विकेट पर 53 रन ही बना सकी। 53 रन और दो ओवर में आठ रन देकर चार विकेट लेने वाले लीगल चैलेंजर फरीदपुर के खिलाड़ी धीरेंद्र को प्लेयर ऑफ मैच चुना गया। दूसरे मैच में अनलिमिटेड हिटर्स (एस) ने बैटिंग शुरू की और आठ ओवर में तीन विकेट पर 80 रन बनाए। इसमें टीम के अभिषेक ने 31 रन बनाए। जवाब में रॉयल ब्लू इलेवन ने तीन विकेट खोकर टारगेट प्राप्त कर मैच 7 विकेट से जीत लिया। टीम के लिए 36 रन बनाने वाले ऋषिकेश को प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

तीसरे मैच में अफसार रहे प्लेयर ऑफ द मैच

तीसरे मैच में एनर्जेटिक लीगल फाइटर्स ने बैटिंग करते हुए आठ ओवर में छह विकेट पर 54 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने आई लीगल पॉवर स्ट्राइकर ने बिना कोई विकेट खोए लक्ष्य प्राप्त कर 10 विकेट से मैच जीत लिया। 31 रन व दो ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लेने वाले अफसार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

किलर इलेवन ने जीता मैच

चौथे मैच में किलर इलेवन ने बैटिंग करते हुए पांच विकेट पर 74 रन बनाए। टीम के जुनैद ने नॉट आउट 27 रन बनाए।

सात्विक-चिराग के लिए भारत से जुड़ेंगे दिग्गज तान किम हर, इरवासियाह होंगे बैडमिंटन के नए एकल कोच

पूर्व विश्व नंबर एक भारतीय युगल जोड़ी सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बैडमिंटन की दुनिया में चमकाने वाले दिग्गज तान किम हार का फिर साथ मिलने जा रहा है। थॉमस कप, एशियाड और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मलयेशिया तान तीसरी बार भारतीय बैडमिंटन टीम के युगल कोच बनने जा रहे हैं।

मलयेशिया, थाईलैंड और जापान जैसे देशों के कोच रह चुके तान किम हर ने ही सात्विक-चिराग की जोड़ी बनाई थी। उनकी कोचिंग में भारतीय जोड़ी ने दुनिया भर में अपना दबदबा बनाया। डेनमार्क के मथायस बोए के

पेरिस ओलंपिक से हटने के बाद सात्विक-चिराग को नए कोच की तलाश थी। दोनों तान किम के साथ जुड़ना चाहते थे। इन दोनों के कहने पर ही वह फिर से भारत के साथ अनुबंध के लिए तैयार हो गए। उन्हें 10 हजार अमेरिकी डॉलर प्रति माह (लगभग साढ़े 8 लाख रुपये) का वेतन दिया जाएगा। वहीं, भारतीय बैडमिंटन संघ तान किम के अलावा एकल के लिए इंडोनेशियाई दिग्गज कोच इरवासियाह आदी प्रात्मा को नया कोच अनुबंधित करने जा रहा है। प्रात्मा को भी 10 हजार अमेरिकी डॉलर मिलेंगी। इन दोनों के अलावा इंडोनेशिया के एकल कोच ड्वी क्रिस्टियावान को संघ बरकरार रखने जा रहा है।

एटीपी फाइनल्स में फ्रिट्ज को हराकर शीर्ष वरीय सिनर की लगातार बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी को फिर मिली हार

शीर्ष वरीय इटली के यानिक सिनर ने घरेलू दर्शकों के भारी समर्थन के बीच एटीपी फाइनल्स में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। यह इस वर्ष के यूएस ओपन फाइनल की पुनरावृत्ति थी। यूएस ओपन के फाइनल में भी सिनर जीते थे और यहां भी उन्होंने जीत मिली। दुनिया के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच खेले जाने वाले इस टूनार्मेंट में ओले, ओले, सिनर की आवाजों के बीच इटली के खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनौर को हराया था।

घर में खेलना लगता है अच्छा

पहले सेट में सिनर ने मैराथन सर्विस गेम बचाया और इसके बाद बड़ा फोरहैंड लगाते हुए फ्रिट्ज की सर्विस तोड़कर पहला सेट अपने नाम कर लिया। सिनर

ने भी स्वीकार किया कि उनकी समर्थकों ने काफी मदद की। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए विशेष क्षण हैं, मुझे हमेशा घर में खेलना अच्छा लगता है। अगर आपको प्रशंसक प्यार करते हैं और आपका समर्थन करते हैं तो यह बहुत बड़ी सहायता होती है। पिछले पांच टूनार्मेंट में सिनर की जीत-हार का रिकॉर्ड 23-1 हो गया है। हालांकि फ्रिट्ज हारे जरूर, लेकिन उन्होंने संघर्ष किया। सिनर बृहस्पतिवार को अब डेनियल मेदवेदेव से भिड़ेंगे, जिन्होंने पहले मैच की हार से उबरते हुए एलेक्स डि मिनौर को 6-2, 6-4 से हराया था। वहीं, फ्रिट्ज का मुकाबाल डि मिनौर से होगा। सिनर डोप पॉजिटिव घोषित किए जाने के बाद पहली बार घर में खेल रहे हैं। उन्हें आरोपों से बरी किए जाने के बाद वाडा ने अपील कर रखी है, जिस पर अगले वर्ष के शुरू में फैसला आने की उम्मीद है।छठी वरीय जोड़ी भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन का एटीपी फाइनल्स में निराशाजनक प्रदर्शन का क्रम जारी है। दोनों को टूनार्मेंट में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष वरीय जोड़ी अल सल्वाडोर के मासेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पेविच ने बोपन्ना-एबडेन को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। बोपन्ना-एबडेन ने महत्वपूर्ण मौकों पर सर्विस गंवाई। पहले सेट में 6-5 के स्कोर पर सर्विस गंवाना महंगा पड़ा। दूसरे सेट में भी दोनों 2-4 से पिछड़े थे। दोनों ने सर्विस ब्रेक कर स्कोर 3-4 कर किया, लेकिन अगली सर्विस तुड़वाकर भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी मैच गंवा दिया।

लोकेश कनगराज ने उठाया कुली की रिलीज डेट से पर्दा, फिल्म में आमिर खान के कैमियो पर भी तोड़ी चुप्पी

साउथ फिल्म निर्देशक लोकेश कनगराज इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म कुली पर काम कर रहे हैं। फिल्म में सुपरस्टार रजनीकांत मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस बीच अब लोकेश ने अपनी फिल्म की रिलीज की तैयारियों पर बात की। साथ ही कुली को लेकर दिलचस्प अपडेट भी साझा किया है।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

सुपरस्टार रजनीकांत अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म कुली की शूटिंग इन दिनों चेन्नई में चल रही है। निर्देशक लोकेश कनगराज ने हाल ही में बताया कि फिल्म 2025 की गर्मियों में रिलीज होगी। उन्होंने यह भी बताया कि शूटिंग 2025 की शुरुआत तक पूरी होने की उम्मीद है। निर्देशक ने सेट पर रजनीकांत के समर्पण और पेशेवर रवैये की प्रशंसा की, उनकी समय की पाबंदी और तैयारी को उनकी निरंतर सफलता की कुंजी बताया।

आमिर खान के कैमियो पर दी जानकारी

कुली को एक आदर्श अखिल भारतीय फिल्म बताते हुए कनगराज ने वादा किया कि यह एक अभूतपूर्व एक्शन ड्रामा होगी, जो दर्शकों को आश्चर्यचकित कर देगी। उन्होंने पुष्टि की कि यह फिल्म किसी भी फ्रेंचाइजी का हिस्सा नहीं है। निर्देशक ने फिल्म में आमिर खान के कैमियो के बारे में अफवाहों पर भी टिप्पणी की और कहा कि आधिकारिक घोषणा प्रोडक्शन हाउस की ओर से की जानी चाहिए। इस बयान से प्रशंसकों में आमिर खान की संभावित संलिप्तता को लेकर शक की स्थिति पैदा हो गई है।

एलयूसी पर भी दिया अपडेट

कुली के अलावा कनगराज ने लोकेश सिनेमैटिक यूनिवर्स के लिए अपनी योजनाएं भी साझा कीं। उन्होंने बताया कि उनका अगला निर्देशन कैथी 2 होगा, जिसका निर्माण अगस्त 2025 में शुरू होने की संभावना है। निर्देशक ने भविष्य में आमिर खान के साथ संभावित सहयोग का भी उल्लेख किया और कहा कि यदि सब कुछ ठीक रहा तो वह निश्चित रूप से उनके साथ काम करेंगे।

परिणीति चोपड़ा ने बताया क्यों शुरू किया अपना यूट्यूब चैनल

बायोपिक फिल्म अमर सिंह चमकीला में नजर आने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने अपना यूट्यूब चैनल शुरू कर दिया है। उन्होंने पहले वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है कि हालांकि वो एक प्राइवेट पर्सन हैं फिर भी अब अपनी जिंदगी का हर पल शेयर करने को तैयार हैं। करीब 1 मिनट के इस वीडियो को उन्होंने कैप्शन दिया है- मेरा पहला यू ट्यूब वीडियो। जो कुछ उन्होंने कहा है उससे साफ है कि ये उनका डेली व्लॉग होगा। उन्होंने वीडियो में कहा, मैं हमेशा से ही एक बहुत ही प्राइवेट पर्सन रही हूं, भले ही मैं एक पब्लिक पर्सन हूं, मैं हर समय कैमरों के सामने रहती हूं। मैंने हमेशा कहा है कि मैं अपने जीवन का केवल एक प्रतिशत हिस्सा ही अपने सोशल मीडिया पर शेयर करती हूं।

और मैं अब इसके लिए तैयार हूं

उन्होंने आगे बताया, अब मैं अपने जीवन में बहुत सारी चीजें करती हूं। मैं कुछ पागलपन भरे साहसिक काम करती हूं, मैं बहुत स्कूबा डाइविंग करती हूं, पढ़ती हूं और मैं हर समय गाती रहती हूं। मैं हर समय स्टूडियो में रहती हूं। आजकल मेरे जीवन में इतना कुछ हो रहा है कि मैंने सोचा कि अब समय आ गया है कि मैं अपने जीवन में जो कुछ भी करती हूं,वह सब अपने फैंस के साथ शेयर करूं, और मैं अब इसके लिए तैयार हूं। एक्ट्रेस ने कहा कि उनका यह फैसला उनके फैन्स को उनके जीवन में होने वाली घटनाएं देखने का मौका देगा।

इसलिए अपना यूट्यूब चैनल खोलने का फैसला किया

उन्होंने आगे कहा, इसलिए मैंने अपना यूट्यूब चैनल खोलने का फैसला किया है। मैं बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मैं पूरे दिन जो करती हूं मुझे फैंस को उनके जवाब नहीं देने होंगे, आप उसे बस देख पाएंगे। मैं अपने चैनल का लिंक अपने बायो में डालूंगी और आइए साथ मिलकर इस नए अध्याय की शुरुआत करें। मैं आपका अपने जीवन में स्वागत करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। जल्द ही मिलते हैं।

उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा

एक्ट्रेस ने यही वीडियो पहले इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें अपना चैनल शुरू करने के लिए किस बात ने प्रेरित किया।

रोमांटिक फिल्म चांद मेरा दिल में अनन्या पांडे के साथ दिखेंगे लक्ष्य लालवानी

किल से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले लक्ष्य लालवानी बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे के साथ अपकमिंग रोमांटिक फिल्म चांद मेरा दिल में नजर आएंगे। अनन्या और लक्ष्य ने अपने-अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आने वाली फिल्म के कई पोस्टर शेयर किए। पोस्टर देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह फिल्म एक लव स्टोरी है। दोनों ने फिल्म के पोस्टर शेयर करते हुए पोस्ट को कैप्शन दिया, प्यार में थोड़ा पागल होना ही पड़ता है. विवेक सोनी द्वारा निर्देशित चांद मेरा दिल 2025 में सिनेमाघरों में आ रहा है। विवेक सोनी ने 2021 में सान्या मल्होत्रा और अभिमन्यु दासानी अभिनीत मीनाक्षी सुंदरेश्वर का भी निर्देशन किया था। इस फिल्म का पोस्टर करण जौहर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। उन्होंने फिल्म को भावुक प्रेम कहानी बताया। उन्होंने लिखा, हमारे पास दो चांद हैं जो एक ऐसी गहरी और ऐसी भावुक प्रेम कहानी लेकर आने के लिए तैयार हैं जो पहले कभी नहीं देखी गई। प्यार में थोड़ा पागल होना ही पड़ता है. चांद मेरा दिल में अनन्या पांडे और लक्ष्य मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का शीर्षक 1977 की फिल्म हम किसी से कम नहीं के गाने चांद मेरा दिल चांदनी हो तुम से प्रेरित लगता है। इस गाने को मोहम्मद रफी ने गाया था। फिल्म में ऋषि कपूर, तारिक, काजल किरण, अमजद खान और जीनत अमान ने विशेष भूमिका निभाई थीं। अनन्या की बात करें तो उन्हें पिछली बार विक्रमादित्य मोटवानी द्वारा निर्देशित स्क्रीनलाइफ थ्रिलर फिल्म सीटीआरएल में देखा गया था।

मनीषा कोइराला हीरामंडी-2 को लेकर हैं खुश, कहा-अभिनय में नए आयाम तलाशना चाहती हूं

मनीषा कोइराला ने अपने अभिनय करियर में कई हिट और बेहतरीन फिल्में दीं। अचानक जब उनको कैंसर हुआ, तो मनीषा के करियर में ब्रेक लग गया। कैंसर से ठीक होने के बाद वह फिर से फिल्मों में सक्रिय हो गईं। उन्होंने अपनी जिंदगी के अलावा फिल्मों में भी नई पारी की शुरुआत की। अलग-अलग तरह के किरदार निभाने शुरू किए। इस साल रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी में उनकी अदाकारी दर्शकों से लेकर आलोचकों तक को पसंद आई। अब वह हीरामंडी-2 में काम करने को लेकर खुश हैं, इस सीरीज को अपने लिए बहुत ही खास मानती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने हीरामंडी-2 और अपने आगे के करियर को लेकर बात की।

हीरामंडी-2 को मानती हैं बड़ा प्रोजेक्ट

मनीषा हीरामंडी-2 के बारे में कहती हैं, यह मेरे लिए लाइफ टाइम का प्रोजेक्ट है। अभी मुझे नहीं पता है कि इस पर कब काम शुरू होगा। दरअसल, अभी तो संजय लीला भंसाली फिल्म लव एंड वॉर में व्यस्त हैं, इसके बाद ही वह हीरामंडी-2 पर काम करेंगे। मनीषा इस सीरीज के दूसरे पार्ट में काम करने का लेकर काफी उत्साहित हैं।

चुनौतीपूर्ण किरदार करना चाहती हैं

मनीषा कोइराला आगे कहती हैं, कैंसर से ठीक होने के बाद मैं अपने जीवन का आनंद ले रही हूं। मुझे खुशी है कि मुझे काम करने और बेहतरीन किरदार करने का मौका मिल रहा है। मुझे अच्छे निर्देशकों के साथ भी काम करने का मौका मिला है। अब मैं चाहती हूं कि अभिनय में नए आयाम तलाश करूं। मैं चुनौती स्वीकार करना चाहती हूं। साइड रोल करने के लिए मैं उत्सुक नहीं हूं।

पुरानी फिल्मों को लेकर बातें

मनीषा ने पिछले दिनों अपनी पुरानी फिल्मों को लेकर भी कई इंटरव्यू में बात की। इसमें दिल से और बॉम्बे जैसी फिल्में शामिल रहीं। दिल से के बारे में तो उन्होंने बताया कि इसमें शाहरुख का किरदार मरने वाला नहीं था, लेकिन बाद में फिल्म का अंत बदल दिया गया। वहीं बॉम्बे में काम करने के लिए भी उन्हें मना किया गया था, लेकिन मनीषा ने अपने मन की सुनी और इस फिल्म में निर्देशक मणिरत्नम के साथ काम किया। आगे चलकर उनका फैसला सही साबित हुआ और बॉम्बे फिल्म हिट साबित हुई।

हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा लेकर रोमांचित हैं आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड के नामी अभिनेता आयुष्मान खुराना जल्द ही फिल्म थामा' में नजर आएंगे। इसे लेकर एक्टर काफी रोमांचित हैं। आयुष्मान ने कहा, मैं उत्साहित हूं कि दिनेश विजान को लगता है कि यह मेरे लिए उनकी ब्लॉकबस्टर हॉरर कॉमेडी दुनिया में और थामा के रूप में प्रवेश करने का सबसे अच्छा समय है।

आयुष्मान पहली बार किसी हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाले है। यह फिल्म 2025 में दिवाली पर रिलीज की जाएगी। यह फिल्म हॉरर कॉमेडी में प्रेम कहानी का तड़का लगाकर फिल्मी पर्दे पर एक नई शुरुआत करने जा रही है। इस फिल्म में आयुष्मान के साथ रश्मिका मंदाना, परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी दिखाई देंगे। आदित्य सरपोतदार ने नीरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फुलारा की पटकथा से इसका निर्देशन किया है, जबकि दिनेश विजान और अमर कौशिक ने इसका निर्माण किया है। अभिनेता ने हॉरर-कॉमेडी दुनिया में थामा की अनूठी स्थिति के बारे में बताया। उन्होंने कहा, थामा हॉरर कॉमेडी दुनिया की पहली प्रेम कहानी है जो बेहद ही रोमांचक होने वाली है। यह एक 'खूनी' प्रेम कहानी होने का वादा करती है, जो दर्शकों को एक खास तरह का अनुभव देगी। आयुष्मान ने आगे कहा, थामा एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो पूरी तरह से वाइल्ड कार्ड है, एक ऐसी फिल्म जिसे भारत में किसी ने नहीं देखा है। मैं इस फिल्म के सेट से जुड़ने और दिनेश और उनके दूरदर्शी साथियों की पूरी टीम जैसे अमर कौशिक, मेरे निर्देशक आदित्य सरपोतदार और प्रतिभाशाली लेखन नीरेन भट्ट के साथ काम करने को लेकर बेहद ही उत्साहित हूं। अभिनेता इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बेहद ही खुश है। खुराना ने कहा , दिनेश और मेरे पास एक समान जुनून है। 'थामा' हमारा दूसरा सहयोग है और यह इतना नया है कि मैं अगली दिवाली पर सिनेमाघरों में इसे देखने पर लोगों की प्रतिक्रिया का इंतजार नहीं कर सकता। यह फिल्म मैडॉक की हाल ही में आई स्त्री 2 और मुंज्या की सफलताओं के बाद आई है, जो हॉरर और कॉमेडी तत्वों के मिश्रण के लिए प्रोडक्शन हाउस की प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है। अभिनेता ने कहा, थामा' मेरे लिए बेहद ही खास है। मुझे पता है कि मैं लोगों के लिए अपना दिल और आत्मा दे दूंगा, उम्मीद है कि वे इसे सर्वसम्मति से प्यार देंगे।

धनुष की नई फिल्म डी55 का एलान अमरन के निर्देशक राजकुमार पेरियासामी के साथ मिलाया हाथ

अभिनेता-फिल्म निर्माता धनुष एक के बाद एक कई फिल्में साइन करने में लगे हुए हैं। अभिनेता के प्रशंसकों के लिए आज दोगुनी खुशी का दिन है। दरअसल, आज पहले अभिनेता की अगली निर्देशित फिल्म इडली कढ़ाई की रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया गया, जिसके बाद से प्रशंसकों ने उन्हें बधाई दी। वहीं, अब आज ही दोपहर को अभिनेता की नई फिल्म का भी एलान हुआ है, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। 8 नवंबर को धनुष की 55वीं फिल्म का एलान हुआ। प्रोडक्शन हाउस गोपुरम फिल्म्स ने धनुष के साथ अपनी अगली फिल्म की घोषणा की। इस पहले खबरें आ रही थीं कि धनुष अमरन के निर्देशक राजकुमार पेरियासामी के साथ एक फिल्म के लिए हाथ मिलाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आखिरकार अब इस खबर पर निर्माताओं ने मुहर लगा दी और धनुष के साथ नई फिल्म का एलान किया। निर्देशक राजकुमार पेरियासामी इन दिनों अमरन की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। अब उन्होंने एक नई तमिल फिल्म के लिए अभिनेता-फिल्म निर्माता धनुष के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। फिल्म को अस्थायी रूप से डी55 कहा जा रहा है और इसे गोपुरम फिल्म्स द्वारा निर्मित किया गया है। आगामी फिल्म में राजकुमार पहली बार धनुष के साथ सहयोग कर रहे हैं। फिल्म का उद्घाटन समारोह शुक्रवार को निर्माता, अभिनेता और निर्देशक की उपस्थिति में हुआ। फिल्म निर्माता वेत्रिमारन ने भी समारोह में भाग लिया। फिल्म के कलाकारों और क्रू के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही घोषित होने की उम्मीद है। धनुष-राजकुमार फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा अभी बाकी है। इस बीच, राजकुमार अमरन की सफलता से खुश हैं, जो वर्तमान में सिनेमाघरों में चल रही है। इस फिल्म में शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी मुख्य भूमिकाओं में हैं, और यह दिवंगत मेजर मुकुंद वरदराजन की बायोपिक है। फिल्म को दर्शकों ने खूब सराहा है, आलोचकों ने भी इसकी प्रशंसा की है और व्यावसायिक सफलता भी मिली है।

धनुष की आने वाली फिल्में

धनुष को आखिरी बार रायन में देखा गया था, एक ऐसी फिल्म जिसमें उन्होंने अभिनय और निर्देशन किया था। यह फिल्म फिलहाल प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। इसके अलावा, अभिनेता के पास अरुण मथेश्वरन द्वारा निर्देशित इलैयाराजा की बायोपिक और उनकी अगली निर्देशित फिल्म इडली कढ़ाई भी है। नित्या मेनन के साथ उनकी यह फिल्म अप्रैल 2025 में रिलीज होने वाली है। साथ ही धनुष फिल्म निर्माता शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित तेलुगु-तमिल फिल्म कुबेर में भी नजर आएंगे। फिल्म में अभिनेता नागार्जुन अक्किनेनी, रश्मिका मंदाना, जोम सर्भ और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

नागा चैतन्य, साई पल्लवी अभिनीत थंडेल 7 फरवरी 2025 को होगी रिलीज

युवा सम्राट नागा चैतन्य अभिनीत और चंदू मोंडेती द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म थंडेल अपनी रिलीज के लिए तैयार है। प्रतिष्ठित गीता आर्ट्स बैनर के तहत बनी वास द्वारा निर्मित और अल्लू अरविंद द्वारा प्रस्तुत, फिल्म का निर्माण पूरा होने वाला है, और निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी है। थंडेल 7 फरवरी 2025 को स्क्रीन पर आएगी। यह रिलीज वैलेंटाइन डे से ठीक पहले फिल्म को रणनीतिक रूप से स्थान देती है, जिससे इसे सीजन के रोमांटिक मूड का लाभ उठाने का सही मौका मिलता है। रिलीज की तारीख के पोस्टर में मुख्य जोड़ी, नागा चैतन्य और साई पल्लवी के बीच शानदार केमिस्ट्री को दिखाया गया है, जो एक सुरम्य समुद्री पृष्ठभूमि पर सेट है। पोस्टर में युगल को एक स्नेही आलिंगन में दर्शाया गया है, जो उनके पात्रों के बीच प्यार के गहरे सागर का संकेत देता है। फिल्म ने पहले ही काफी चर्चा बटोरी है, टीजर और पोस्टर को असाधारण प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं।